Om Ganeshaya Namah

Horoscope Of

Aishwarya Rai Bachchan

Pandit.com
Astrology | Numerology | Vastu Shastra
Phone: +91-86992-07979 email- care@pandit.com

नाम	Aishwarya Rai Bachchan	दादा का नाम	
लिंग	स्त्री	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/11/1973	माता का नाम	
दिन वार	गुरुवार	जाति	
जन्म समय	07:20:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	2:18:48 घटी		
जन्म स्थान	Mangalore		
अक्षांश	012.52 उत्तर	विक्रमी संवत्	2030
रेखांश	074.53 पूर्व	शक संवत्	1895
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	कार्तिक
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	शुक्ल
स्थानीय समय	06:49:32 घन्टे	चन्द्र तिथि	6
स्थानीय तिथि	01/11/1973	सूर्योदय कालीन तिथि	6
सूर्योदय	6: 24: 28 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	20:17:26
सूर्यास्त	18: 4: 36 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
दिनमान	11: 40: 7 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	18:30:34
विषुव काल	9: 30: 23 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	धृति
भयात	40:1:10 घटी	योग समाप्ति काल	26:59:38
भभोग	67:55:47 घटी	सूर्योदय कालीन करण	कौलव
ऋतु	शरद	करण समाप्ति काल	6:56:49
भोग्य दशा	शुक्र 8व 2मा 20दि		

अवकहड़ा चक्र

लग्न	तुला
लग्नेश	शुक्र
राशि	धनु
राशीश	गुरु
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
चरण	3
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-तांबा
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मूषक
नामाक्षर	फ
युंजा	अन्त्य
हंसक तत्व	अग्नि

घात चक्र

मास	श्रावण
तिथि	3- 8- 13
दिन	शुक्रवार
नक्षत्र	भरणी
योग	वज्र
करण	तैतिल
प्रहर	1
वर्ग	बिलाव
चन्द्र	कन्या

शुभ दिन, वार, रत्न

शुभ दिन	शुक्रवार
शुभांक	3
शुभ रंग	हरा
शुभ रत्न	पन्ना
रत्न धातु	स्वर्ण
रत्न धारक अंगुली	कनिष्ठिका (अंगूठें से चौथी)

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	तुला	27°17'37''		शुक्र	विशाखा	3	गुरु	शुक्र
सूर्य	तुला	15°00'20''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	21°11'09''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
मंगल-व	मेष	05°50'55''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°54'47''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°35'02''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°39'08''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°03'08''	मित्र	बुध	आर्द्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'06''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'06''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र
यूरे	तुला	00°53'02''		शुक्र	चित्रा	3	मंगल	बुध
नेप्च	वृश्चिक	12°37'36''		मंगल	अनुराधा	3	शनि	मंगल
प्लूटो	कन्या	12°03'22''		बुध	हस्त	1	चन्द्र	राहु

चित्रपक्षीय अयनांश 23: 29: 29 अंश
राहु व केतु के स्पष्ट अंश हैं

जन्म लग्न

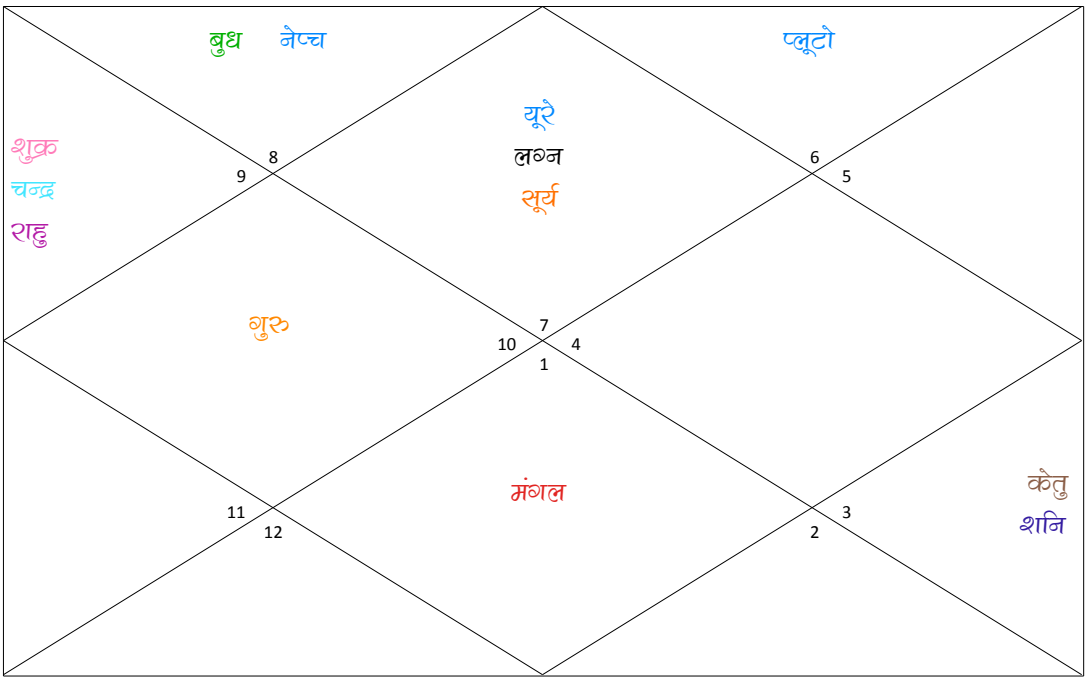

कारकत्व एवं अवस्थाएं

ग्रह	कारक		अवस्थाएं	
	चर कारक	स्थिर कारक	बालादि	शयानादि
सूर्य	अमात्य	पिता	युवा	भोजन
चन्द्र	आत्म	माता	वृद्ध	उपवेशन
मंगल	पुत्र	पराक्रम	बाल	गमन
बुध	ज्ञाति	बुद्धि	मृत	उपवेशन
गुरु	मातृ	धन	वृद्ध	प्रकाश
शुक्र	दारा	कलत्र	बाल	निद्रा
शनि	भ्रातृ	आयुष्य	कुमार	गमन
राहु		भ्रम	कुमार	गमन
केतु		मोक्ष	कुमार	निद्रा

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू भाद्रपद	उ भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आरद्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा
पू फाल्गुनी	उ फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल

चन्द्र लग्न

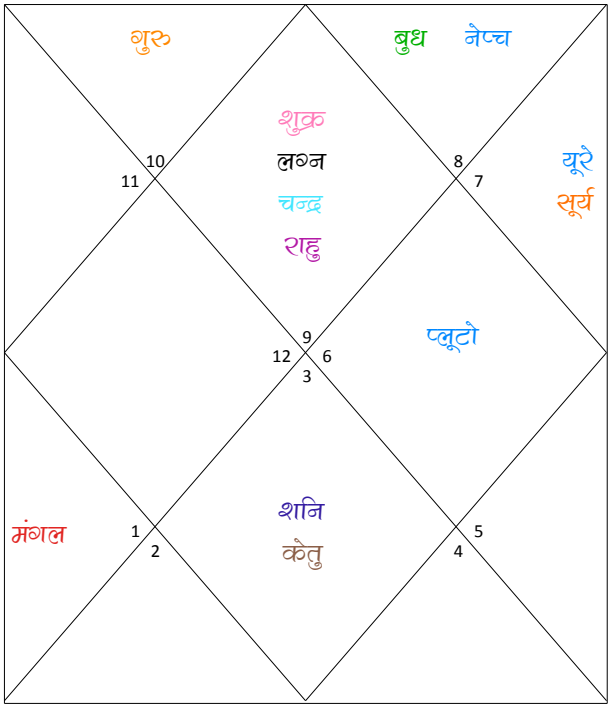

नवमांश

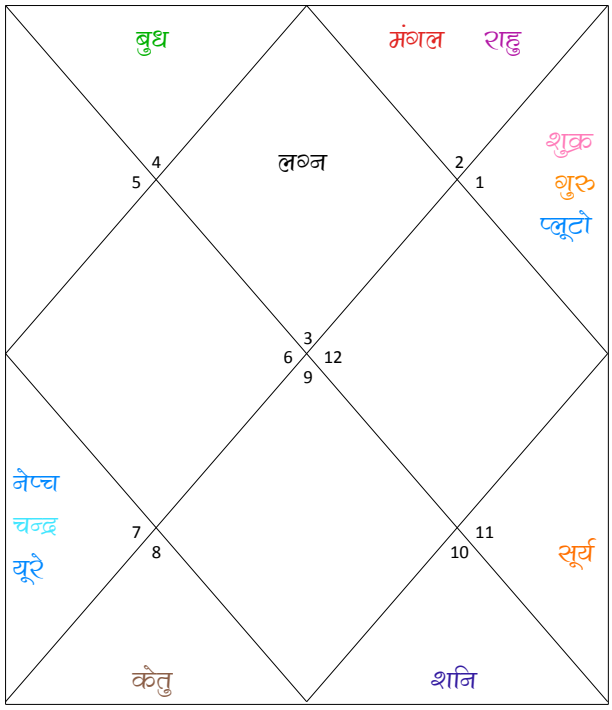

भाव एवं निरयण भाव (कस्प)

भाव	आरम्भ		मध्य	
1	तुला	12:11'	तुला	27:17'
2	वृश्चिक	12:11'	वृश्चिक	27:05'
3	धनु	11:59'	धनु	26:53'
4	मकर	11:47'	मकर	26:41'
5	कुम्भ	11:47'	कुम्भ	26:53'
6	मीन	11:59'	मीन	27:05'
7	मेष	12:11'	मेष	27:17'
8	वृष	12:11'	वृष	27:05'
9	मिथुन	11:59'	मिथुन	26:53'
10	कर्क	11:47'	कर्क	26:41'
11	सिंह	11:47'	सिंह	26:53'
12	कन्या	11:59'	कन्या	27:05'

भाव	राशि	अंश
1	तुला	27:17'37''
2	वृश्चिक	26:16'55''
3	धनु	25:44'38''
4	मकर	26:41'47''
5	कुम्भ	28:42'5''
6	मीन	29:27'5''
7	मेष	27:17'37''
8	वृष	26:16'55''
9	मिथुन	25:44'38''
10	कर्क	26:41'47''
11	सिंह	28:42'5''
12	कन्या	29:27'5''

चलित

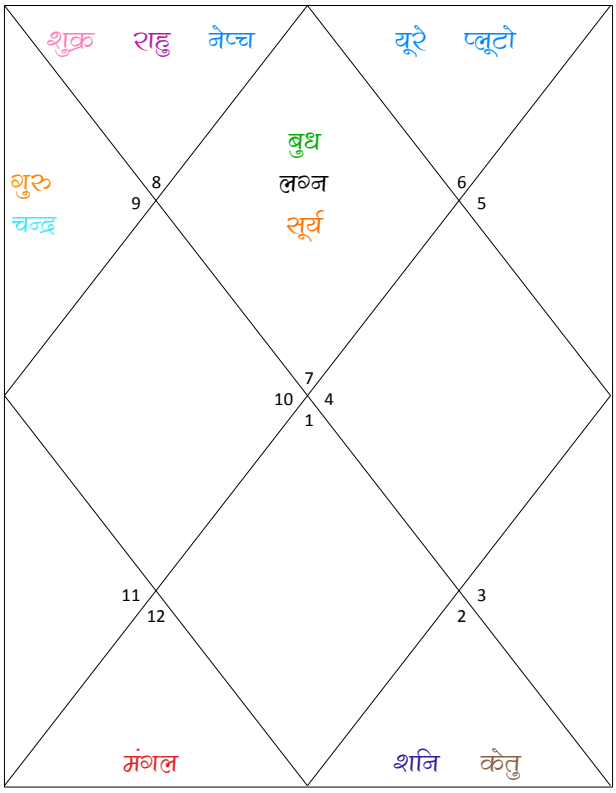

निरयण भाव (कस्प)

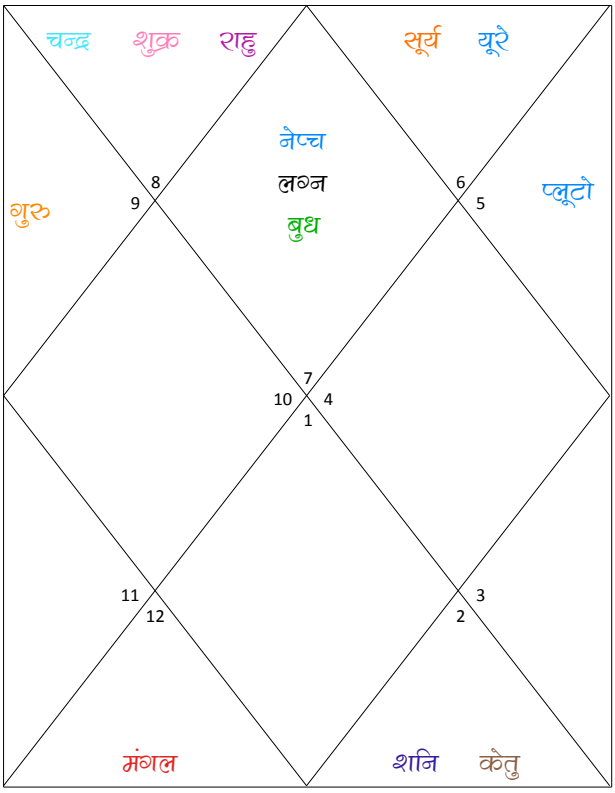

जन्म लग्न

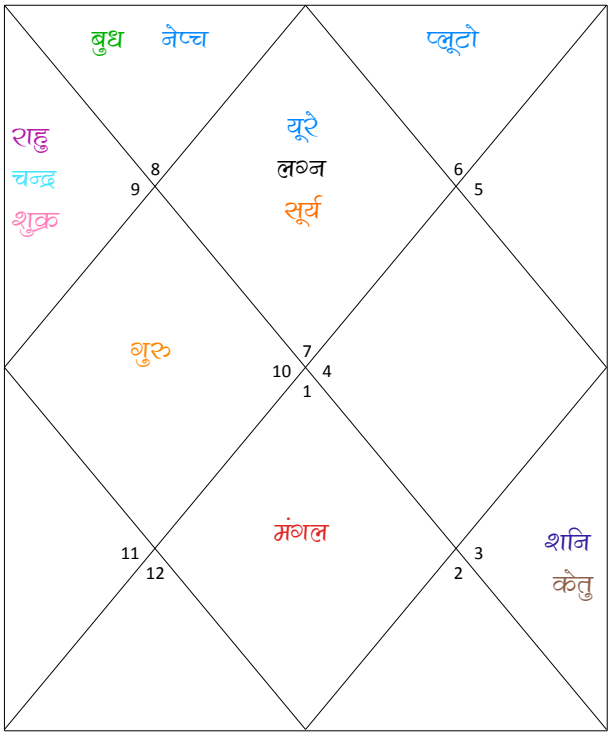

होरा "सम्पति के लिए"

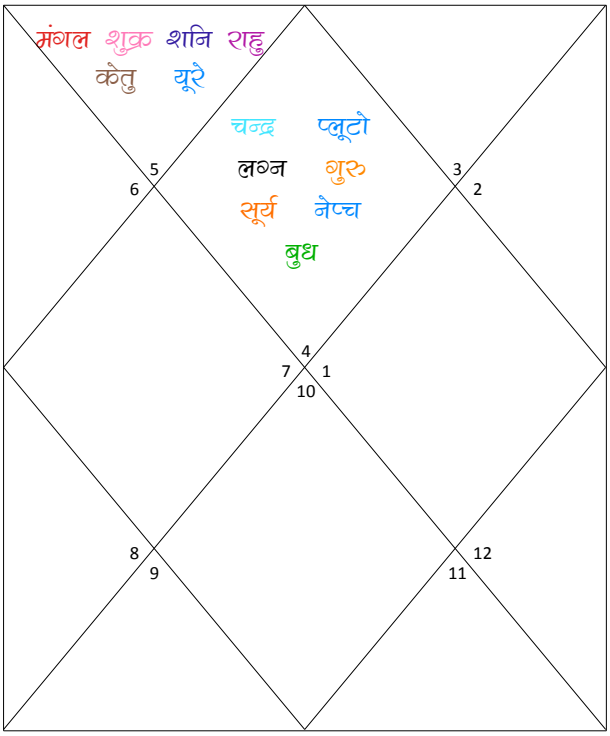

द्रेष्काण "भाई व बहनों के लिए"

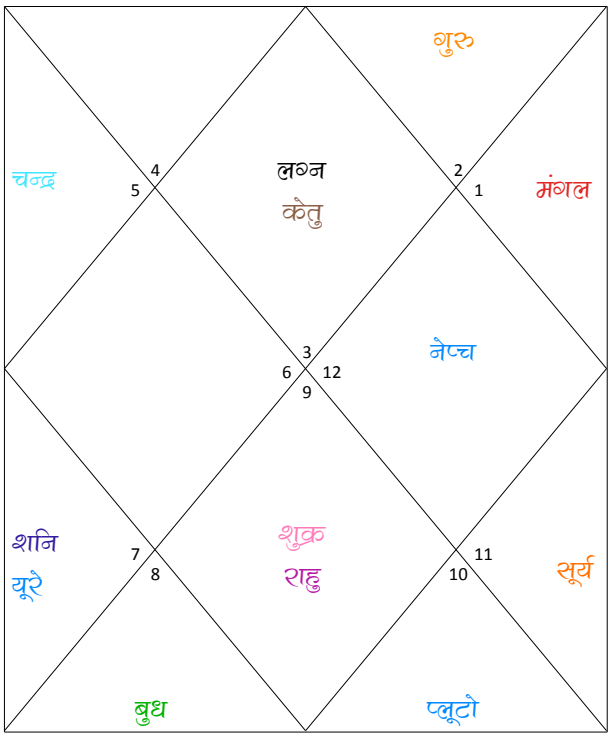

चतुर्थांश "भाग्य के लिए"

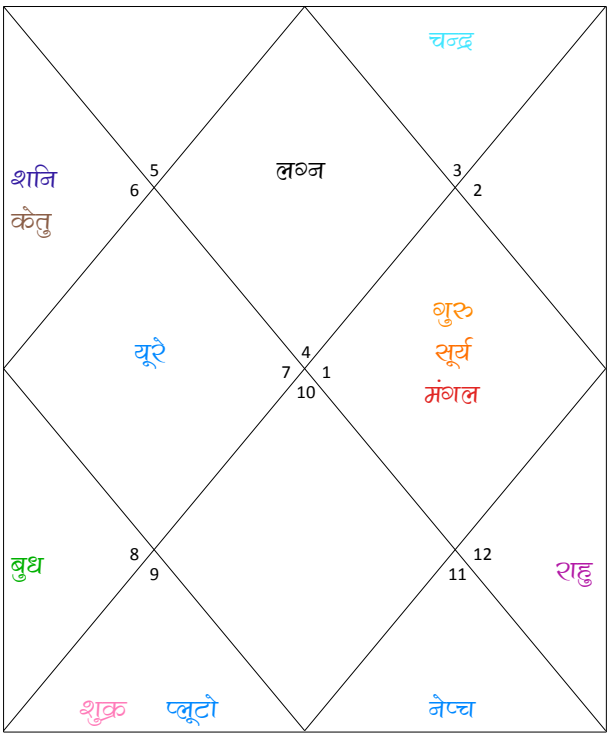

सप्तमांश "बच्चों के लिए"

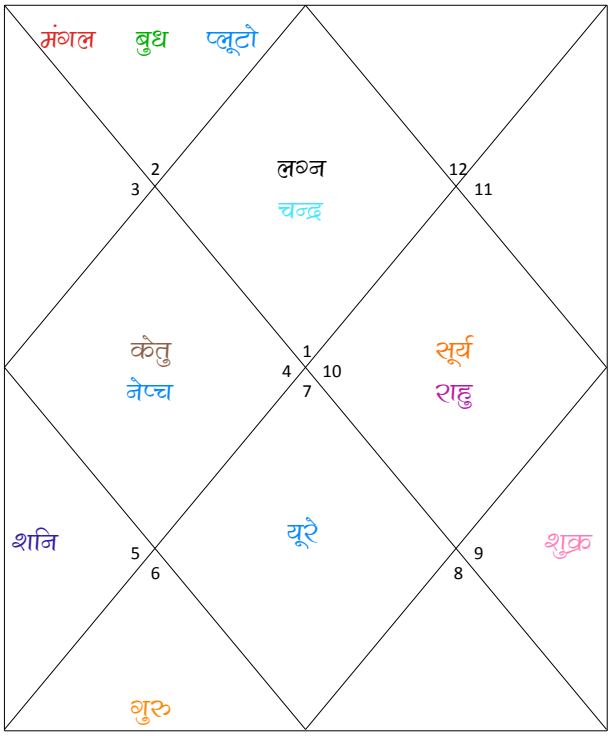

नवमांश

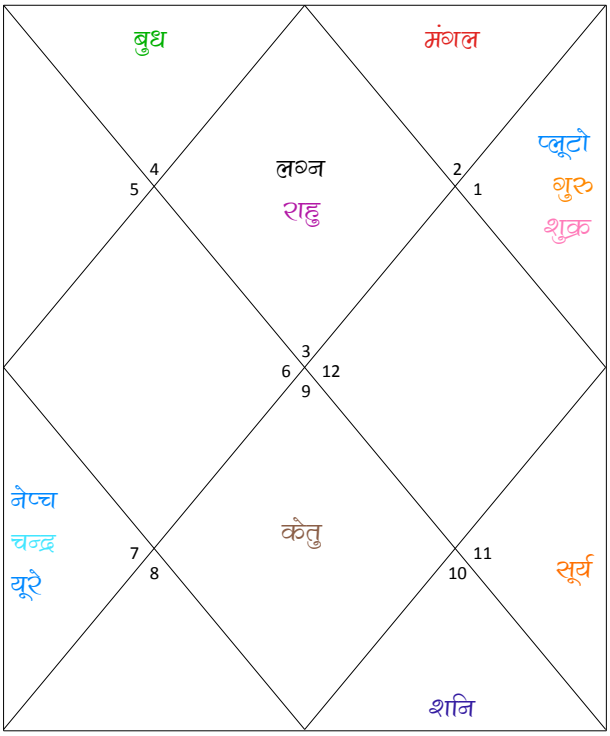

दशमांश "जीवन यापन के लिए"

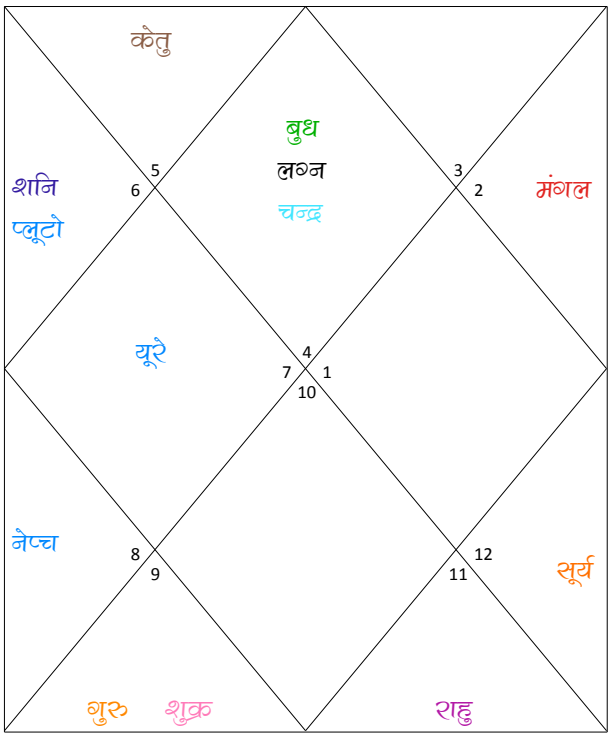

द्वादशांश "माता पिता के लिए"

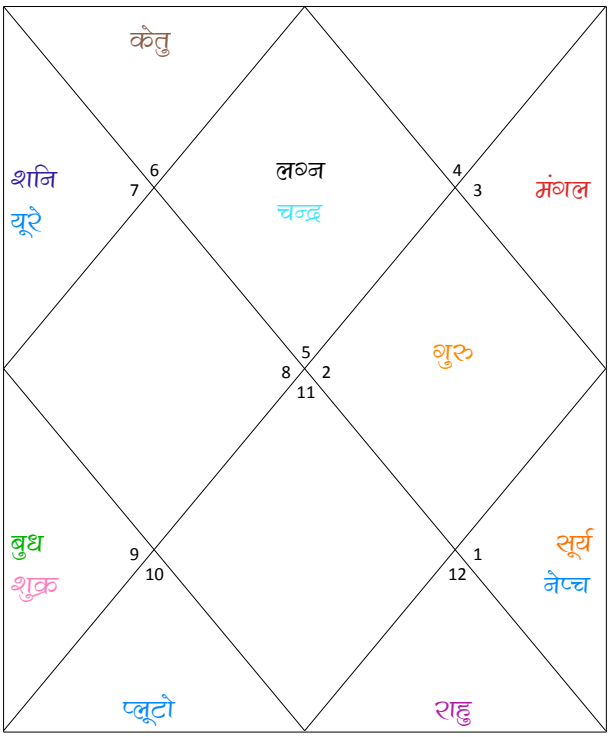

षोडशांश "वाहन के लिए"

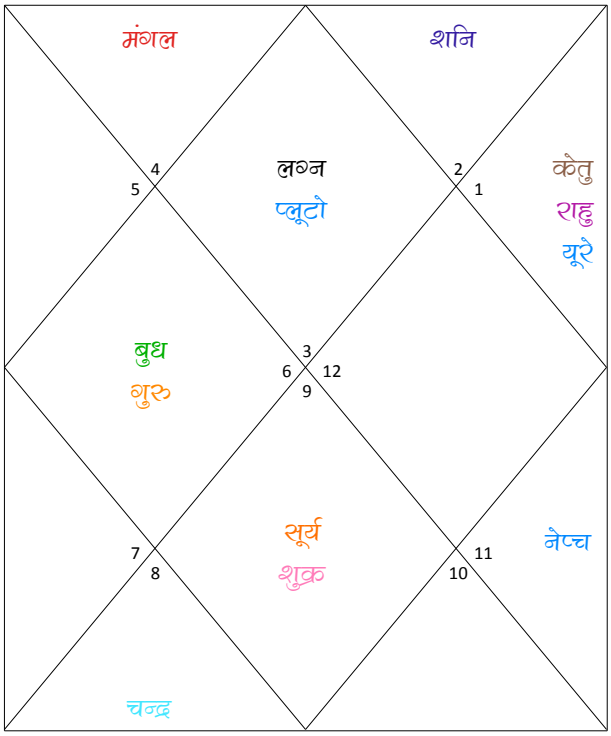

विशांश "धार्मिक प्रवृति के लिए"

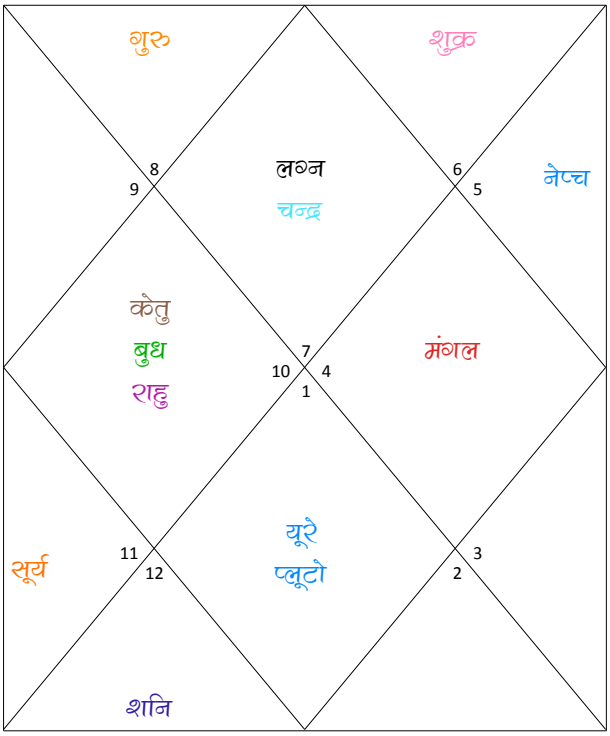

चतुर्विशांश "विद्या के लिए"

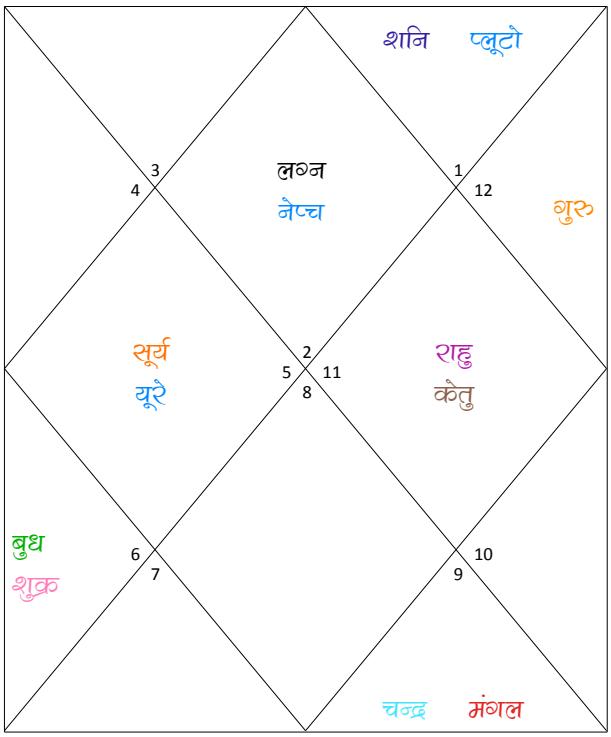

सप्तविशांश "बलाबल के लिए"

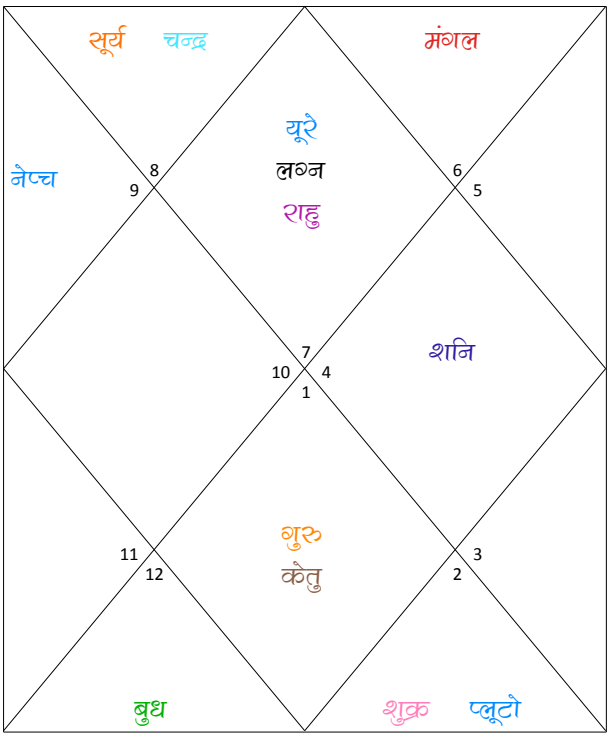

त्रिंशांश "अरिष्ट के लिए"

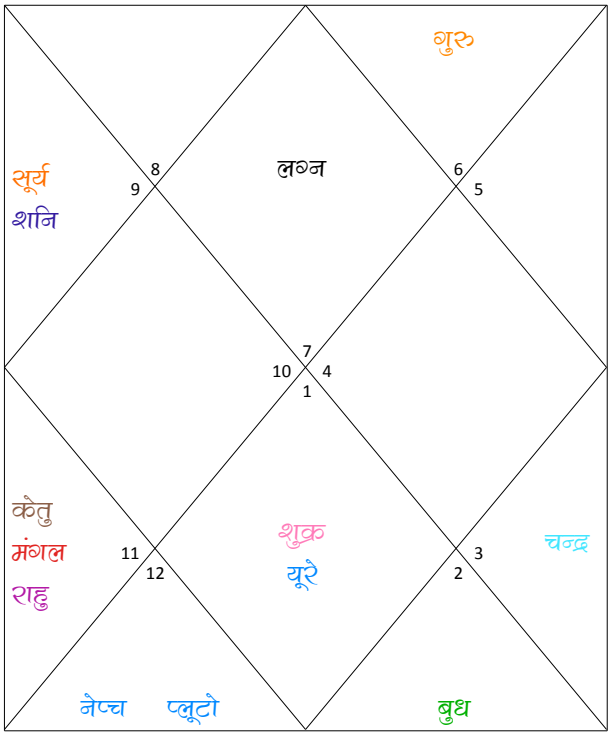

खवेदांश "शुभ के लिए"

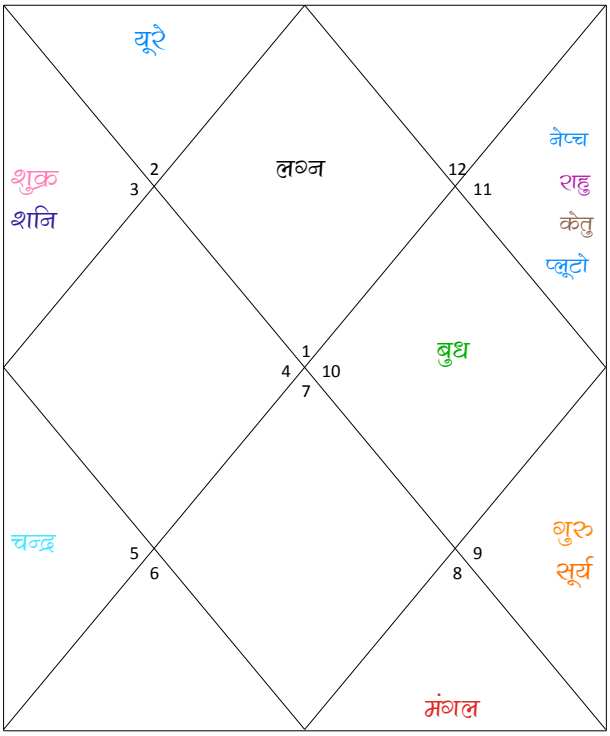

अक्षवेदांश "सर्वास्थिति के लिए"

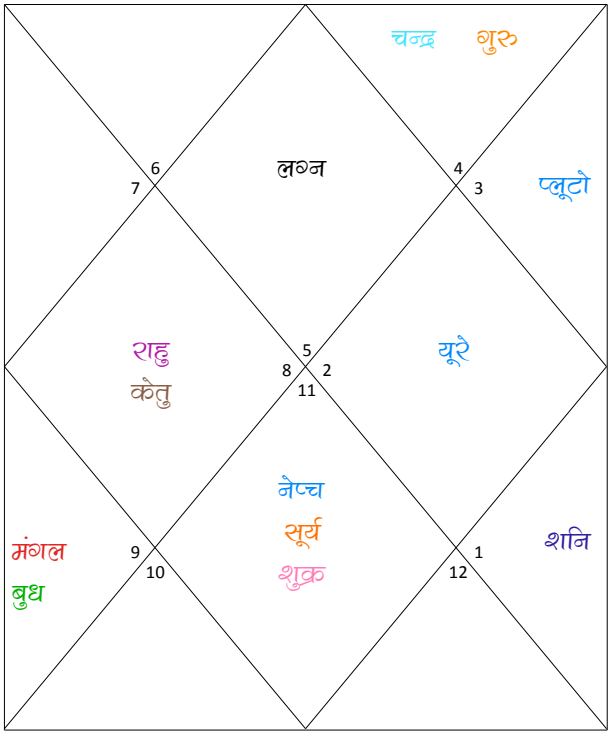

षष्ट्यंश "सर्वास्थिति के लिए"

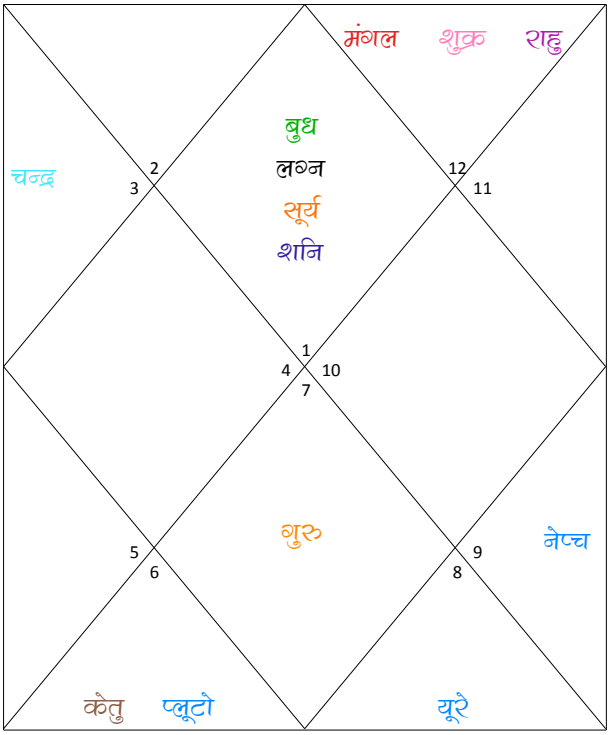

01/11/1973
07:20:00
लग्न सूर्य यूरे
7
प्लूटा
6
बुध नेप्च
8
लग्न चन्द्र राहु
9
बुध नेप्च
8
5
गुरु
10
लग्न यूरे
7
प्लूटा
6
सूर्य यूरे
7
चन्द्र राहु
9
बुध नेप्च
8
5
प्लूटा
6
4
11
चन्द्र शुक्र राहु
9
4
गुरु
10
3
शनि केतु
5
12
गुरु
10
11
2
शनि केतु
3
12
1
मंगल
1
मंगल
4
2
3
11
शनि केतु
2
12
1
मंगल

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म लग्न	तुला	तुला	धनु	मेष	वृश्चिक	मकर	धनु	मिथुन	धनु	मिथुन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मिथुन	कुम्भ	सिंह	मेष	वृश्चिक	वृष	धनु	तुला	धनु	मिथुन
चतुर्थांश	कर्क	मेष	मिथुन	मेष	वृश्चिक	मेष	धनु	कन्या	धनु	मिथुन
सप्तमांश	मेष	मकर	मेष	वृष	वृष	कन्या	धनु	सिंह	मकर	कर्क
नवमांश	मिथुन	कुम्भ	तुला	वृष	कर्क	मेष	मेष	मकर	वृष	वृश्चिक
दशमांश	कर्क	मीन	कर्क	वृष	कर्क	धनु	धनु	कन्या	कुम्भ	सिंह
द्वादशांश	सिंह	मेष	सिंह	मिथुन	धनु	वृष	धनु	तुला	कुम्भ	सिंह
षोडशांश	मिथुन	धनु	वृश्चिक	कर्क	कन्या	कन्या	धनु	वृष	मीन	मीन
विशांश	तुला	कुम्भ	तुला	कर्क	मकर	वृश्चिक	कन्या	मीन	धनु	धनु
चतुर्विशांश	वृष	सिंह	धनु	धनु	कन्या	मीन	कन्या	मेष	मकर	मकर
सप्तविशांश	तुला	वृश्चिक	वृश्चिक	कन्या	मीन	मेष	वृष	कर्क	कन्या	मीन
त्रिंशांशा	तुला	धनु	मिथुन	कुम्भ	वृष	कन्या	मेष	धनु	कुम्भ	कुम्भ
खवेदांश	मेष	धनु	सिंह	वृश्चिक	मकर	धनु	मिथुन	मिथुन	धनु	धनु
अक्षवेदांश	सिंह	कुम्भ	कर्क	धनु	धनु	कर्क	कुम्भ	मेष	कन्या	कन्या
षष्ट्यंश	मेष	मेष	मिथुन	मीन	मेष	तुला	मीन	मेष	धनु	मिथुन

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	8.95	14.55	14.00	9.40	11.90	12.10	11.85	12.50	9.25
सप्तवर्ग	9.98	15.53	12.85	11.13	11.05	12.70	10.20	12.00	7.43
दशवर्ग	11.28	15.38	13.58	10.90	11.50	13.43	9.78	12.75	7.08
षोडशवर्ग	10.88	14.03	14.15	10.73	12.63	13.38	10.78	13.25	8.25

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	00/00/0000 - 00/00/0000
सूर्य	00/00/0000 - 00/00/0000
चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
राहु	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	01/11/1973 - 21/11/1974
शनि	21/11/1974 - 21/01/1978
बुध	21/01/1978 - 20/11/1980
केतु	20/11/1980 - 21/01/1982

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	21/01/1982 - 10/05/1982
चन्द्र	10/05/1982 - 09/11/1982
मंगल	09/11/1982 - 17/03/1983
राहु	17/03/1983 - 08/02/1984
गुरु	08/02/1984 - 26/11/1984
शनि	26/11/1984 - 08/11/1985
बुध	08/11/1985 - 15/09/1986
केतु	15/09/1986 - 20/01/1987
शुक्र	20/01/1987 - 21/01/1988

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	21/01/1988 - 20/11/1988
मंगल	20/11/1988 - 21/06/1989
राहु	21/06/1989 - 21/12/1990
गुरु	21/12/1990 - 21/04/1992
शनि	21/04/1992 - 21/11/1993
बुध	21/11/1993 - 22/04/1995
केतु	22/04/1995 - 21/11/1995
शुक्र	21/11/1995 - 22/07/1997
सूर्य	22/07/1997 - 21/01/1998

मंगल 7 वर्ष

मंगल	21/01/1998 - 19/06/1998
राहु	19/06/1998 - 07/07/1999
गुरु	07/07/1999 - 12/06/2000
शनि	12/06/2000 - 22/07/2001
बुध	22/07/2001 - 19/07/2002
केतु	19/07/2002 - 15/12/2002
शुक्र	15/12/2002 - 15/02/2004
सूर्य	15/02/2004 - 22/06/2004
चन्द्र	22/06/2004 - 21/01/2005

राहु 18 वर्ष

राहु	21/01/2005 - 04/10/2007
गुरु	04/10/2007 - 26/02/2010
शनि	26/02/2010 - 02/01/2013
बुध	02/01/2013 - 22/07/2015
केतु	22/07/2015 - 09/08/2016
शुक्र	09/08/2016 - 10/08/2019
सूर्य	10/08/2019 - 03/07/2020
चन्द्र	03/07/2020 - 02/01/2022
मंगल	02/01/2022 - 21/01/2023

गुरु 16 वर्ष

गुरु	21/01/2023 - 10/03/2025
शनि	10/03/2025 - 21/09/2027
बुध	21/09/2027 - 27/12/2029
केतु	27/12/2029 - 03/12/2030
शुक्र	03/12/2030 - 03/08/2033
सूर्य	03/08/2033 - 22/05/2034
चन्द्र	22/05/2034 - 21/09/2035
मंगल	21/09/2035 - 27/08/2036
राहु	27/08/2036 - 21/01/2039

शनि 19 वर्ष

शनि	21/01/2039 - 23/01/2042
बुध	23/01/2042 - 03/10/2044
केतु	03/10/2044 - 11/11/2045
शुक्र	11/11/2045 - 11/01/2049
सूर्य	11/01/2049 - 24/12/2049
चन्द्र	24/12/2049 - 25/07/2051
मंगल	25/07/2051 - 02/09/2052
राहु	02/09/2052 - 10/07/2055
गुरु	10/07/2055 - 21/01/2058

बुध 17 वर्ष

बुध	21/01/2058 - 18/06/2060
केतु	18/06/2060 - 15/06/2061
शुक्र	15/06/2061 - 15/04/2064
सूर्य	15/04/2064 - 20/02/2065
चन्द्र	20/02/2065 - 22/07/2066
मंगल	22/07/2066 - 19/07/2067
राहु	19/07/2067 - 05/02/2070
गुरु	05/02/2070 - 13/05/2072
शनि	13/05/2072 - 21/01/2075

केतु 7 वर्ष

केतु	21/01/2075 - 19/06/2075
शुक्र	19/06/2075 - 18/08/2076
सूर्य	18/08/2076 - 24/12/2076
चन्द्र	24/12/2076 - 25/07/2077
मंगल	25/07/2077 - 21/12/2077
राहु	21/12/2077 - 09/01/2079
गुरु	09/01/2079 - 15/12/2079
शनि	15/12/2079 - 23/01/2081
बुध	23/01/2081 - 21/01/2082

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - बुध

बुध	02/01/2013 - 14/05/2013
केतु	14/05/2013 - 07/07/2013
शुक्र	07/07/2013 - 10/12/2013
सूर्य	10/12/2013 - 25/01/2014
चन्द्र	25/01/2014 - 13/04/2014
मंगल	13/04/2014 - 06/06/2014
राहु	06/06/2014 - 24/10/2014
गुरु	24/10/2014 - 25/02/2015
शनि	25/02/2015 - 22/07/2015

राहु - केतु

केतु	22/07/2015 - 14/08/2015
शुक्र	14/08/2015 - 17/10/2015
सूर्य	17/10/2015 - 05/11/2015
चन्द्र	05/11/2015 - 07/12/2015
मंगल	07/12/2015 - 29/12/2015
राहु	29/12/2015 - 25/02/2016
गुरु	25/02/2016 - 16/04/2016
शनि	16/04/2016 - 16/06/2016
बुध	16/06/2016 - 09/08/2016

राहु - शुक्र

शुक्र	09/08/2016 - 08/02/2017
सूर्य	08/02/2017 - 03/04/2017
चन्द्र	03/04/2017 - 04/07/2017
मंगल	04/07/2017 - 06/09/2017
राहु	06/09/2017 - 17/02/2018
गुरु	17/02/2018 - 13/07/2018
शनि	13/07/2018 - 02/01/2019
बुध	02/01/2019 - 07/06/2019
केतु	07/06/2019 - 10/08/2019

राहु - सूर्य

सूर्य	10/08/2019 - 26/08/2019
चन्द्र	26/08/2019 - 22/09/2019
मंगल	22/09/2019 - 12/10/2019
राहु	12/10/2019 - 30/11/2019
गुरु	30/11/2019 - 13/01/2020
शनि	13/01/2020 - 05/03/2020
बुध	05/03/2020 - 20/04/2020
केतु	20/04/2020 - 09/05/2020
शुक्र	09/05/2020 - 03/07/2020

राहु - चन्द्र

चन्द्र	03/07/2020 - 18/08/2020
मंगल	18/08/2020 - 19/09/2020
राहु	19/09/2020 - 10/12/2020
गुरु	10/12/2020 - 21/02/2021
शनि	21/02/2021 - 19/05/2021
बुध	19/05/2021 - 04/08/2021
केतु	04/08/2021 - 05/09/2021
शुक्र	05/09/2021 - 06/12/2021
सूर्य	06/12/2021 - 02/01/2022

राहु - मंगल

मंगल	02/01/2022 - 24/01/2022
राहु	24/01/2022 - 23/03/2022
गुरु	23/03/2022 - 13/05/2022
शनि	13/05/2022 - 13/07/2022
बुध	13/07/2022 - 05/09/2022
केतु	05/09/2022 - 28/09/2022
शुक्र	28/09/2022 - 30/11/2022
सूर्य	30/11/2022 - 20/12/2022
चन्द्र	20/12/2022 - 21/01/2023

गुरु - गुरु

गुरु	21/01/2023 - 04/05/2023
शनि	04/05/2023 - 05/09/2023
बुध	05/09/2023 - 24/12/2023
केतु	24/12/2023 - 08/02/2024
शुक्र	08/02/2024 - 17/06/2024
सूर्य	17/06/2024 - 26/07/2024
चन्द्र	26/07/2024 - 28/09/2024
मंगल	28/09/2024 - 13/11/2024
राहु	13/11/2024 - 10/03/2025

गुरु - शनि

शनि	10/03/2025 - 03/08/2025
बुध	03/08/2025 - 12/12/2025
केतु	12/12/2025 - 04/02/2026
शुक्र	04/02/2026 - 09/07/2026
सूर्य	09/07/2026 - 24/08/2026
चन्द्र	24/08/2026 - 09/11/2026
मंगल	09/11/2026 - 02/01/2027
राहु	02/01/2027 - 21/05/2027
गुरु	21/05/2027 - 21/09/2027

गुरु - बुध

बुध	21/09/2027 - 16/01/2028
केतु	16/01/2028 - 05/03/2028
शुक्र	05/03/2028 - 21/07/2028
सूर्य	21/07/2028 - 31/08/2028
चन्द्र	31/08/2028 - 08/11/2028
मंगल	08/11/2028 - 26/12/2028
राहु	26/12/2028 - 30/04/2029
गुरु	30/04/2029 - 18/08/2029
शनि	18/08/2029 - 27/12/2029

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - बुध - शनि

शनि	20/03/2015 19:40:19
बुध	10/04/2015 17:01:50
केतु	19/04/2015 07:28:20
शुक्र	13/05/2015 21:18:22
सूर्य	21/05/2015 06:15:22
चन्द्र	02/06/2015 13:10:23
मंगल	11/06/2015 03:36:53
राहु	03/07/2015 06:27:54
गुरु	22/07/2015 22:19:55

राहु - केतु - केतु

केतु	24/07/2015 05:39:04
शुक्र	27/07/2015 23:07:50
सूर्य	29/07/2015 01:58:27
चन्द्र	30/07/2015 22:42:50
मंगल	01/08/2015 06:01:54
राहु	04/08/2015 14:33:47
गुरु	07/08/2015 14:08:47
शनि	11/08/2015 03:09:06
बुध	14/08/2015 07:12:33

राहु - केतु - शुक्र

शुक्र	24/08/2015 22:51:56
सूर्य	28/08/2015 03:33:44
चन्द्र	02/09/2015 11:23:24
मंगल	06/09/2015 04:52:10
राहु	15/09/2015 18:57:34
गुरु	24/09/2015 07:29:02
शनि	04/10/2015 10:21:24
बुध	13/10/2015 11:39:50
केतु	17/10/2015 05:08:36

राहु - केतु - सूर्य

सूर्य	18/10/2015 04:09:08
चन्द्र	19/10/2015 18:30:02
मंगल	20/10/2015 21:20:39
राहु	23/10/2015 18:22:16
गुरु	26/10/2015 07:43:42
शनि	29/10/2015 08:35:24
बुध	01/11/2015 01:46:55
केतु	02/11/2015 04:37:32
शुक्र	05/11/2015 09:19:20

राहु - केतु - चन्द्र

चन्द्र	08/11/2015 01:14:14
मंगल	09/11/2015 21:58:37
राहु	14/11/2015 17:01:19
गुरु	18/11/2015 23:17:03
शनि	24/11/2015 00:43:14
बुध	28/11/2015 13:22:27
केतु	30/11/2015 10:06:50
शुक्र	05/12/2015 17:56:30
सूर्य	07/12/2015 08:17:24

राहु - केतु - मंगल

मंगल	08/12/2015 15:36:28
राहु	12/12/2015 00:08:21
गुरु	14/12/2015 23:43:21
शनि	18/12/2015 12:43:40
बुध	21/12/2015 16:47:07
केतु	23/12/2015 00:06:11
शुक्र	26/12/2015 17:34:57
सूर्य	27/12/2015 20:25:34
चन्द्र	29/12/2015 17:09:57

राहु - केतु - राहु

राहु	07/01/2016 08:14:51
गुरु	15/01/2016 00:19:10
शनि	24/01/2016 02:54:17
बुध	01/02/2016 06:28:52
केतु	04/02/2016 15:00:45
शुक्र	14/02/2016 05:06:09
सूर्य	17/02/2016 02:07:46
चन्द्र	21/02/2016 21:10:28
मंगल	25/02/2016 05:42:21

राहु - केतु - गुरु

गुरु	03/03/2016 01:19:34
शनि	11/03/2016 03:37:27
बुध	18/03/2016 09:28:11
केतु	21/03/2016 09:03:11
शुक्र	29/03/2016 21:34:39
सूर्य	01/04/2016 10:56:05
चन्द्र	05/04/2016 17:11:49
मंगल	08/04/2016 16:46:49
राहु	16/04/2016 08:51:08

राहु - केतु - शनि

शनि	25/04/2016 23:34:56
बुध	04/05/2016 14:01:26
केतु	08/05/2016 03:01:45
शुक्र	18/05/2016 05:54:07
सूर्य	21/05/2016 06:45:49
चन्द्र	26/05/2016 08:12:00
मंगल	29/05/2016 21:12:19
राहु	07/06/2016 23:47:26
गुरु	16/06/2016 02:05:19

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - बुध

बुध	23/06/2016 18:48:04
केतु	26/06/2016 22:51:31
शुक्र	06/07/2016 00:09:57
सूर्य	08/07/2016 17:21:28
चन्द्र	13/07/2016 06:00:41
मंगल	16/07/2016 10:04:08
राहु	24/07/2016 13:38:43
गुरु	31/07/2016 19:29:27
शनि	09/08/2016 09:55:57

राहु - शुक्र - शुक्र

शुक्र	08/09/2016 20:22:40
सूर्य	17/09/2016 23:30:40
चन्द्र	03/10/2016 04:44:00
मंगल	13/10/2016 20:23:20
राहु	10/11/2016 05:47:20
गुरु	04/12/2016 14:08:40
शनि	02/01/2017 12:04:00
बुध	28/01/2017 08:56:40
केतु	08/02/2017 00:36:00

राहु - शुक्र - सूर्य

सूर्य	10/02/2017 18:20:24
चन्द्र	15/02/2017 07:54:24
मंगल	18/02/2017 12:36:12
राहु	26/02/2017 17:49:24
गुरु	06/03/2017 01:07:48
शनि	14/03/2017 17:18:24
बुध	22/03/2017 11:34:12
केतु	25/03/2017 16:16:00
शुक्र	03/04/2017 19:24:00

राहु - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	11/04/2017 10:00:40
मंगल	16/04/2017 17:50:20
राहु	30/04/2017 10:32:20
गुरु	12/05/2017 14:43:00
शनि	27/05/2017 01:40:40
बुध	09/06/2017 00:07:00
केतु	14/06/2017 07:56:40
शुक्र	29/06/2017 13:10:00
सूर्य	04/07/2017 02:44:00

राहु - शुक्र - मंगल

मंगल	07/07/2017 20:12:46
राहु	17/07/2017 10:18:10
गुरु	25/07/2017 22:49:38
शनि	05/08/2017 01:42:00
बुध	14/08/2017 03:00:26
केतु	17/08/2017 20:29:12
शुक्र	28/08/2017 12:08:32
सूर्य	31/08/2017 16:50:20
चन्द्र	06/09/2017 00:40:00

राहु - शुक्र - राहु

राहु	30/09/2017 16:19:36
गुरु	22/10/2017 14:14:48
शनि	17/11/2017 14:46:36
बुध	10/12/2017 21:34:00
केतु	20/12/2017 11:39:24
शुक्र	16/01/2018 21:03:24
सूर्य	25/01/2018 02:16:36
चन्द्र	07/02/2018 18:58:36
मंगल	17/02/2018 09:04:00

राहु - शुक्र - गुरु

गुरु	08/03/2018 20:33:04
शनि	31/03/2018 23:41:20
बुध	21/04/2018 16:23:28
केतु	30/04/2018 04:54:56
शुक्र	24/05/2018 13:16:16
सूर्य	31/05/2018 20:34:40
चन्द्र	13/06/2018 00:45:20
मंगल	21/06/2018 13:16:48
राहु	13/07/2018 11:12:00

राहु - शुक्र - शनि

शनि	09/08/2018 22:25:34
बुध	03/09/2018 12:15:36
केतु	13/09/2018 15:07:58
शुक्र	12/10/2018 13:03:18
सूर्य	21/10/2018 05:13:54
चन्द्र	04/11/2018 16:11:34
मंगल	14/11/2018 19:03:56
राहु	10/12/2018 19:35:44
गुरु	02/01/2019 22:44:00

राहु - शुक्र - बुध

बुध	24/01/2019 22:28:46
केतु	02/02/2019 23:47:12
शुक्र	28/02/2019 20:39:52
सूर्य	08/03/2019 14:55:40
चन्द्र	21/03/2019 13:22:00
मंगल	30/03/2019 14:40:26
राहु	22/04/2019 21:27:50
गुरु	13/05/2019 14:09:58
शनि	07/06/2019 04:00:00

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - बुध - शनि - राहु

राहु	14/06/2015 11:14:32
गुरु	17/06/2015 10:01:20
शनि	20/06/2015 22:04:24
बुध	24/06/2015 01:16:37
केतु	25/06/2015 08:14:35
शुक्र	29/06/2015 00:43:05
सूर्य	30/06/2015 03:15:38
चन्द्र	01/07/2015 23:29:53
मंगल	03/07/2015 06:27:51

राहु - बुध - शनि - गुरु

गुरु	05/07/2015 21:22:50
शनि	09/07/2015 00:05:34
बुध	11/07/2015 18:56:26
केतु	12/07/2015 22:27:58
शुक्र	16/07/2015 05:06:38
सूर्य	17/07/2015 04:42:14
चन्द्र	18/07/2015 20:01:34
मंगल	19/07/2015 23:33:06
राहु	22/07/2015 22:19:54

राहु - केतु - केतु - केतु

केतु	23/07/2015 00:09:36
शुक्र	23/07/2015 05:22:46
सूर्य	23/07/2015 06:56:43
चन्द्र	23/07/2015 09:33:18
मंगल	23/07/2015 11:22:54
राहु	23/07/2015 16:04:45
गुरु	23/07/2015 20:15:17
शनि	24/07/2015 01:12:48
बुध	24/07/2015 05:39:00

राहु - केतु - केतु - शुक्र

शुक्र	24/07/2015 20:33:51
सूर्य	25/07/2015 01:02:17
चन्द्र	25/07/2015 08:29:40
मंगल	25/07/2015 13:42:50
राहु	26/07/2015 03:08:08
गुरु	26/07/2015 15:03:58
शनि	27/07/2015 05:14:01
बुध	27/07/2015 17:54:35
केतु	27/07/2015 23:07:45

राहु - केतु - केतु - सूर्य

सूर्य	28/07/2015 00:28:21
चन्द्र	28/07/2015 02:42:34
मंगल	28/07/2015 04:16:31
राहु	28/07/2015 08:18:06
गुरु	28/07/2015 11:52:50
शनि	28/07/2015 16:07:50
बुध	28/07/2015 19:56:00
केतु	28/07/2015 21:29:57
शुक्र	29/07/2015 01:58:23

राहु - केतु - केतु - चन्द्र

चन्द्र	29/07/2015 05:42:08
मंगल	29/07/2015 08:18:43
राहु	29/07/2015 15:01:22
गुरु	29/07/2015 20:59:17
शनि	30/07/2015 04:04:18
बुध	30/07/2015 10:24:35
केतु	30/07/2015 13:01:10
शुक्र	30/07/2015 20:28:33
सूर्य	30/07/2015 22:42:46

राहु - केतु - केतु - मंगल

मंगल	31/07/2015 00:32:26
राहु	31/07/2015 05:14:17
गुरु	31/07/2015 09:24:49
शनि	31/07/2015 14:22:20
बुध	31/07/2015 18:48:32
केतु	31/07/2015 20:38:08
शुक्र	01/08/2015 01:51:18
सूर्य	01/08/2015 03:25:15
चन्द्र	01/08/2015 06:01:50

राहु - केतु - केतु - राहु

राहु	01/08/2015 18:06:40
गुरु	02/08/2015 04:50:55
शनि	02/08/2015 17:35:57
बुध	03/08/2015 05:00:28
केतु	03/08/2015 09:42:19
शुक्र	03/08/2015 23:07:37
सूर्य	04/08/2015 03:09:12
चन्द्र	04/08/2015 09:51:51
मंगल	04/08/2015 14:33:42

राहु - केतु - केतु - गुरु

गुरु	05/08/2015 00:06:27
शनि	05/08/2015 11:26:29
बुध	05/08/2015 21:34:56
केतु	06/08/2015 01:45:28
शुक्र	06/08/2015 13:41:18
सूर्य	06/08/2015 17:16:03
चन्द्र	06/08/2015 23:13:58
मंगल	07/08/2015 03:24:30
राहु	07/08/2015 14:08:45

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - केतु - शनि

शनि	08/08/2015 03:36:20
बुध	08/08/2015 15:38:52
केतु	08/08/2015 20:36:23
शुक्र	09/08/2015 10:46:26
सूर्य	09/08/2015 15:01:26
चन्द्र	09/08/2015 22:06:27
मंगल	10/08/2015 03:03:58
राहु	10/08/2015 15:49:00
गुरु	11/08/2015 03:09:02

राहु - केतु - केतु - बुध

बुध	11/08/2015 13:55:35
केतु	11/08/2015 18:21:47
शुक्र	12/08/2015 07:02:21
सूर्य	12/08/2015 10:50:31
चन्द्र	12/08/2015 17:10:48
मंगल	12/08/2015 21:37:00
राहु	13/08/2015 09:01:31
गुरु	13/08/2015 19:09:58
शनि	14/08/2015 07:12:30

राहु - केतु - शुक्र - शुक्र

शुक्र	16/08/2015 01:49:09
सूर्य	16/08/2015 14:36:07
चन्द्र	17/08/2015 11:54:23
मंगल	18/08/2015 02:49:10
राहु	19/08/2015 17:10:04
गुरु	21/08/2015 03:15:18
शनि	22/08/2015 19:44:01
बुध	24/08/2015 07:57:05
केतु	24/08/2015 22:51:52

राहु - केतु - शुक्र - सूर्य

सूर्य	25/08/2015 02:42:01
चन्द्र	25/08/2015 09:05:30
मंगल	25/08/2015 13:33:56
राहु	26/08/2015 01:04:12
गुरु	26/08/2015 11:17:46
शनि	26/08/2015 23:26:23
बुध	27/08/2015 10:18:18
केतु	27/08/2015 14:46:44
शुक्र	28/08/2015 03:33:42

राहु - केतु - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	28/08/2015 14:12:52
मंगल	28/08/2015 21:40:15
राहु	29/08/2015 16:50:42
गुरु	30/08/2015 09:53:19
शनि	31/08/2015 06:07:40
बुध	01/09/2015 00:14:12
केतु	01/09/2015 07:41:35
शुक्र	02/09/2015 04:59:51
सूर्य	02/09/2015 11:23:20

राहु - केतु - शुक्र - मंगल

मंगल	02/09/2015 16:36:34
राहु	03/09/2015 06:01:52
गुरु	03/09/2015 17:57:42
शनि	04/09/2015 08:07:45
बुध	04/09/2015 20:48:19
केतु	05/09/2015 02:01:29
शुक्र	05/09/2015 16:56:16
सूर्य	05/09/2015 21:24:42
चन्द्र	06/09/2015 04:52:05

राहु - केतु - शुक्र - राहु

राहु	07/09/2015 15:22:58
गुरु	08/09/2015 22:03:41
शनि	10/09/2015 10:29:32
बुध	11/09/2015 19:05:17
केतु	12/09/2015 08:30:35
शुक्र	13/09/2015 22:51:29
सूर्य	14/09/2015 10:21:45
चन्द्र	15/09/2015 05:32:12
मंगल	15/09/2015 18:57:30

राहु - केतु - शुक्र - गुरु

गुरु	16/09/2015 22:13:45
शनि	18/09/2015 06:36:43
बुध	19/09/2015 11:35:10
केतु	19/09/2015 23:31:00
शुक्र	21/09/2015 09:36:14
सूर्य	21/09/2015 19:49:48
चन्द्र	22/09/2015 12:52:25
मंगल	23/09/2015 00:48:15
राहु	24/09/2015 07:28:58

राहु - केतु - शुक्र - शनि

शनि	25/09/2015 21:56:19
बुध	27/09/2015 08:20:44
केतु	27/09/2015 22:30:47
शुक्र	29/09/2015 14:59:30
सूर्य	30/09/2015 03:08:07
चन्द्र	30/09/2015 23:22:28
मंगल	01/10/2015 13:32:31
राहु	03/10/2015 01:58:22
गुरु	04/10/2015 10:21:20

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - शुक्र - बुध

बुध	05/10/2015 17:08:30
केतु	06/10/2015 05:49:04
शुक्र	07/10/2015 18:02:08
सूर्य	08/10/2015 04:54:03
चन्द्र	08/10/2015 23:00:35
मंगल	09/10/2015 11:41:09
राहु	10/10/2015 20:16:54
गुरु	12/10/2015 01:15:21
शनि	13/10/2015 11:39:46

राहु - केतु - शुक्र - केतु

केतु	13/10/2015 16:53:00
शुक्र	14/10/2015 07:47:47
सूर्य	14/10/2015 12:16:13
चन्द्र	14/10/2015 19:43:36
मंगल	15/10/2015 00:56:46
राहु	15/10/2015 14:22:04
गुरु	16/10/2015 02:17:54
शनि	16/10/2015 16:27:57
बुध	17/10/2015 05:08:31

राहु - केतु - सूर्य - सूर्य

सूर्य	17/10/2015 06:17:37
चन्द्र	17/10/2015 08:12:39
मंगल	17/10/2015 09:33:10
राहु	17/10/2015 13:00:14
गुरु	17/10/2015 16:04:18
शनि	17/10/2015 19:42:53
बुध	17/10/2015 22:58:27
केतु	18/10/2015 00:18:58
शुक्र	18/10/2015 04:09:03

राहु - केतु - सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	18/10/2015 07:20:52
मंगल	18/10/2015 09:35:05
राहु	18/10/2015 15:20:13
गुरु	18/10/2015 20:27:00
शनि	19/10/2015 02:31:18
बुध	19/10/2015 07:57:15
केतु	19/10/2015 10:11:28
शुक्र	19/10/2015 16:34:57
सूर्य	19/10/2015 18:29:59

राहु - केतु - सूर्य - मंगल

मंगल	19/10/2015 20:03:59
राहु	20/10/2015 00:05:34
गुरु	20/10/2015 03:40:18
शनि	20/10/2015 07:55:18
बुध	20/10/2015 11:43:28
केतु	20/10/2015 13:17:25
शुक्र	20/10/2015 17:45:51
सूर्य	20/10/2015 19:06:22
चन्द्र	20/10/2015 21:20:35

राहु - केतु - सूर्य - राहु

राहु	21/10/2015 07:41:53
गुरु	21/10/2015 16:54:05
शनि	22/10/2015 03:49:50
बुध	22/10/2015 13:36:33
केतु	22/10/2015 17:38:08
शुक्र	23/10/2015 05:08:24
सूर्य	23/10/2015 08:35:28
चन्द्र	23/10/2015 14:20:36
मंगल	23/10/2015 18:22:11

राहु - केतु - सूर्य - गुरु

गुरु	24/10/2015 02:33:07
शनि	24/10/2015 12:16:00
बुध	24/10/2015 20:57:32
केतु	25/10/2015 00:32:17
शुक्र	25/10/2015 10:45:51
सूर्य	25/10/2015 13:49:55
चन्द्र	25/10/2015 18:56:42
मंगल	25/10/2015 22:31:27
राहु	26/10/2015 07:43:39

राहु - केतु - सूर्य - शनि

शनि	26/10/2015 19:15:53
बुध	27/10/2015 05:35:12
केतु	27/10/2015 09:50:12
शुक्र	27/10/2015 21:58:49
सूर्य	28/10/2015 01:37:24
चन्द्र	28/10/2015 07:41:42
मंगल	28/10/2015 11:56:42
राहु	28/10/2015 22:52:27
गुरु	29/10/2015 08:35:20

राहु - केतु - सूर्य - बुध

बुध	29/10/2015 17:49:31
केतु	29/10/2015 21:37:41
शुक्र	30/10/2015 08:29:36
सूर्य	30/10/2015 11:45:10
चन्द्र	30/10/2015 17:11:07
मंगल	30/10/2015 20:59:17
राहु	31/10/2015 06:46:00
गुरु	31/10/2015 15:27:32
शनि	01/11/2015 01:46:51

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - सूर्य - केतु

केतु	01/11/2015 03:20:52
शुक्र	01/11/2015 07:49:18
सूर्य	01/11/2015 09:09:49
चन्द्र	01/11/2015 11:24:02
मंगल	01/11/2015 12:57:59
राहु	01/11/2015 16:59:34
गुरु	01/11/2015 20:34:18
शनि	02/11/2015 00:49:18
बुध	02/11/2015 04:37:28

राहु - केतु - सूर्य - शुक्र

शुक्र	02/11/2015 17:24:30
सूर्य	02/11/2015 21:14:35
चन्द्र	03/11/2015 03:38:04
मंगल	03/11/2015 08:06:30
राहु	03/11/2015 19:36:46
गुरु	04/11/2015 05:50:20
शनि	04/11/2015 17:58:57
बुध	05/11/2015 04:50:52
केतु	05/11/2015 09:19:18

राहु - केतु - चन्द्र - चन्द्र

चन्द्र	05/11/2015 14:38:58
मंगल	05/11/2015 18:22:39
राहु	06/11/2015 03:57:52
गुरु	06/11/2015 12:29:10
शनि	06/11/2015 22:36:20
बुध	07/11/2015 07:39:36
केतु	07/11/2015 11:23:17
शुक्र	07/11/2015 22:02:25
सूर्य	08/11/2015 01:14:09

राहु - केतु - चन्द्र - मंगल

मंगल	08/11/2015 03:50:49
राहु	08/11/2015 10:33:28
गुरु	08/11/2015 16:31:23
शनि	08/11/2015 23:36:24
बुध	09/11/2015 05:56:41
केतु	09/11/2015 08:33:16
शुक्र	09/11/2015 16:00:39
सूर्य	09/11/2015 18:14:52
चन्द्र	09/11/2015 21:58:33

राहु - केतु - चन्द्र - राहु

राहु	10/11/2015 15:14:01
गुरु	11/11/2015 06:34:22
शनि	12/11/2015 00:47:17
बुध	12/11/2015 17:05:09
केतु	12/11/2015 23:47:48
शुक्र	13/11/2015 18:58:15
सूर्य	14/11/2015 00:43:23
चन्द्र	14/11/2015 10:18:36
मंगल	14/11/2015 17:01:15

राहु - केतु - चन्द्र - गुरु

गुरु	15/11/2015 06:39:24
शनि	15/11/2015 22:50:53
बुध	16/11/2015 13:20:06
केतु	16/11/2015 19:18:01
शुक्र	17/11/2015 12:20:38
सूर्य	17/11/2015 17:27:25
चन्द्र	18/11/2015 01:58:43
मंगल	18/11/2015 07:56:38
राहु	18/11/2015 23:16:59

राहु - केतु - चन्द्र - शनि

शनि	19/11/2015 18:30:41
बुध	20/11/2015 11:42:53
केतु	20/11/2015 18:47:54
शुक्र	21/11/2015 15:02:15
सूर्य	21/11/2015 21:06:33
चन्द्र	22/11/2015 07:13:43
मंगल	22/11/2015 14:18:44
राहु	23/11/2015 08:31:39
गुरु	24/11/2015 00:43:08

राहु - केतु - चन्द्र - बुध

बुध	24/11/2015 16:06:47
केतु	24/11/2015 22:27:04
शुक्र	25/11/2015 16:33:36
सूर्य	25/11/2015 21:59:33
चन्द्र	26/11/2015 07:02:49
मंगल	26/11/2015 13:23:06
राहु	27/11/2015 05:40:58
गुरु	27/11/2015 20:10:11
शनि	28/11/2015 13:22:23

राहु - केतु - चन्द्र - केतु

केतु	28/11/2015 15:59:02
शुक्र	28/11/2015 23:26:25
सूर्य	29/11/2015 01:40:38
चन्द्र	29/11/2015 05:24:19
मंगल	29/11/2015 08:00:54
राहु	29/11/2015 14:43:33
गुरु	29/11/2015 20:41:28
शनि	30/11/2015 03:46:29
बुध	30/11/2015 10:06:46

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - चन्द्र - शुक्र

शुक्र	01/12/2015 07:25:06
सूर्य	01/12/2015 13:48:35
चन्द्र	02/12/2015 00:27:43
मंगल	02/12/2015 07:55:06
राहु	03/12/2015 03:05:33
गुरु	03/12/2015 20:08:10
शनि	04/12/2015 16:22:31
बुध	05/12/2015 10:29:03
केतु	05/12/2015 17:56:26

राहु - केतु - चन्द्र - सूर्य

सूर्य	05/12/2015 19:51:32
चन्द्र	05/12/2015 23:03:16
मंगल	06/12/2015 01:17:29
राहु	06/12/2015 07:02:37
गुरु	06/12/2015 12:09:24
शनि	06/12/2015 18:13:42
बुध	06/12/2015 23:39:39
केतु	07/12/2015 01:53:52
शुक्र	07/12/2015 08:17:21

राहु - केतु - मंगल - मंगल

मंगल	07/12/2015 10:07:00
राहु	07/12/2015 14:48:51
गुरु	07/12/2015 18:59:23
शनि	07/12/2015 23:56:54
बुध	08/12/2015 04:23:06
केतु	08/12/2015 06:12:42
शुक्र	08/12/2015 11:25:52
सूर्य	08/12/2015 12:59:49
चन्द्र	08/12/2015 15:36:24

राहु - केतु - मंगल - राहु

राहु	09/12/2015 03:41:14
गुरु	09/12/2015 14:25:29
शनि	10/12/2015 03:10:31
बुध	10/12/2015 14:35:02
केतु	10/12/2015 19:16:53
शुक्र	11/12/2015 08:42:11
सूर्य	11/12/2015 12:43:46
चन्द्र	11/12/2015 19:26:25
मंगल	12/12/2015 00:08:16

राहु - केतु - मंगल - गुरु

गुरु	12/12/2015 09:41:01
शनि	12/12/2015 21:01:03
बुध	13/12/2015 07:09:30
केतु	13/12/2015 11:20:02
शुक्र	13/12/2015 23:15:52
सूर्य	14/12/2015 02:50:37
चन्द्र	14/12/2015 08:48:32
मंगल	14/12/2015 12:59:04
राहु	14/12/2015 23:43:19

राहु - केतु - मंगल - शनि

शनि	15/12/2015 13:10:54
बुध	16/12/2015 01:13:26
केतु	16/12/2015 06:10:57
शुक्र	16/12/2015 20:21:00
सूर्य	17/12/2015 00:36:00
चन्द्र	17/12/2015 07:41:01
मंगल	17/12/2015 12:38:32
राहु	18/12/2015 01:23:34
गुरु	18/12/2015 12:43:36

राहु - केतु - मंगल - बुध

बुध	18/12/2015 23:30:09
केतु	19/12/2015 03:56:21
शुक्र	19/12/2015 16:36:55
सूर्य	19/12/2015 20:25:05
चन्द्र	20/12/2015 02:45:22
मंगल	20/12/2015 07:11:34
राहु	20/12/2015 18:36:05
गुरु	21/12/2015 04:44:32
शनि	21/12/2015 16:47:04

राहु - केतु - मंगल - केतु

केतु	21/12/2015 18:36:43
शुक्र	21/12/2015 23:49:53
सूर्य	22/12/2015 01:23:50
चन्द्र	22/12/2015 04:00:25
मंगल	22/12/2015 05:50:01
राहु	22/12/2015 10:31:52
गुरु	22/12/2015 14:42:24
शनि	22/12/2015 19:39:55
बुध	23/12/2015 00:06:07

राहु - केतु - मंगल - शुक्र

शुक्र	23/12/2015 15:00:58
सूर्य	23/12/2015 19:29:24
चन्द्र	24/12/2015 02:56:47
मंगल	24/12/2015 08:09:57
राहु	24/12/2015 21:35:15
गुरु	25/12/2015 09:31:05
शनि	25/12/2015 23:41:08
बुध	26/12/2015 12:21:42
केतु	26/12/2015 17:34:52

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - मंगल - सूर्य

सूर्य	26/12/2015 18:55:28
चन्द्र	26/12/2015 21:09:41
मंगल	26/12/2015 22:43:38
राहु	27/12/2015 02:45:13
गुरु	27/12/2015 06:19:57
शनि	27/12/2015 10:34:57
बुध	27/12/2015 14:23:07
केतु	27/12/2015 15:57:04
शुक्र	27/12/2015 20:25:30

राहु - केतु - मंगल - चन्द्र

चन्द्र	28/12/2015 00:09:15
मंगल	28/12/2015 02:45:50
राहु	28/12/2015 09:28:29
गुरु	28/12/2015 15:26:24
शनि	28/12/2015 22:31:25
बुध	29/12/2015 04:51:42
केतु	29/12/2015 07:28:17
शुक्र	29/12/2015 14:55:40
सूर्य	29/12/2015 17:09:53

राहु - केतु - राहु - राहु

राहु	31/12/2015 00:13:43
गुरु	01/01/2016 03:50:21
शनि	02/01/2016 12:37:37
बुध	03/01/2016 17:57:48
केतु	04/01/2016 06:02:34
शुक्र	05/01/2016 16:33:22
सूर्य	06/01/2016 02:54:36
चन्द्र	06/01/2016 20:10:00
मंगल	07/01/2016 08:14:46

राहु - केतु - राहु - गुरु

गुरु	08/01/2016 08:47:25
शनि	09/01/2016 13:56:06
बुध	10/01/2016 16:00:42
केतु	11/01/2016 02:44:57
शुक्र	12/01/2016 09:25:40
सूर्य	12/01/2016 18:37:52
चन्द्र	13/01/2016 09:58:13
मंगल	13/01/2016 20:42:28
राहु	15/01/2016 00:19:06

राहु - केतु - राहु - शनि

शनि	16/01/2016 10:55:43
बुध	17/01/2016 17:53:41
केतु	18/01/2016 06:38:43
शुक्र	19/01/2016 19:04:34
सूर्य	20/01/2016 06:00:19
चन्द्र	21/01/2016 00:13:14
मंगल	21/01/2016 12:58:16
राहु	22/01/2016 21:45:32
गुरु	24/01/2016 02:54:12

राहु - केतु - राहु - बुध

बुध	25/01/2016 06:36:40
केतु	25/01/2016 18:01:11
शुक्र	27/01/2016 02:36:56
सूर्य	27/01/2016 12:23:39
चन्द्र	28/01/2016 04:41:31
मंगल	28/01/2016 16:06:02
राहु	29/01/2016 21:26:13
गुरु	30/01/2016 23:30:49
शनि	01/02/2016 06:28:47

राहु - केतु - राहु - केतु

केतु	01/02/2016 11:10:43
शुक्र	02/02/2016 00:36:01
सूर्य	02/02/2016 04:37:36
चन्द्र	02/02/2016 11:20:15
मंगल	02/02/2016 16:02:06
राहु	03/02/2016 04:06:52
गुरु	03/02/2016 14:51:07
शनि	04/02/2016 03:36:09
बुध	04/02/2016 15:00:40

राहु - केतु - राहु - शुक्र

शुक्र	06/02/2016 05:21:39
सूर्य	06/02/2016 16:51:55
चन्द्र	07/02/2016 12:02:22
मंगल	08/02/2016 01:27:40
राहु	09/02/2016 11:58:28
गुरु	10/02/2016 18:39:11
शनि	12/02/2016 07:05:02
बुध	13/02/2016 15:40:47
केतु	14/02/2016 05:06:05

राहु - केतु - राहु - सूर्य

सूर्य	14/02/2016 08:33:13
चन्द्र	14/02/2016 14:18:21
मंगल	14/02/2016 18:19:56
राहु	15/02/2016 04:41:10
गुरु	15/02/2016 13:53:22
शनि	16/02/2016 00:49:07
बुध	16/02/2016 10:35:50
केतु	16/02/2016 14:37:25
शुक्र	17/02/2016 02:07:41

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - राहु - चन्द्र

चन्द्र	17/02/2016 11:42:59
मंगल	17/02/2016 18:25:38
राहु	18/02/2016 11:41:02
गुरु	19/02/2016 03:01:23
शनि	19/02/2016 21:14:18
बुध	20/02/2016 13:32:10
केतु	20/02/2016 20:14:49
शुक्र	21/02/2016 15:25:16
सूर्य	21/02/2016 21:10:24

राहु - केतु - राहु - मंगल

मंगल	22/02/2016 01:52:19
राहु	22/02/2016 13:57:05
गुरु	23/02/2016 00:41:20
शनि	23/02/2016 13:26:22
बुध	24/02/2016 00:50:53
केतु	24/02/2016 05:32:44
शुक्र	24/02/2016 18:58:02
सूर्य	24/02/2016 22:59:37
चन्द्र	25/02/2016 05:42:16

राहु - केतु - गुरु - गुरु

गुरु	26/02/2016 03:31:21
शनि	27/02/2016 05:25:44
बुध	28/02/2016 04:36:29
केतु	28/02/2016 14:09:09
शुक्र	29/02/2016 17:25:20
सूर्य	01/03/2016 01:36:11
चन्द्र	01/03/2016 15:14:16
मंगल	02/03/2016 00:46:56
राहु	03/03/2016 01:19:30

राहु - केतु - गुरु - शनि

शनि	04/03/2016 08:05:23
बुध	05/03/2016 11:36:55
केतु	05/03/2016 22:56:57
शुक्र	07/03/2016 07:19:55
सूर्य	07/03/2016 17:02:48
चन्द्र	08/03/2016 09:14:17
मंगल	08/03/2016 20:34:19
राहु	10/03/2016 01:42:59
गुरु	11/03/2016 03:37:22

राहु - केतु - गुरु - बुध

बुध	12/03/2016 04:15:08
केतु	12/03/2016 14:23:35
शुक्र	13/03/2016 19:22:02
सूर्य	14/03/2016 04:03:34
चन्द्र	14/03/2016 18:32:47
मंगल	15/03/2016 04:41:14
राहु	16/03/2016 06:45:50
गुरु	17/03/2016 05:56:35
शनि	18/03/2016 09:28:06

राहु - केतु - गुरु - केतु

केतु	18/03/2016 13:38:43
शुक्र	19/03/2016 01:34:33
सूर्य	19/03/2016 05:09:18
चन्द्र	19/03/2016 11:07:13
मंगल	19/03/2016 15:17:45
राहु	20/03/2016 02:02:00
गुरु	20/03/2016 11:34:40
शनि	20/03/2016 22:54:42
बुध	21/03/2016 09:03:09

राहु - केतु - गुरु - शुक्र

शुक्र	22/03/2016 19:08:25
सूर्य	23/03/2016 05:21:59
चन्द्र	23/03/2016 22:24:36
मंगल	24/03/2016 10:20:26
राहु	25/03/2016 17:01:09
गुरु	26/03/2016 20:17:20
शनि	28/03/2016 04:40:18
बुध	29/03/2016 09:38:45
केतु	29/03/2016 21:34:35

राहु - केतु - गुरु - सूर्य

सूर्य	30/03/2016 00:38:43
चन्द्र	30/03/2016 05:45:30
मंगल	30/03/2016 09:20:15
राहु	30/03/2016 18:32:27
गुरु	31/03/2016 02:43:18
शनि	31/03/2016 12:26:11
बुध	31/03/2016 21:07:43
केतु	01/04/2016 00:42:28
शुक्र	01/04/2016 10:56:02

राहु - केतु - गुरु - चन्द्र

चन्द्र	01/04/2016 19:27:23
मंगल	02/04/2016 01:25:18
राहु	02/04/2016 16:45:39
गुरु	03/04/2016 06:23:44
शनि	03/04/2016 22:35:13
बुध	04/04/2016 13:04:26
केतु	04/04/2016 19:02:21
शुक्र	05/04/2016 12:04:58
सूर्य	05/04/2016 17:11:45

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - गुरु - मंगल

मंगल	05/04/2016 21:22:21
राहु	06/04/2016 08:06:36
गुरु	06/04/2016 17:39:16
शनि	07/04/2016 04:59:18
बुध	07/04/2016 15:07:45
केतु	07/04/2016 19:18:17
शुक्र	08/04/2016 07:14:07
सूर्य	08/04/2016 10:48:52
चन्द्र	08/04/2016 16:46:47

राहु - केतु - गुरु - राहु

राहु	09/04/2016 20:23:27
गुरु	10/04/2016 20:56:01
शनि	12/04/2016 02:04:42
बुध	13/04/2016 04:09:18
केतु	13/04/2016 14:53:33
शुक्र	14/04/2016 21:34:16
सूर्य	15/04/2016 06:46:28
चन्द्र	15/04/2016 22:06:49
मंगल	16/04/2016 08:51:04

राहु - केतु - शनि - शनि

शनि	17/04/2016 21:23:07
बुध	19/04/2016 06:04:18
केतु	19/04/2016 19:31:51
शुक्र	21/04/2016 09:59:08
सूर्य	21/04/2016 21:31:19
चन्द्र	22/04/2016 16:44:57
मंगल	23/04/2016 06:12:30
राहु	24/04/2016 16:49:03
गुरु	25/04/2016 23:34:52

राहु - केतु - शनि - बुध

बुध	27/04/2016 04:49:41
केतु	27/04/2016 16:52:13
शुक्र	29/04/2016 03:16:38
सूर्य	29/04/2016 13:35:57
चन्द्र	30/04/2016 06:48:09
मंगल	30/04/2016 18:50:41
राहु	02/05/2016 01:48:39
गुरु	03/05/2016 05:20:11
शनि	04/05/2016 14:01:22

राहु - केतु - शनि - केतु

केतु	04/05/2016 18:58:57
शुक्र	05/05/2016 09:09:00
सूर्य	05/05/2016 13:24:00
चन्द्र	05/05/2016 20:29:01
मंगल	06/05/2016 01:26:32
राहु	06/05/2016 14:11:34
गुरु	07/05/2016 01:31:36
शनि	07/05/2016 14:59:09
बुध	08/05/2016 03:01:41

राहु - केतु - शनि - शुक्र

शुक्र	09/05/2016 19:30:28
सूर्य	10/05/2016 07:39:05
चन्द्र	11/05/2016 03:53:26
मंगल	11/05/2016 18:03:29
राहु	13/05/2016 06:29:20
गुरु	14/05/2016 14:52:18
शनि	16/05/2016 05:19:35
बुध	17/05/2016 15:44:00
केतु	18/05/2016 05:54:03

राहु - केतु - शनि - सूर्य

सूर्य	18/05/2016 09:32:42
चन्द्र	18/05/2016 15:37:00
मंगल	18/05/2016 19:52:00
राहु	19/05/2016 06:47:45
गुरु	19/05/2016 16:30:38
शनि	20/05/2016 04:02:49
बुध	20/05/2016 14:22:08
केतु	20/05/2016 18:37:08
शुक्र	21/05/2016 06:45:45

राहु - केतु - शनि - चन्द्र

चन्द्र	21/05/2016 16:52:59
मंगल	21/05/2016 23:58:00
राहु	22/05/2016 18:10:55
गुरु	23/05/2016 10:22:24
शनि	24/05/2016 05:36:02
बुध	24/05/2016 22:48:14
केतु	25/05/2016 05:53:15
शुक्र	26/05/2016 02:07:36
सूर्य	26/05/2016 08:11:54

राहु - केतु - शनि - मंगल

मंगल	26/05/2016 13:09:31
राहु	27/05/2016 01:54:33
गुरु	27/05/2016 13:14:35
शनि	28/05/2016 02:42:08
बुध	28/05/2016 14:44:40
केतु	28/05/2016 19:42:11
शुक्र	29/05/2016 09:52:14
सूर्य	29/05/2016 14:07:14
चन्द्र	29/05/2016 21:12:15

भोग्य दशा - शुक्र 8वर्ष 2मास 20दिन

राहु - केतु - शनि - राहु

राहु	31/05/2016 05:59:35
गुरु	01/06/2016 11:08:15
शनि	02/06/2016 21:44:48
बुध	04/06/2016 04:42:46
केतु	04/06/2016 17:27:48
शुक्र	06/06/2016 05:53:39
सूर्य	06/06/2016 16:49:24
चन्द्र	07/06/2016 11:02:19
मंगल	07/06/2016 23:47:21

राहु - केतु - शनि - गुरु

गुरु	09/06/2016 01:41:49
शनि	10/06/2016 08:27:38
बुध	11/06/2016 11:59:10
केतु	11/06/2016 23:19:12
शुक्र	13/06/2016 07:42:10
सूर्य	13/06/2016 17:25:03
चन्द्र	14/06/2016 09:36:32
मंगल	14/06/2016 20:56:34
राहु	16/06/2016 02:05:14

राहु - केतु - बुध - बुध

बुध	17/06/2016 04:15:26
केतु	17/06/2016 15:01:55
शुक्र	18/06/2016 21:49:01
सूर्य	19/06/2016 07:03:09
चन्द्र	19/06/2016 22:26:42
मंगल	20/06/2016 09:13:11
राहु	21/06/2016 12:55:35
गुरु	22/06/2016 13:33:16
शनि	23/06/2016 18:48:01

राहु - केतु - बुध - केतु

केतु	23/06/2016 23:14:16
शुक्र	24/06/2016 11:54:50
सूर्य	24/06/2016 15:43:00
चन्द्र	24/06/2016 22:03:17
मंगल	25/06/2016 02:29:29
राहु	25/06/2016 13:54:00
गुरु	26/06/2016 00:02:27
शनि	26/06/2016 12:04:59
बुध	26/06/2016 22:51:28

राहु - केतु - बुध - शुक्र

शुक्र	28/06/2016 11:04:35
सूर्य	28/06/2016 21:56:30
चन्द्र	29/06/2016 16:03:02
मंगल	30/06/2016 04:43:36
राहु	01/07/2016 13:19:21
गुरु	02/07/2016 18:17:48
शनि	04/07/2016 04:42:13
बुध	05/07/2016 11:29:19
केतु	06/07/2016 00:09:53

राहु - केतु - बुध - सूर्य

सूर्य	06/07/2016 03:25:31
चन्द्र	06/07/2016 08:51:28
मंगल	06/07/2016 12:39:38
राहु	06/07/2016 22:26:21
गुरु	07/07/2016 07:07:53
शनि	07/07/2016 17:27:12
बुध	08/07/2016 02:41:19
केतु	08/07/2016 06:29:29
शुक्र	08/07/2016 17:21:24

राहु - केतु - बुध - चन्द्र

चन्द्र	09/07/2016 02:24:44
मंगल	09/07/2016 08:45:01
राहु	10/07/2016 01:02:53
गुरु	10/07/2016 15:32:06
शनि	11/07/2016 08:44:18
बुध	12/07/2016 00:07:51
केतु	12/07/2016 06:28:08
शुक्र	13/07/2016 00:34:40
सूर्य	13/07/2016 06:00:37

राहु - केतु - बुध - मंगल

मंगल	13/07/2016 10:26:53
राहु	13/07/2016 21:51:24
गुरु	14/07/2016 07:59:51
शनि	14/07/2016 20:02:23
बुध	15/07/2016 06:48:52
केतु	15/07/2016 11:15:04
शुक्र	15/07/2016 23:55:38
सूर्य	16/07/2016 03:43:48
चन्द्र	16/07/2016 10:04:05

राहु - केतु - बुध - राहु

राहु	17/07/2016 15:24:19
गुरु	18/07/2016 17:28:55
शनि	20/07/2016 00:26:53
बुध	21/07/2016 04:09:16
केतु	21/07/2016 15:33:47
शुक्र	23/07/2016 00:09:32
सूर्य	23/07/2016 09:56:15
चन्द्र	24/07/2016 02:14:07
मंगल	24/07/2016 13:38:38

भोग्य दशा - सिद्धा 2वर्ष 10मास 21दिन

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	00/00/0000 - 00/00/0000
संकटा	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
पिंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
धान्या	00/00/0000 - 00/00/0000
भ्रामरी	01/11/1973 - 28/07/1974
भद्रिका	28/07/1974 - 19/07/1975
उल्का	19/07/1975 - 17/09/1976

संकटा 8 वर्ष

संकटा	17/09/1976 - 28/06/1978
मंगला	28/06/1978 - 17/09/1978
पिंगला	17/09/1978 - 27/02/1979
धान्या	27/02/1979 - 28/10/1979
भ्रामरी	28/10/1979 - 17/09/1980
भद्रिका	17/09/1980 - 28/10/1981
उल्का	28/10/1981 - 27/02/1983
सिद्धा	27/02/1983 - 17/09/1984

मंगला 1 वर्ष

मंगला	17/09/1984 - 27/09/1984
पिंगला	27/09/1984 - 17/10/1984
धान्या	17/10/1984 - 17/11/1984
भ्रामरी	17/11/1984 - 27/12/1984
भद्रिका	27/12/1984 - 16/02/1985
उल्का	16/02/1985 - 18/04/1985
सिद्धा	18/04/1985 - 28/06/1985
संकटा	28/06/1985 - 17/09/1985

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	17/09/1985 - 27/10/1985
धान्या	27/10/1985 - 27/12/1985
भ्रामरी	27/12/1985 - 18/03/1986
भद्रिका	18/03/1986 - 28/06/1986
उल्का	28/06/1986 - 27/10/1986
सिद्धा	27/10/1986 - 18/03/1987
संकटा	18/03/1987 - 27/08/1987
मंगला	27/08/1987 - 17/09/1987

धान्या 3 वर्ष

धान्या	17/09/1987 - 17/12/1987
भ्रामरी	17/12/1987 - 17/04/1988
भद्रिका	17/04/1988 - 16/09/1988
उल्का	16/09/1988 - 18/03/1989
सिद्धा	18/03/1989 - 17/10/1989
संकटा	17/10/1989 - 17/06/1990
मंगला	17/06/1990 - 18/07/1990
पिंगला	18/07/1990 - 17/09/1990

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	17/09/1990 - 26/02/1991
भद्रिका	26/02/1991 - 17/09/1991
उल्का	17/09/1991 - 18/05/1992
सिद्धा	18/05/1992 - 26/02/1993
संकटा	26/02/1993 - 16/01/1994
मंगला	16/01/1994 - 26/02/1994
पिंगला	26/02/1994 - 18/05/1994
धान्या	18/05/1994 - 17/09/1994

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	17/09/1994 - 28/05/1995
उल्का	28/05/1995 - 28/03/1996
सिद्धा	28/03/1996 - 18/03/1997
संकटा	18/03/1997 - 28/04/1998
मंगला	28/04/1998 - 17/06/1998
पिंगला	17/06/1998 - 27/09/1998
धान्या	27/09/1998 - 26/02/1999
भ्रामरी	26/02/1999 - 17/09/1999

उल्का 6 वर्ष

उल्का	17/09/1999 - 16/09/2000
सिद्धा	16/09/2000 - 16/11/2001
संकटा	16/11/2001 - 18/03/2003
मंगला	18/03/2003 - 18/05/2003
पिंगला	18/05/2003 - 17/09/2003
धान्या	17/09/2003 - 18/03/2004
भ्रामरी	18/03/2004 - 16/11/2004
भद्रिका	16/11/2004 - 17/09/2005

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	17/09/2005 - 27/01/2007
संकटा	27/01/2007 - 17/08/2008
मंगला	17/08/2008 - 27/10/2008
पिंगला	27/10/2008 - 18/03/2009
धान्या	18/03/2009 - 17/10/2009
भ्रामरी	17/10/2009 - 28/07/2010
भद्रिका	28/07/2010 - 19/07/2011
उल्का	19/07/2011 - 17/09/2012

भोग्य दशा - सिद्धा 2वर्ष 10मास 21दिन

संकटा 8 वर्ष

संकटा	17/09/2012 - 28/06/2014
मंगला	28/06/2014 - 17/09/2014
पिंगला	17/09/2014 - 27/02/2015
धान्या	27/02/2015 - 28/10/2015
भ्रामरी	28/10/2015 - 17/09/2016
भद्रिका	17/09/2016 - 28/10/2017
उल्का	28/10/2017 - 27/02/2019
सिद्धा	27/02/2019 - 17/09/2020

मंगला 1 वर्ष

मंगला	17/09/2020 - 27/09/2020
पिंगला	27/09/2020 - 17/10/2020
धान्या	17/10/2020 - 17/11/2020
भ्रामरी	17/11/2020 - 27/12/2020
भद्रिका	27/12/2020 - 16/02/2021
उल्का	16/02/2021 - 18/04/2021
सिद्धा	18/04/2021 - 28/06/2021
संकटा	28/06/2021 - 17/09/2021

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	17/09/2021 - 27/10/2021
धान्या	27/10/2021 - 27/12/2021
भ्रामरी	27/12/2021 - 18/03/2022
भद्रिका	18/03/2022 - 28/06/2022
उल्का	28/06/2022 - 27/10/2022
सिद्धा	27/10/2022 - 18/03/2023
संकटा	18/03/2023 - 27/08/2023
मंगला	27/08/2023 - 17/09/2023

धान्या 3 वर्ष

धान्या	17/09/2023 - 17/12/2023
भ्रामरी	17/12/2023 - 17/04/2024
भद्रिका	17/04/2024 - 16/09/2024
उल्का	16/09/2024 - 18/03/2025
सिद्धा	18/03/2025 - 17/10/2025
संकटा	17/10/2025 - 17/06/2026
मंगला	17/06/2026 - 18/07/2026
पिंगला	18/07/2026 - 17/09/2026

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	17/09/2026 - 26/02/2027
भद्रिका	26/02/2027 - 17/09/2027
उल्का	17/09/2027 - 18/05/2028
सिद्धा	18/05/2028 - 26/02/2029
संकटा	26/02/2029 - 16/01/2030
मंगला	16/01/2030 - 26/02/2030
पिंगला	26/02/2030 - 18/05/2030
धान्या	18/05/2030 - 17/09/2030

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	17/09/2030 - 28/05/2031
उल्का	28/05/2031 - 28/03/2032
सिद्धा	28/03/2032 - 18/03/2033
संकटा	18/03/2033 - 28/04/2034
मंगला	28/04/2034 - 17/06/2034
पिंगला	17/06/2034 - 27/09/2034
धान्या	27/09/2034 - 26/02/2035
भ्रामरी	26/02/2035 - 17/09/2035

उल्का 6 वर्ष

उल्का	17/09/2035 - 16/09/2036
सिद्धा	16/09/2036 - 16/11/2037
संकटा	16/11/2037 - 18/03/2039
मंगला	18/03/2039 - 18/05/2039
पिंगला	18/05/2039 - 17/09/2039
धान्या	17/09/2039 - 18/03/2040
भ्रामरी	18/03/2040 - 16/11/2040
भद्रिका	16/11/2040 - 17/09/2041

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	17/09/2041 - 27/01/2043
संकटा	27/01/2043 - 17/08/2044
मंगला	17/08/2044 - 27/10/2044
पिंगला	27/10/2044 - 18/03/2045
धान्या	18/03/2045 - 17/10/2045
भ्रामरी	17/10/2045 - 28/07/2046
भद्रिका	28/07/2046 - 19/07/2047
उल्का	19/07/2047 - 17/09/2048

संकटा 8 वर्ष

संकटा	17/09/2048 - 28/06/2050
मंगला	28/06/2050 - 17/09/2050
पिंगला	17/09/2050 - 27/02/2051
धान्या	27/02/2051 - 28/10/2051
भ्रामरी	28/10/2051 - 17/09/2052
भद्रिका	17/09/2052 - 28/10/2053
उल्का	28/10/2053 - 27/02/2055
सिद्धा	27/02/2055 - 17/09/2056

भोग्य दशा - धनु 3वर्ष 5मास 23दिन

धनु

धनु	00/00/0000 - 00/00/0000
मकर	00/00/0000 - 00/00/0000
कुम्भ	00/00/0000 - 00/00/0000
मीन	00/00/0000 - 00/00/0000
वृश्चिक	00/00/0000 - 00/00/0000
तुला	00/00/0000 - 00/00/0000
कन्या	01/11/1973 - 15/07/1974
तुला	15/07/1974 - 18/06/1976
वृश्चिक	18/06/1976 - 22/04/1977

मकर

मकर	22/04/1977 - 02/07/1977
कुम्भ	02/07/1977 - 10/09/1977
मीन	10/09/1977 - 05/03/1978
वृश्चिक	05/03/1978 - 06/07/1978
तुला	06/07/1978 - 14/04/1979
कन्या	14/04/1979 - 19/09/1979
तुला	19/09/1979 - 27/06/1980
वृश्चिक	27/06/1980 - 28/10/1980
धनु	28/10/1980 - 22/04/1981

कुम्भ

कुम्भ	22/04/1981 - 02/07/1981
मीन	02/07/1981 - 25/12/1981
वृश्चिक	25/12/1981 - 27/04/1982
तुला	27/04/1982 - 03/02/1983
कन्या	03/02/1983 - 11/07/1983
तुला	11/07/1983 - 18/04/1984
वृश्चिक	18/04/1984 - 19/08/1984
धनु	19/08/1984 - 11/02/1985
मकर	11/02/1985 - 22/04/1985

मीन

मीन	22/04/1985 - 06/07/1986
वृश्चिक	06/07/1986 - 10/05/1987
तुला	10/05/1987 - 13/04/1989
कन्या	13/04/1989 - 14/05/1990
तुला	14/05/1990 - 17/04/1992
वृश्चिक	17/04/1992 - 19/02/1993
धनु	19/02/1993 - 05/05/1994
मकर	05/05/1994 - 28/10/1994
कुम्भ	28/10/1994 - 22/04/1995

वृश्चिक

वृश्चिक	22/04/1995 - 24/11/1995
धनु	24/11/1995 - 27/09/1996
मकर	27/09/1996 - 28/01/1997
कुम्भ	28/01/1997 - 31/05/1997
मीन	31/05/1997 - 04/04/1998
वृश्चिक	04/04/1998 - 06/11/1998
तुला	06/11/1998 - 13/03/2000
कन्या	13/03/2000 - 15/12/2000
तुला	15/12/2000 - 22/04/2002

तुला

तुला	22/04/2002 - 23/05/2005
वृश्चिक	23/05/2005 - 28/09/2006
धनु	28/09/2006 - 01/09/2008
मकर	01/09/2008 - 09/06/2009
कुम्भ	09/06/2009 - 18/03/2010
मीन	18/03/2010 - 20/02/2012
वृश्चिक	20/02/2012 - 27/06/2013
तुला	27/06/2013 - 28/07/2016
कन्या	28/07/2016 - 22/04/2018

कन्या

कन्या	22/04/2018 - 14/04/2019
तुला	14/04/2019 - 06/01/2021
वृश्चिक	06/01/2021 - 10/10/2021
धनु	10/10/2021 - 11/11/2022
मकर	11/11/2022 - 18/04/2023
कुम्भ	18/04/2023 - 23/09/2023
मीन	23/09/2023 - 23/10/2024
वृश्चिक	23/10/2024 - 28/07/2025
तुला	28/07/2025 - 22/04/2027

तुला

तुला	22/04/2027 - 23/05/2030
वृश्चिक	23/05/2030 - 28/09/2031
धनु	28/09/2031 - 01/09/2033
मकर	01/09/2033 - 09/06/2034
कुम्भ	09/06/2034 - 18/03/2035
मीन	18/03/2035 - 19/02/2037
वृश्चिक	19/02/2037 - 27/06/2038
तुला	27/06/2038 - 28/07/2041
कन्या	28/07/2041 - 22/04/2043

वृश्चिक

वृश्चिक	22/04/2043 - 24/11/2043
धनु	24/11/2043 - 27/09/2044
मकर	27/09/2044 - 28/01/2045
कुम्भ	28/01/2045 - 31/05/2045
मीन	31/05/2045 - 04/04/2046
वृश्चिक	04/04/2046 - 06/11/2046
तुला	06/11/2046 - 13/03/2048
कन्या	13/03/2048 - 15/12/2048
तुला	15/12/2048 - 22/04/2050

कुल दशाकाल : 83 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढा	चरण : 3
वर्ग : सव्य	देह : तुला	जीव : कन्या

भोग्य दशा - धनु 3वर्ष 5मास 23दिन

तुला - तुला

तुला	27/06/2013 - 30/01/2014
वृश्चिक	30/01/2014 - 05/05/2014
धनु	05/05/2014 - 18/09/2014
मकर	18/09/2014 - 11/11/2014
कुम्भ	11/11/2014 - 04/01/2015
मीन	04/01/2015 - 20/05/2015
वृश्चिक	20/05/2015 - 23/08/2015
तुला	23/08/2015 - 27/03/2016
कन्या	27/03/2016 - 28/07/2016

तुला - कन्या

कन्या	28/07/2016 - 04/10/2016
तुला	04/10/2016 - 03/02/2017
वृश्चिक	03/02/2017 - 29/03/2017
धनु	29/03/2017 - 13/06/2017
मकर	13/06/2017 - 14/07/2017
कुम्भ	14/07/2017 - 13/08/2017
मीन	13/08/2017 - 29/10/2017
वृश्चिक	29/10/2017 - 21/12/2017
तुला	21/12/2017 - 22/04/2018

कन्या - कन्या

कन्या	22/04/2018 - 31/05/2018
तुला	31/05/2018 - 08/08/2018
वृश्चिक	08/08/2018 - 07/09/2018
धनु	07/09/2018 - 20/10/2018
मकर	20/10/2018 - 06/11/2018
कुम्भ	06/11/2018 - 23/11/2018
मीन	23/11/2018 - 05/01/2019
वृश्चिक	05/01/2019 - 04/02/2019
तुला	04/02/2019 - 14/04/2019

कन्या - तुला

तुला	14/04/2019 - 14/08/2019
वृश्चिक	14/08/2019 - 06/10/2019
धनु	06/10/2019 - 22/12/2019
मकर	22/12/2019 - 21/01/2020
कुम्भ	21/01/2020 - 21/02/2020
मीन	21/02/2020 - 07/05/2020
वृश्चिक	07/05/2020 - 29/06/2020
तुला	29/06/2020 - 30/10/2020
कन्या	30/10/2020 - 06/01/2021

कन्या - वृश्चिक

वृश्चिक	06/01/2021 - 30/01/2021
धनु	30/01/2021 - 04/03/2021
मकर	04/03/2021 - 17/03/2021
कुम्भ	17/03/2021 - 31/03/2021
मीन	31/03/2021 - 03/05/2021
वृश्चिक	03/05/2021 - 27/05/2021
तुला	27/05/2021 - 19/07/2021
कन्या	19/07/2021 - 18/08/2021
तुला	18/08/2021 - 10/10/2021

कन्या - धनु

धनु	10/10/2021 - 27/11/2021
मकर	27/11/2021 - 16/12/2021
कुम्भ	16/12/2021 - 04/01/2022
मीन	04/01/2022 - 21/02/2022
वृश्चिक	21/02/2022 - 26/03/2022
तुला	26/03/2022 - 11/06/2022
कन्या	11/06/2022 - 24/07/2022
तुला	24/07/2022 - 08/10/2022
वृश्चिक	08/10/2022 - 11/11/2022

कन्या - मकर

मकर	11/11/2022 - 18/11/2022
कुम्भ	18/11/2022 - 26/11/2022
मीन	26/11/2022 - 15/12/2022
वृश्चिक	15/12/2022 - 28/12/2022
तुला	28/12/2022 - 28/01/2023
कन्या	28/01/2023 - 14/02/2023
तुला	14/02/2023 - 16/03/2023
वृश्चिक	16/03/2023 - 30/03/2023
धनु	30/03/2023 - 18/04/2023

कन्या - कुम्भ

कुम्भ	18/04/2023 - 26/04/2023
मीन	26/04/2023 - 15/05/2023
वृश्चिक	15/05/2023 - 28/05/2023
तुला	28/05/2023 - 28/06/2023
कन्या	28/06/2023 - 15/07/2023
तुला	15/07/2023 - 14/08/2023
वृश्चिक	14/08/2023 - 28/08/2023
धनु	28/08/2023 - 16/09/2023
मकर	16/09/2023 - 23/09/2023

कन्या - मीन

मीन	23/09/2023 - 10/11/2023
वृश्चिक	10/11/2023 - 13/12/2023
तुला	13/12/2023 - 28/02/2024
कन्या	28/02/2024 - 11/04/2024
तुला	11/04/2024 - 26/06/2024
वृश्चिक	26/06/2024 - 29/07/2024
धनु	29/07/2024 - 15/09/2024
मकर	15/09/2024 - 04/10/2024
कुम्भ	04/10/2024 - 23/10/2024

कुल दशाकाल : 83 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा	चरण : 3
वर्ग : सव्य	देह : तुला	जीव : कन्या

भोग्य दशा - धनु 3वर्ष 5मास 23दिन

कन्या - वृश्चिक

वृश्चिक	23/10/2024 - 16/11/2024
धनु	16/11/2024 - 19/12/2024
मकर	19/12/2024 - 02/01/2025
कुम्भ	02/01/2025 - 15/01/2025
मीन	15/01/2025 - 17/02/2025
वृश्चिक	17/02/2025 - 13/03/2025
तुला	13/03/2025 - 05/05/2025
कन्या	05/05/2025 - 04/06/2025
तुला	04/06/2025 - 28/07/2025

कन्या - तुला

तुला	28/07/2025 - 27/11/2025
वृश्चिक	27/11/2025 - 19/01/2026
धनु	19/01/2026 - 06/04/2026
मकर	06/04/2026 - 06/05/2026
कुम्भ	06/05/2026 - 06/06/2026
मीन	06/06/2026 - 21/08/2026
वृश्चिक	21/08/2026 - 13/10/2026
तुला	13/10/2026 - 13/02/2027
कन्या	13/02/2027 - 22/04/2027

तुला - तुला

तुला	22/04/2027 - 25/11/2027
वृश्चिक	25/11/2027 - 28/02/2028
धनु	28/02/2028 - 13/07/2028
मकर	13/07/2028 - 05/09/2028
कुम्भ	05/09/2028 - 30/10/2028
मीन	30/10/2028 - 14/03/2029
वृश्चिक	14/03/2029 - 17/06/2029
तुला	17/06/2029 - 21/01/2030
कन्या	21/01/2030 - 23/05/2030

तुला - वृश्चिक

वृश्चिक	23/05/2030 - 03/07/2030
धनु	03/07/2030 - 01/09/2030
मकर	01/09/2030 - 24/09/2030
कुम्भ	24/09/2030 - 18/10/2030
मीन	18/10/2030 - 17/12/2030
वृश्चिक	17/12/2030 - 27/01/2031
तुला	27/01/2031 - 02/05/2031
कन्या	02/05/2031 - 25/06/2031
तुला	25/06/2031 - 28/09/2031

तुला - धनु

धनु	28/09/2031 - 21/12/2031
मकर	21/12/2031 - 24/01/2032
कुम्भ	24/01/2032 - 27/02/2032
मीन	27/02/2032 - 22/05/2032
वृश्चिक	22/05/2032 - 21/07/2032
तुला	21/07/2032 - 03/12/2032
कन्या	03/12/2032 - 18/02/2033
तुला	18/02/2033 - 03/07/2033
वृश्चिक	03/07/2033 - 01/09/2033

तुला - मकर

मकर	01/09/2033 - 14/09/2033
कुम्भ	14/09/2033 - 28/09/2033
मीन	28/09/2033 - 01/11/2033
वृश्चिक	01/11/2033 - 25/11/2033
तुला	25/11/2033 - 18/01/2034
कन्या	18/01/2034 - 17/02/2034
तुला	17/02/2034 - 13/04/2034
वृश्चिक	13/04/2034 - 06/05/2034
धनु	06/05/2034 - 09/06/2034

तुला - कुम्भ

कुम्भ	09/06/2034 - 23/06/2034
मीन	23/06/2034 - 27/07/2034
वृश्चिक	27/07/2034 - 20/08/2034
तुला	20/08/2034 - 13/10/2034
कन्या	13/10/2034 - 12/11/2034
तुला	12/11/2034 - 06/01/2035
वृश्चिक	06/01/2035 - 30/01/2035
धनु	30/01/2035 - 04/03/2035
मकर	04/03/2035 - 18/03/2035

तुला - मीन

मीन	18/03/2035 - 11/06/2035
वृश्चिक	11/06/2035 - 09/08/2035
तुला	09/08/2035 - 23/12/2035
कन्या	23/12/2035 - 08/03/2036
तुला	08/03/2036 - 22/07/2036
वृश्चिक	22/07/2036 - 19/09/2036
धनु	19/09/2036 - 13/12/2036
मकर	13/12/2036 - 16/01/2037
कुम्भ	16/01/2037 - 19/02/2037

तुला - वृश्चिक

वृश्चिक	19/02/2037 - 02/04/2037
धनु	02/04/2037 - 31/05/2037
मकर	31/05/2037 - 24/06/2037
कुम्भ	24/06/2037 - 18/07/2037
मीन	18/07/2037 - 15/09/2037
वृश्चिक	15/09/2037 - 27/10/2037
तुला	27/10/2037 - 30/01/2038
कन्या	30/01/2038 - 24/03/2038
तुला	24/03/2038 - 27/06/2038

कुल दशाकाल : 83 वर्ष	नक्षत्र : पूर्वाषाढा	चरण : 3
वर्ग : सव्य	देह : तुला	जीव : कन्या

भोग्य दशा - शनि 8वर्ष 0मास 15दिन

शनि 19 वर्ष

शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	01/11/1973 - 22/07/1974
राहु	22/07/1974 - 01/09/1975
शुक्र	01/09/1975 - 11/08/1977
सूर्य	11/08/1977 - 02/03/1978
चन्द्र	02/03/1978 - 23/07/1979
मंगल	23/07/1979 - 18/04/1980
बुध	18/04/1980 - 14/11/1981

गुरु 16 वर्ष

गुरु	14/11/1981 - 19/03/1985
राहु	19/03/1985 - 29/04/1987
शुक्र	29/04/1987 - 08/01/1991
सूर्य	08/01/1991 - 28/01/1992
चन्द्र	28/01/1992 - 18/09/1994
मंगल	18/09/1994 - 14/02/1996
बुध	14/02/1996 - 11/02/1999
शनि	11/02/1999 - 14/11/2000

राहु 18 वर्ष

राहु	14/11/2000 - 16/03/2002
शुक्र	16/03/2002 - 16/07/2004
सूर्य	16/07/2004 - 16/03/2005
चन्द्र	16/03/2005 - 15/11/2006
मंगल	15/11/2006 - 05/10/2007
बुध	05/10/2007 - 25/08/2009
शनि	25/08/2009 - 05/10/2010
गुरु	05/10/2010 - 14/11/2012

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	14/11/2012 - 15/12/2016
सूर्य	15/12/2016 - 14/02/2018
चन्द्र	14/02/2018 - 14/01/2021
मंगल	14/01/2021 - 05/08/2022
बुध	05/08/2022 - 25/11/2025
शनि	25/11/2025 - 05/11/2027
गुरु	05/11/2027 - 16/07/2031
राहु	16/07/2031 - 14/11/2033

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	14/11/2033 - 16/03/2034
चन्द्र	16/03/2034 - 14/01/2035
मंगल	14/01/2035 - 26/06/2035
बुध	26/06/2035 - 04/06/2036
शनि	04/06/2036 - 24/12/2036
गुरु	24/12/2036 - 14/01/2038
राहु	14/01/2038 - 14/09/2038
शुक्र	14/09/2038 - 14/11/2039

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	14/11/2039 - 14/12/2041
मंगल	14/12/2041 - 24/01/2043
बुध	24/01/2043 - 05/06/2045
शनि	05/06/2045 - 25/10/2046
गुरु	25/10/2046 - 15/06/2049
राहु	15/06/2049 - 14/02/2051
शुक्र	14/02/2051 - 14/01/2054
सूर्य	14/01/2054 - 14/11/2054

मंगल 7 वर्ष

मंगल	14/11/2054 - 19/06/2055
बुध	19/06/2055 - 21/09/2056
शनि	21/09/2056 - 18/06/2057
गुरु	18/06/2057 - 14/11/2058
राहु	14/11/2058 - 05/10/2059
शुक्र	05/10/2059 - 25/04/2061
सूर्य	25/04/2061 - 04/10/2061
चन्द्र	04/10/2061 - 14/11/2062

बुध 17 वर्ष

बुध	14/11/2062 - 19/07/2065
शनि	19/07/2065 - 14/02/2067
गुरु	14/02/2067 - 10/02/2070
राहु	10/02/2070 - 01/01/2072
शुक्र	01/01/2072 - 22/04/2075
सूर्य	22/04/2075 - 01/04/2076
चन्द्र	01/04/2076 - 11/08/2078
मंगल	11/08/2078 - 14/11/2079

शनि 19 वर्ष

शनि	14/11/2079 - 18/10/2080
गुरु	18/10/2080 - 22/07/2082
राहु	22/07/2082 - 01/09/2083
शुक्र	01/09/2083 - 11/08/2085
सूर्य	11/08/2085 - 02/03/2086
चन्द्र	02/03/2086 - 23/07/2087
मंगल	23/07/2087 - 18/04/2088
बुध	18/04/2088 - 14/11/2089

भोग्य दशा - शनि 8वर्ष 0मास 15दिन

शुक्र - शुक्र

शुक्र	14/11/2012 - 31/08/2013
सूर्य	31/08/2013 - 22/11/2013
चन्द्र	22/11/2013 - 17/06/2014
मंगल	17/06/2014 - 06/10/2014
बुध	06/10/2014 - 28/05/2015
शनि	28/05/2015 - 14/10/2015
गुरु	14/10/2015 - 02/07/2016
राहु	02/07/2016 - 15/12/2016

शुक्र - सूर्य

सूर्य	15/12/2016 - 07/01/2017
चन्द्र	07/01/2017 - 08/03/2017
मंगल	08/03/2017 - 08/04/2017
बुध	08/04/2017 - 14/06/2017
शनि	14/06/2017 - 24/07/2017
गुरु	24/07/2017 - 07/10/2017
राहु	07/10/2017 - 23/11/2017
शुक्र	23/11/2017 - 14/02/2018

शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	14/02/2018 - 12/07/2018
मंगल	12/07/2018 - 29/09/2018
बुध	29/09/2018 - 15/03/2019
शनि	15/03/2019 - 22/06/2019
गुरु	22/06/2019 - 26/12/2019
राहु	26/12/2019 - 23/04/2020
शुक्र	23/04/2020 - 16/11/2020
सूर्य	16/11/2020 - 14/01/2021

शुक्र - मंगल

मंगल	14/01/2021 - 25/02/2021
बुध	25/02/2021 - 26/05/2021
शनि	26/05/2021 - 17/07/2021
गुरु	17/07/2021 - 25/10/2021
राहु	25/10/2021 - 27/12/2021
शुक्र	27/12/2021 - 17/04/2022
सूर्य	17/04/2022 - 18/05/2022
चन्द्र	18/05/2022 - 05/08/2022

शुक्र - बुध

बुध	05/08/2022 - 11/02/2023
शनि	11/02/2023 - 03/06/2023
गुरु	03/06/2023 - 01/01/2024
राहु	01/01/2024 - 15/05/2024
शुक्र	15/05/2024 - 04/01/2025
सूर्य	04/01/2025 - 12/03/2025
चन्द्र	12/03/2025 - 27/08/2025
मंगल	27/08/2025 - 25/11/2025

शुक्र - शनि

शनि	25/11/2025 - 29/01/2026
गुरु	29/01/2026 - 03/06/2026
राहु	03/06/2026 - 21/08/2026
शुक्र	21/08/2026 - 06/01/2027
सूर्य	06/01/2027 - 15/02/2027
चन्द्र	15/02/2027 - 24/05/2027
मंगल	24/05/2027 - 16/07/2027
बुध	16/07/2027 - 05/11/2027

शुक्र - गुरु

गुरु	05/11/2027 - 29/06/2028
राहु	29/06/2028 - 26/11/2028
शुक्र	26/11/2028 - 15/08/2029
सूर्य	15/08/2029 - 29/10/2029
चन्द्र	29/10/2029 - 05/05/2030
मंगल	05/05/2030 - 13/08/2030
बुध	13/08/2030 - 13/03/2031
शनि	13/03/2031 - 16/07/2031

शुक्र - राहु

राहु	16/07/2031 - 19/10/2031
शुक्र	19/10/2031 - 01/04/2032
सूर्य	01/04/2032 - 19/05/2032
चन्द्र	19/05/2032 - 14/09/2032
मंगल	14/09/2032 - 16/11/2032
बुध	16/11/2032 - 30/03/2033
शनि	30/03/2033 - 17/06/2033
गुरु	17/06/2033 - 14/11/2033

सूर्य - सूर्य

सूर्य	14/11/2033 - 21/11/2033
चन्द्र	21/11/2033 - 08/12/2033
मंगल	08/12/2033 - 17/12/2033
बुध	17/12/2033 - 05/01/2034
शनि	05/01/2034 - 16/01/2034
गुरु	16/01/2034 - 07/02/2034
राहु	07/02/2034 - 20/02/2034
शुक्र	20/02/2034 - 16/03/2034

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/11/1973 - 01/01/1974
धनु	01/01/1974 - 01/03/1974
मकर	01/03/1974 - 01/05/1974
कुम्भ	01/05/1974 - 01/07/1974
मीन	01/07/1974 - 01/09/1974
मेष	01/09/1974 - 01/11/1974
वृष	01/11/1974 - 01/01/1975
मिथुन	01/01/1975 - 01/03/1975
कर्क	01/03/1975 - 01/05/1975
सिंह	01/05/1975 - 01/07/1975
कन्या	01/07/1975 - 01/09/1975
तुला	01/09/1975 - 01/11/1975

वृश्चिक 7 वर्ष

तुला	01/11/1975 - 01/06/1976
कन्या	01/06/1976 - 01/01/1977
सिंह	01/01/1977 - 01/08/1977
कर्क	01/08/1977 - 01/03/1978
मिथुन	01/03/1978 - 01/10/1978
वृष	01/10/1978 - 01/05/1979
मेष	01/05/1979 - 01/12/1979
मीन	01/12/1979 - 01/07/1980
कुम्भ	01/07/1980 - 01/02/1981
मकर	01/02/1981 - 01/09/1981
धनु	01/09/1981 - 01/04/1982
वृश्चिक	01/04/1982 - 01/11/1982

धनु 1 वर्ष

वृश्चिक	01/11/1982 - 01/12/1982
तुला	01/12/1982 - 01/01/1983
कन्या	01/01/1983 - 01/02/1983
सिंह	01/02/1983 - 01/03/1983
कर्क	01/03/1983 - 01/04/1983
मिथुन	01/04/1983 - 01/05/1983
वृष	01/05/1983 - 01/06/1983
मेष	01/06/1983 - 01/07/1983
मीन	01/07/1983 - 01/08/1983
कुम्भ	01/08/1983 - 01/09/1983
मकर	01/09/1983 - 01/10/1983
धनु	01/10/1983 - 01/11/1983

मकर 7 वर्ष

धनु	01/11/1983 - 01/06/1984
वृश्चिक	01/06/1984 - 01/01/1985
तुला	01/01/1985 - 01/08/1985
कन्या	01/08/1985 - 01/03/1986
सिंह	01/03/1986 - 01/10/1986
कर्क	01/10/1986 - 01/05/1987
मिथुन	01/05/1987 - 01/12/1987
वृष	01/12/1987 - 01/07/1988
मेष	01/07/1988 - 01/02/1989
मीन	01/02/1989 - 01/09/1989
कुम्भ	01/09/1989 - 01/04/1990
मकर	01/04/1990 - 01/11/1990

कुम्भ 2 वर्ष

मीन	01/11/1990 - 01/01/1991
मेष	01/01/1991 - 01/03/1991
वृष	01/03/1991 - 01/05/1991
मिथुन	01/05/1991 - 01/07/1991
कर्क	01/07/1991 - 01/09/1991
सिंह	01/09/1991 - 01/11/1991
कन्या	01/11/1991 - 01/01/1992
तुला	01/01/1992 - 01/03/1992
वृश्चिक	01/03/1992 - 01/05/1992
धनु	01/05/1992 - 01/07/1992
मकर	01/07/1992 - 01/09/1992
कुम्भ	01/09/1992 - 01/11/1992

मीन 2 वर्ष

मेष	01/11/1992 - 01/01/1993
वृष	01/01/1993 - 01/03/1993
मिथुन	01/03/1993 - 01/05/1993
कर्क	01/05/1993 - 01/07/1993
सिंह	01/07/1993 - 01/09/1993
कन्या	01/09/1993 - 01/11/1993
तुला	01/11/1993 - 01/01/1994
वृश्चिक	01/01/1994 - 01/03/1994
धनु	01/03/1994 - 01/05/1994
मकर	01/05/1994 - 01/07/1994
कुम्भ	01/07/1994 - 01/09/1994
मीन	01/09/1994 - 01/11/1994

मेष 12 वर्ष

वृष	01/11/1994 - 01/11/1995
मिथुन	01/11/1995 - 01/11/1996
कर्क	01/11/1996 - 01/11/1997
सिंह	01/11/1997 - 01/11/1998
कन्या	01/11/1998 - 01/11/1999
तुला	01/11/1999 - 01/11/2000
वृश्चिक	01/11/2000 - 01/11/2001
धनु	01/11/2001 - 01/11/2002
मकर	01/11/2002 - 01/11/2003
कुम्भ	01/11/2003 - 01/11/2004
मीन	01/11/2004 - 01/11/2005
मेष	01/11/2005 - 01/11/2006

वृष 7 वर्ष

मेष	01/11/2006 - 01/06/2007
मीन	01/06/2007 - 01/01/2008
कुम्भ	01/01/2008 - 01/08/2008
मकर	01/08/2008 - 01/03/2009
धनु	01/03/2009 - 01/10/2009
वृश्चिक	01/10/2009 - 01/05/2010
तुला	01/05/2010 - 01/12/2010
कन्या	01/12/2010 - 01/07/2011
सिंह	01/07/2011 - 01/02/2012
कर्क	01/02/2012 - 01/09/2012
मिथुन	01/09/2012 - 01/04/2013
वृष	01/04/2013 - 01/11/2013

मिथुन 5 वर्ष

वृष	01/11/2013 - 01/04/2014
मेष	01/04/2014 - 01/09/2014
मीन	01/09/2014 - 01/02/2015
कुम्भ	01/02/2015 - 01/07/2015
मकर	01/07/2015 - 01/12/2015
धनु	01/12/2015 - 01/05/2016
वृश्चिक	01/05/2016 - 01/10/2016
तुला	01/10/2016 - 01/03/2017
कन्या	01/03/2017 - 01/08/2017
सिंह	01/08/2017 - 01/01/2018
कर्क	01/01/2018 - 01/06/2018
मिथुन	01/06/2018 - 01/11/2018

कर्क 7 वर्ष

मिथुन	01/11/2018 - 01/06/2019
वृष	01/06/2019 - 01/01/2020
मेष	01/01/2020 - 01/08/2020
मीन	01/08/2020 - 01/03/2021
कुम्भ	01/03/2021 - 01/10/2021
मकर	01/10/2021 - 01/05/2022
धनु	01/05/2022 - 01/12/2022
वृश्चिक	01/12/2022 - 01/07/2023
तुला	01/07/2023 - 01/02/2024
कन्या	01/02/2024 - 01/09/2024
सिंह	01/09/2024 - 01/04/2025
कर्क	01/04/2025 - 01/11/2025

सिंह 10 वर्ष

कन्या	01/11/2025 - 01/09/2026
तुला	01/09/2026 - 01/07/2027
वृश्चिक	01/07/2027 - 01/05/2028
धनु	01/05/2028 - 01/03/2029
मकर	01/03/2029 - 01/01/2030
कुम्भ	01/01/2030 - 01/11/2030
मीन	01/11/2030 - 01/09/2031
मेष	01/09/2031 - 01/07/2032
वृष	01/07/2032 - 01/05/2033
मिथुन	01/05/2033 - 01/03/2034
कर्क	01/03/2034 - 01/01/2035
सिंह	01/01/2035 - 01/11/2035

कन्या 10 वर्ष

तुला	01/11/2035 - 01/09/2036
वृश्चिक	01/09/2036 - 01/07/2037
धनु	01/07/2037 - 01/05/2038
मकर	01/05/2038 - 01/03/2039
कुम्भ	01/03/2039 - 01/01/2040
मीन	01/01/2040 - 01/11/2040
मेष	01/11/2040 - 01/09/2041
वृष	01/09/2041 - 01/07/2042
मिथुन	01/07/2042 - 01/05/2043
कर्क	01/05/2043 - 01/03/2044
सिंह	01/03/2044 - 01/01/2045
कन्या	01/01/2045 - 01/11/2045

तुला 2 वर्ष

वृश्चिक	01/11/2045 - 01/01/2046
धनु	01/01/2046 - 01/03/2046
मकर	01/03/2046 - 01/05/2046
कुम्भ	01/05/2046 - 01/07/2046
मीन	01/07/2046 - 01/09/2046
मेष	01/09/2046 - 01/11/2046
वृष	01/11/2046 - 01/01/2047
मिथुन	01/01/2047 - 01/03/2047
कर्क	01/03/2047 - 01/05/2047
सिंह	01/05/2047 - 01/07/2047
कन्या	01/07/2047 - 01/09/2047
तुला	01/09/2047 - 01/11/2047

वृश्चिक 7 वर्ष

तुला	01/11/2047 - 01/06/2048
कन्या	01/06/2048 - 01/01/2049
सिंह	01/01/2049 - 01/08/2049
कर्क	01/08/2049 - 01/03/2050
मिथुन	01/03/2050 - 01/10/2050
वृष	01/10/2050 - 01/05/2051
मेष	01/05/2051 - 01/12/2051
मीन	01/12/2051 - 01/07/2052
कुम्भ	01/07/2052 - 01/02/2053
मकर	01/02/2053 - 01/09/2053
धनु	01/09/2053 - 01/04/2054
वृश्चिक	01/04/2054 - 01/11/2054

धनु 1 वर्ष

वृश्चिक	01/11/2054 - 01/12/2054
तुला	01/12/2054 - 01/01/2055
कन्या	01/01/2055 - 01/02/2055
सिंह	01/02/2055 - 01/03/2055
कर्क	01/03/2055 - 01/04/2055
मिथुन	01/04/2055 - 01/05/2055
वृष	01/05/2055 - 01/06/2055
मेष	01/06/2055 - 01/07/2055
मीन	01/07/2055 - 01/08/2055
कुम्भ	01/08/2055 - 01/09/2055
मकर	01/09/2055 - 01/10/2055
धनु	01/10/2055 - 01/11/2055

मकर 7 वर्ष

धनु	01/11/2055 - 01/06/2056
वृश्चिक	01/06/2056 - 01/01/2057
तुला	01/01/2057 - 01/08/2057
कन्या	01/08/2057 - 01/03/2058
सिंह	01/03/2058 - 01/10/2058
कर्क	01/10/2058 - 01/05/2059
मिथुन	01/05/2059 - 01/12/2059
वृष	01/12/2059 - 01/07/2060
मेष	01/07/2060 - 01/02/2061
मीन	01/02/2061 - 01/09/2061
कुम्भ	01/09/2061 - 01/04/2062
मकर	01/04/2062 - 01/11/2062

कुम्भ 2 वर्ष

मीन	01/11/2062 - 01/01/2063
मेष	01/01/2063 - 01/03/2063
वृष	01/03/2063 - 01/05/2063
मिथुन	01/05/2063 - 01/07/2063
कर्क	01/07/2063 - 01/09/2063
सिंह	01/09/2063 - 01/11/2063
कन्या	01/11/2063 - 01/01/2064
तुला	01/01/2064 - 01/03/2064
वृश्चिक	01/03/2064 - 01/05/2064
धनु	01/05/2064 - 01/07/2064
मकर	01/07/2064 - 01/09/2064
कुम्भ	01/09/2064 - 01/11/2064

मीन 2 वर्ष

मेष	01/11/2064 - 01/01/2065
वृष	01/01/2065 - 01/03/2065
मिथुन	01/03/2065 - 01/05/2065
कर्क	01/05/2065 - 01/07/2065
सिंह	01/07/2065 - 01/09/2065
कन्या	01/09/2065 - 01/11/2065
तुला	01/11/2065 - 01/01/2066
वृश्चिक	01/01/2066 - 01/03/2066
धनु	01/03/2066 - 01/05/2066
मकर	01/05/2066 - 01/07/2066
कुम्भ	01/07/2066 - 01/09/2066
मीन	01/09/2066 - 01/11/2066

मेष 12 वर्ष

वृष	01/11/2066 - 01/11/2067
मिथुन	01/11/2067 - 01/11/2068
कर्क	01/11/2068 - 01/11/2069
सिंह	01/11/2069 - 01/11/2070
कन्या	01/11/2070 - 01/11/2071
तुला	01/11/2071 - 01/11/2072
वृश्चिक	01/11/2072 - 01/11/2073
धनु	01/11/2073 - 01/11/2074
मकर	01/11/2074 - 01/11/2075
कुम्भ	01/11/2075 - 01/11/2076
मीन	01/11/2076 - 01/11/2077
मेष	01/11/2077 - 01/11/2078

वृष 7 वर्ष

मेष	01/11/2078 - 01/06/2079
मीन	01/06/2079 - 01/01/2080
कुम्भ	01/01/2080 - 01/08/2080
मकर	01/08/2080 - 01/03/2081
धनु	01/03/2081 - 01/10/2081
वृश्चिक	01/10/2081 - 01/05/2082
तुला	01/05/2082 - 01/12/2082
कन्या	01/12/2082 - 01/07/2083
सिंह	01/07/2083 - 01/02/2084
कर्क	01/02/2084 - 01/09/2084
मिथुन	01/09/2084 - 01/04/2085
वृष	01/04/2085 - 01/11/2085

मिथुन 5 वर्ष

वृष	01/11/2085 - 01/04/2086
मेष	01/04/2086 - 01/09/2086
मीन	01/09/2086 - 01/02/2087
कुम्भ	01/02/2087 - 01/07/2087
मकर	01/07/2087 - 01/12/2087
धनु	01/12/2087 - 01/05/2088
वृश्चिक	01/05/2088 - 01/10/2088
तुला	01/10/2088 - 01/03/2089
कन्या	01/03/2089 - 01/08/2089
सिंह	01/08/2089 - 01/01/2090
कर्क	01/01/2090 - 01/06/2090
मिथुन	01/06/2090 - 01/11/2090

कर्क 7 वर्ष

मिथुन	01/11/2090 - 01/06/2091
वृष	01/06/2091 - 01/01/2092
मेष	01/01/2092 - 01/08/2092
मीन	01/08/2092 - 01/03/2093
कुम्भ	01/03/2093 - 01/10/2093
मकर	01/10/2093 - 01/05/2094
धनु	01/05/2094 - 01/12/2094
वृश्चिक	01/12/2094 - 01/07/2095
तुला	01/07/2095 - 01/02/2096
कन्या	01/02/2096 - 01/09/2096
सिंह	01/09/2096 - 01/04/2097
कर्क	01/04/2097 - 01/11/2097

सिंह 10 वर्ष

कन्या	01/11/2097 - 01/09/2098
तुला	01/09/2098 - 01/07/2099
वृश्चिक	01/07/2099 - 01/05/2100
धनु	01/05/2100 - 01/03/2101
मकर	01/03/2101 - 01/01/2102
कुम्भ	01/01/2102 - 01/11/2102
मीन	01/11/2102 - 01/09/2103
मेष	01/09/2103 - 01/07/2104
वृष	01/07/2104 - 01/05/2105
मिथुन	01/05/2105 - 01/03/2106
कर्क	01/03/2106 - 01/01/2107
सिंह	01/01/2107 - 01/11/2107

कन्या 10 वर्ष

तुला	01/11/2107 - 01/09/2108
वृश्चिक	01/09/2108 - 01/07/2109
धनु	01/07/2109 - 01/05/2110
मकर	01/05/2110 - 01/03/2111
कुम्भ	01/03/2111 - 01/01/2112
मीन	01/01/2112 - 01/11/2112
मेष	01/11/2112 - 01/09/2113
वृष	01/09/2113 - 01/07/2114
मिथुन	01/07/2114 - 01/05/2115
कर्क	01/05/2115 - 01/03/2116
सिंह	01/03/2116 - 01/01/2117
कन्या	01/01/2117 - 01/11/2117

नैसर्गिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	..	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	..	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

तात्कालिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	शत्रु	..	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	..	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	..	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	शत्रु
राहु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..

पंचधा

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	अतिमित्र	सम	मित्र	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु
चन्द्र	अतिमित्र	..	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु
मंगल	सम	सम	..	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	सम	शत्रु	..	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	..	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	..	सम	सम	सम
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	..	सम	अतिशत्रु
राहु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	मित्र	मित्र	सम	सम	..	अतिशत्रु
केतु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	..

अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	4	5	4	5	3	5	4	4	3	5	3	3	48
चन्द्र	4	4	4	3	7	4	4	3	5	3	4	4	49
मंगल	3	3	2	4	2	2	5	3	4	3	4	4	39
बुध	4	3	3	6	5	4	5	4	4	6	4	6	54
गुरु	7	4	3	5	7	2	7	6	2	6	4	3	56
शुक्र	4	3	2	3	7	6	5	3	4	5	5	5	52
शनि	3	4	3	3	5	2	6	4	2	3	2	2	39
लग्न	5	2	4	4	5	6	3	3	4	4	5	4	49
कुल	34	28	25	33	41	31	39	30	28	35	31	31	386
कुल	29	26	21	29	36	25	36	27	24	31	26	27	337

शोधित अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	1	0	1	2	0	0	1	1	0	0	0	0	6
चन्द्र	0	1	0	0	3	1	0	0	1	0	0	1	7
मंगल	1	1	0	1	0	0	3	0	2	1	2	1	12
बुध	0	0	0	2	1	1	2	0	0	3	1	2	12
गुरु	5	2	0	2	5	0	4	3	0	4	1	0	26
शुक्र	0	0	0	0	3	3	3	0	0	2	3	2	16
शनि	1	2	1	1	3	0	4	2	0	1	0	0	15
लग्न	1	0	1	1	1	4	0	0	0	2	2	1	13

एकादिपत्य शोधन

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	1	0	1	2	0	0	1	1	0	0	0	0	6
चन्द्र	0	1	0	0	3	1	0	0	1	0	0	0	6
मंगल	1	0	0	1	0	0	3	0	2	1	1	0	9
बुध	0	0	0	2	1	1	2	0	0	3	0	2	11
गुरु	5	0	0	2	5	0	4	3	0	4	0	0	23
शुक्र	0	0	0	0	3	3	3	0	0	2	1	2	14
शनि	1	0	1	1	3	0	4	2	0	1	0	0	13
लग्न	1	0	1	1	1	3	0	0	0	2	0	1	10

पिंड

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	93	38	66	99	87	196	133	118
ग्रह पिंड	33	23	12	57	40	115	35	53
शोध्य पिंड	126	61	78	156	127	311	168	171

प्रस्ताराष्टक वर्ग

लग्न

	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	कुल
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
सूर्य	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
गुरु	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
चन्द्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
मंगल	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
शनि	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	3	4	4	5	4	5	2	4	4	5	6	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

सूर्य

	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	कुल
लग्न	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
बुध	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
गुरु	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
चन्द्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
शुक्र	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
मंगल	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
शनि	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
कुल	4	4	3	5	3	3	4	5	4	5	3	5	48

चन्द्र

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
बुध	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	6
चन्द्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	8
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
शनि	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
कुल	5	3	4	4	4	4	4	3	7	4	4	3	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

मंगल

	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	कुल
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	7
बुध	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	5
चन्द्र	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
शुक्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
मंगल	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	3
शनि	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
कुल	3	3	2	4	2	2	5	3	4	3	4	4	39

बुध

	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	कुल
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
सूर्य	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
चन्द्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
शुक्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
मंगल	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
शनि	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
कुल	4	4	6	4	6	4	3	3	6	5	4	5	54

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

गुरु

	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	कुल
लग्न	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	4
बुध	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
चन्द्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
मंगल	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
शनि	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
कुल	6	4	3	7	4	3	5	7	2	7	6	2	56

शुक्र

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	0	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
बुध	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	5
सूर्य	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
चन्द्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
मंगल	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
शनि	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
कुल	4	5	5	5	4	3	2	3	7	6	5	3	52

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

शनि

	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	कुल
लग्न	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
बुध	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	6
मंगल	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
शनि	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
कुल	3	3	5	2	6	4	2	3	2	2	3	4	39

यदि आप अविवाहित हैं तो निम्न सूचना आपके लिये उपयोगी होगी। अपने भावी जीवन साथी से गुण दोष मिलान के लिए उसका नक्षत्र व चरण निम्न तालिका से मिलाइए।

नक्षत्र	चरण	गुण	दोष	मिलान
अश्विनी	1 - 4	26	+5	मध्यम है।
भरणी	1 - 4	19	3,5	अच्छा नहीं है।
कृतिका	1 - 1	19	-1,2,5	मध्यम है।
कृतिका	2 - 4	14.5	1,6,2	अच्छा नहीं है।
रोहिणी	1 - 4	20	6	मध्यम है।
मृगशिरा	1 - 2	11	3,6	अच्छा नहीं है।
मृगशिरा	3 - 4	17	3	मध्यम है।
आरद्रा	1 - 4	27		मध्यम है।
पुनर्वसु	1 - 3	26		मध्यम है।
पुनर्वसु	4 - 4	21.5	6	मध्यम है।
पुष्य	1 - 4	11.5	2,3,6	अच्छा नहीं है।
अश्लेषा	1 - 4	16.5	1,6	अच्छा नहीं है।
मघा	1 - 4	19	-1,5	मध्यम है।
पू फाल्गुनी	1 - 4	17	3,5	अच्छा नहीं है।
उ फाल्गुनी	1 - 1	25	+5	मध्यम है।
उ फाल्गुनी	2 - 4	28.5		उत्तम है।
हस्त	1 - 4	26		मध्यम है।
चित्रा	1 - 2	13	1,3	अच्छा नहीं है।
चित्रा	3 - 4	13	1,3	अच्छा नहीं है।
स्वाती	1 - 4	26		मध्यम है।
विशाखा	1 - 3	21	1	मध्यम है।
विशाखा	4 - 4	17.5	-1,4	अच्छा नहीं है।
अनुराधा	1 - 4	14.5	3,4	अच्छा नहीं है।
ज्येष्ठा	1 - 4	17.5	-1,4	अच्छा नहीं है।
मूल	1 - 4	27	+1	मध्यम है।
पूर्वाषाढ़ा	1 - 4	27	3	मध्यम है।
उत्तराषाढ़ा	1 - 1	34	0	उत्तम है।
उत्तराषाढ़ा	2 - 4	25	0,4	मध्यम है।
श्रवण	1 - 4	24.5	4	मध्यम है।
धनिष्ठा	1 - 2	8.5	1,3,4	अच्छा नहीं है।
धनिष्ठा	3 - 4	15.5	1,3	अच्छा नहीं है।
शतभिषा	1 - 4	23.5	1	मध्यम है।
पू भाद्रपद	1 - 3	29.5		उत्तम है।
पू भाद्रपद	4 - 4	30.5		उत्तम है।
उ भाद्रपद	1 - 4	22.5	3	मध्यम है।
रेवती	1 - 4	29.5		उत्तम है।

दोष प्रकार

0 रन्द्र दोष : 1 गण महा दोष: 2 योनिवर दोष: 3 नाड़ी दोष
4 द्विदाश दोष : 5 नवपंच दोष: 6 भकूट दोष:

चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पुत्र	ज्ञाति	दारा
चन्द्र	सूर्य	शनि	गुरु	मंगल	बुध	शुक्र
21 11	15 00	11 03	10 35	05 50	02 54	01 39

नवमांश

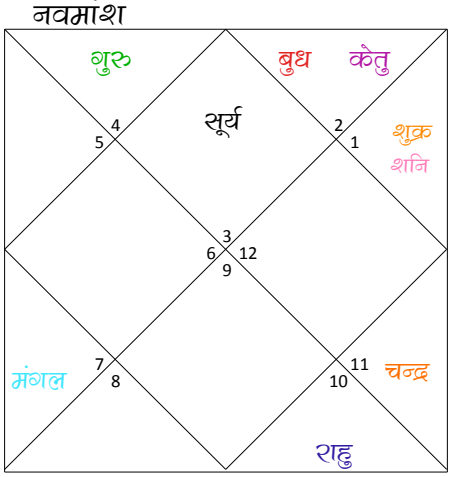

जन्म लग्न

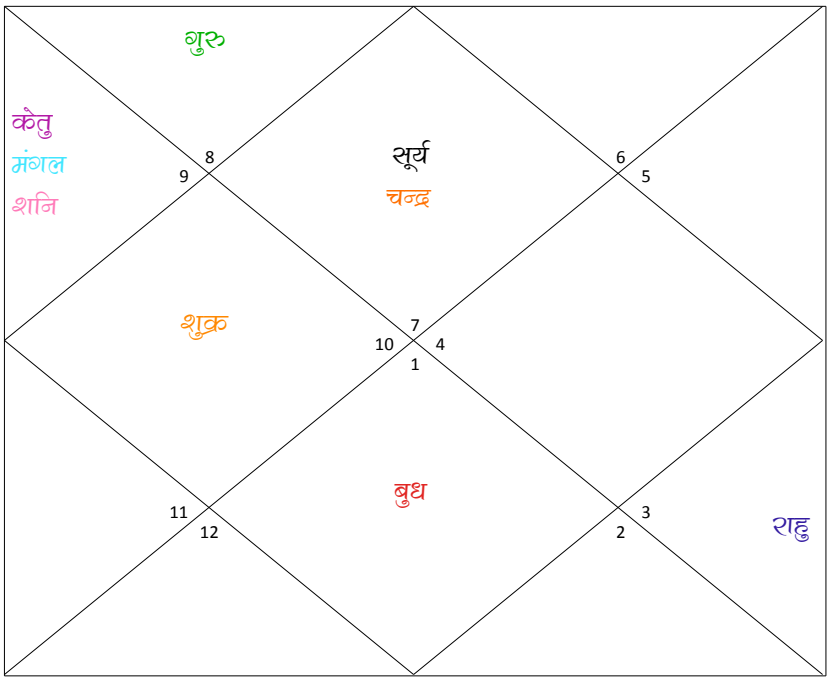

पद कुण्डली

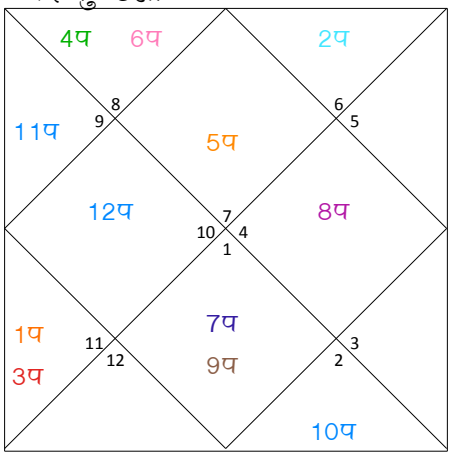

कारकाँश कुण्डली

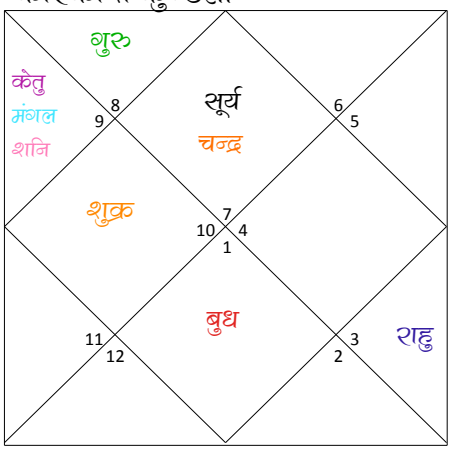

स्वांश कुण्डली

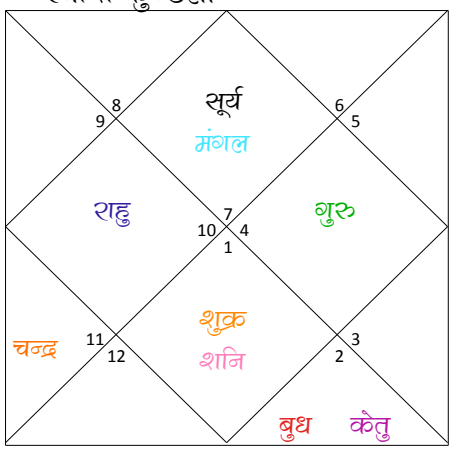

जैमिनी दृष्टि

सूर्य	--
चन्द्र	शुक्र,शनि,राहु,केतु,
मंगल	बुध,
बुध	मंगल,गुरु,
गुरु	बुध,
शुक्र	चन्द्र,शनि,राहु,केतु,
शनि	चन्द्र,शुक्र,राहु,केतु,
राहु	चन्द्र,शुक्र,शनि,केतु,
केतु	चन्द्र,शुक्र,शनि,राहु,

चर दशा

तुला	2 Yr 01/11/1973 - 01/11/1975	कुम्भ	2 Yr 01/11/1990 - 01/11/1992	मिथुन	5 Yr 01/11/2013 - 01/11/2018
वृश्चिक	7 Yr 01/11/1975 - 01/11/1982	मीन	2 Yr 01/11/1992 - 01/11/1994	कर्क	7 Yr 01/11/2018 - 01/11/2025
धनु	1 Yr 01/11/1982 - 01/11/1983	मेष	12 Yr 01/11/1994 - 01/11/2006	सिंह	10 Yr 01/11/2025 - 01/11/2035
मकर	7 Yr 01/11/1983 - 01/11/1990	वृष	7 Yr 01/11/2006 - 01/11/2013	कन्या	10 Yr 01/11/2035 - 01/11/2045

अष्टकवर्ग चक्र

		शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकादिपत्य शोधन
सूर्य				
राशि पिंड	38			
ग्रह पिंड	23			
शोध्य पिंड	61			
चन्द्र				
राशि पिंड	66			
ग्रह पिंड	12			
शोध्य पिंड	78			
मंगल				
राशि पिंड	99			
ग्रह पिंड	57			
शोध्य पिंड	156			
बुध				
राशि पिंड	87			
ग्रह पिंड	40			
शोध्य पिंड	127			
गुरु				
राशि पिंड	196			
ग्रह पिंड	115			
शोध्य पिंड	311			
शुक्र				
राशि पिंड	133			
ग्रह पिंड	35			
शोध्य पिंड	168			
शनि				
राशि पिंड	118			
ग्रह पिंड	53			
शोध्य पिंड	171			
लग्न				
राशि पिंड	93			
ग्रह पिंड	33			
शोध्य पिंड	126			

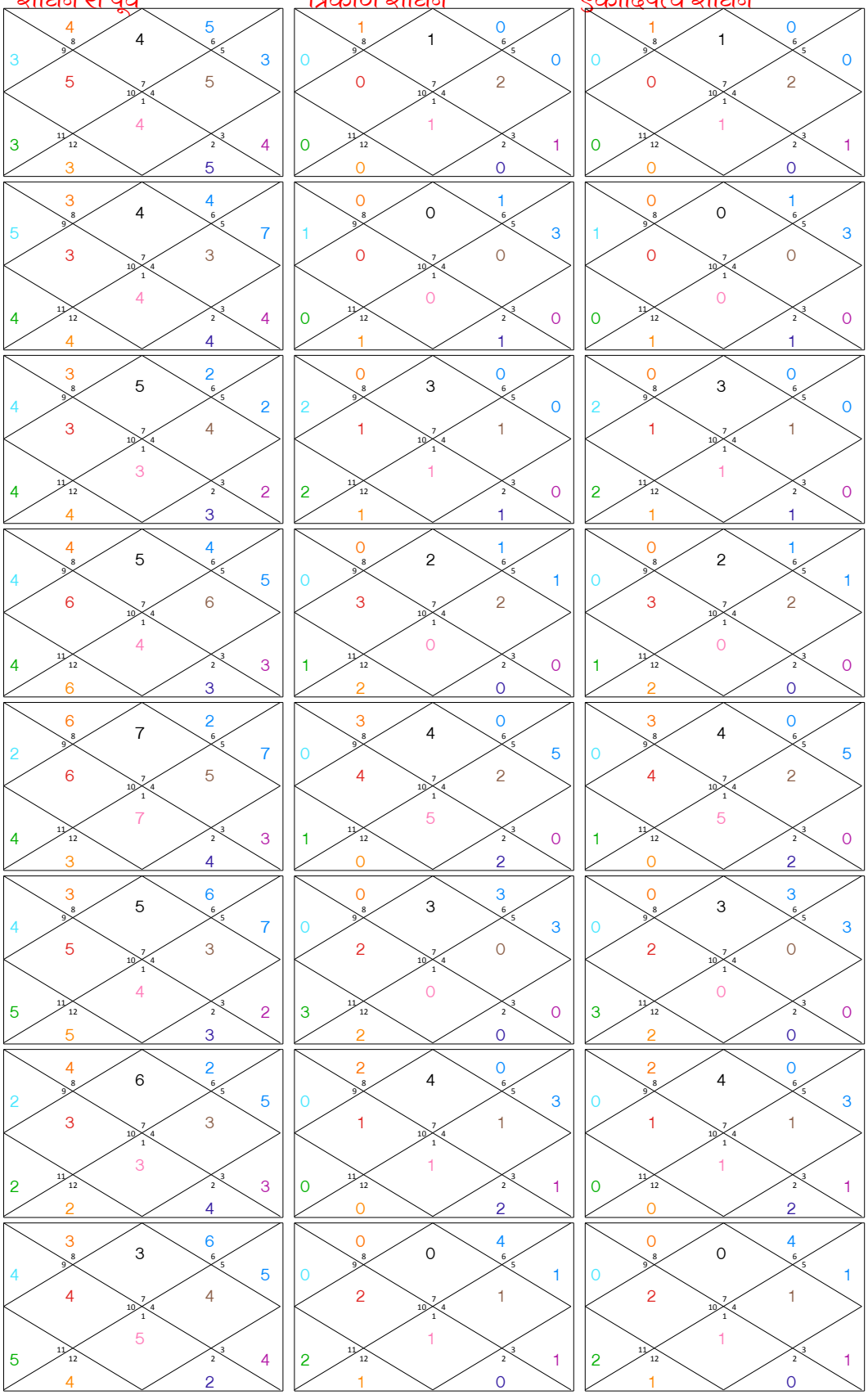

उपग्रह एवं आरुढ़

उपग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण
लग्न	तुला	27 17 37	विशाखा	3
गुलिक	वृश्चिक	24 33 10	ज्येष्ठा	3
काल	धनु	14 38 53	पूर्वाषाढ़ा	1
मृत्यू	मकर	29 15 32	धनिष्ठा	2
यमघंटक	तुला	14 15 14	स्वाती	3
अर्द्धप्रहर	कुम्भ	24 47 09	पू भाद्रपद	2
धूम	कुम्भ	28 20 20	पू भाद्रपद	3
व्यतिपात	वृष	01 39 40	कृतिका	2
परिवेश	वृश्चिक	01 39 40	विशाखा	4
इन्द्रचाप	सिंह	28 20 20	उ फाल्गुनी	1
उपकेतू	कन्या	15 00 20	हस्त	2

उपग्रह

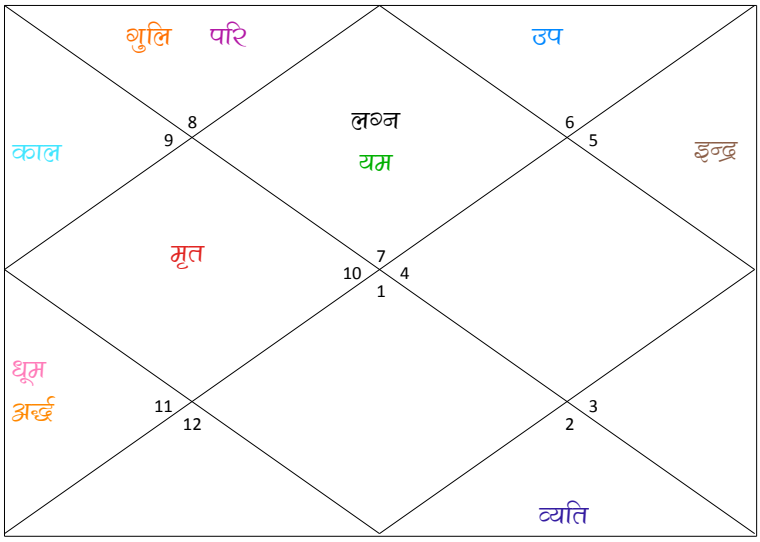

विशेष लग्न

भाव लग्न	वृश्चिक	11:10:25	64वां नवमांश	मकर
होरा लग्न	वृश्चिक	25:15:22	22वां द्रेष्काण	मकर
घटिका लग्न	मिथुन	09:40:39	इन्दु लग्न	मकर
बीज स्फुट	तुला	07:37:06		
प्राणपद	कर्क	22:00:20		

Pandit.com
Astrology | Numerology | Vastu Shastra
Phone: +91-86992-07979 email- care@pandit.com

षडबल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	1.67	16.06	37.38	44.03	1.86	21.55	17.02
सप्तवर्ग बल	65.63	120.00	106.88	82.50	78.75	75.00	60.00
ओजयुग्मक बल	30.00	0.00	15.00	0.00	15.00	0.00	15.00
केन्द्र बल	60.00	15.00	60.00	30.00	60.00	15.00	15.00
द्रेष्काण बल	0.00	15.00	15.00	0.00	0.00	0.00	15.00
1कुल स्थान बल	157.29	166.06	234.26	156.53	155.61	111.55	122.02
2कुल दिग्बल बल	33.90	48.16	23.05	58.13	35.57	41.65	45.41
नतोन्नत बल	34.13	25.87	25.87	60.00	34.13	34.13	25.87
पक्ष बल	37.94	75.88	37.94	22.06	22.06	22.06	37.94
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
अब्द बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अयन बल	23.65	58.94	44.33	54.61	5.54	0.35	0.33
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3कुल काल बल	95.72	175.69	108.15	196.67	256.73	56.54	64.14
4कुल चेष्टा बल	0.00	0.00	55.88	54.22	31.14	36.45	42.88
5कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.70	34.28	42.85	8.57
6कुल द्रग्बल	-17.94	-22.33	-13.75	-12.69	-17.83	-24.16	1.31
कुल षडबल	328.97	419.02	424.72	478.55	495.51	264.89	284.33
षडबल रुपा में	5.48	6.98	7.08	7.98	8.26	4.41	4.74
न्यूनतम आवश्यकता	5.00	6.00	5.00	7.00	6.50	5.50	5.00
अनुपात	1.10	1.16	1.42	1.14	1.27	0.80	0.95
संबंधित पद	5	4	3	2	1	7	6
इष्ट फल	5.35	18.82	45.70	48.86	7.61	28.03	27.01
कष्ट फल	49.98	40.83	9.66	9.61	40.96	30.09	27.13

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावाधिपति	264.89	424.72	495.51	284.33	284.33	495.51	424.72	264.89	478.55	419.02	328.97	478.55
भावदिग्बल	60.00	10.00	10.00	10.00	20.00	40.00	30.00	40.00	20.00	0.00	50.00	50.00
भावदृष्टि बल	-9.11	-21.88	-12.62	22.38	46.36	36.87	79.00	94.68	76.74	72.09	29.78	35.46
कुल भावबल	315.77	412.84	492.89	316.71	350.69	572.38	533.72	399.57	575.29	491.11	408.75	564.01
भाव बल रुपा में	5.26	6.88	8.21	5.28	5.84	9.54	8.90	6.66	9.59	8.19	6.81	9.40
संबंधित पद	12	7	5	11	10	2	4	9	1	6	8	3

तुला आपका लग्न चिन्ह है

आपका जन्म तुला लगन में हुआ है जो राशि चक्र का सातवां चिह्न है और जिस पर शुक्र का राज है। आप आकर्षक व्यक्तित्व की स्वामिनी, दूसरों की सहायक होंगी। धार्मिक स्थानों की यात्रा का आपको शौक है। आप कुशल व्यापारी, ज्योतिष शास्त्र में रुचि रखने वाली, सुरीली और आकर्षक वाणी की स्वामिनी हैं। आप लालची नहीं है। आप कई स्थानों की यात्राएँ करेंगी। सम्भवतः परिवार से दूर निवास करें। शैशव काल में आप कुछ अप्रसन्न रही होंगी लेकिन जीवन के परवर्ती मात्र में प्रसन्न रहेंगी। आप सामान्य जीवन यापन करेंगी। 31-32 वर्ष की आयु के बाद उन्नति करेंगी। आप कई मित्र बनाती हैं। आपका व्यक्तित्व शालीन हैं। आपको शीघ्र कफ हो जाता है। आप बुद्धिमान, हँस आकर्षक व प्रभावशाली आँखों की स्वामिनी, अत्यंत योग्य व कर्तव्य-परायण महिला हैं। आप दूसरे व्यक्तियों के मन के विचार पढ़ लेती हैं। आप दयालु, अपने निर्णयों के कारण प्रसिद्ध, कुशल प्रशासक, शांति प्रिय, कला व संगीत प्रेमी महिला हैं। बड़े उद्यमों में आपको सफलता मिलेगी। भौतिक सुखों, विलासमयता और इत्रों का आपको शौक है। हालांकि आप साधारण परिवार से हैं, आप ऊँचा उठेंगी। सत्ता और सामाजिक मामलों में बहुत सफलता अर्जित होगी। आप परियोजनाओं की प्रमुख होंगी। आपका चेहरा चौड़ा है। आप आकर्षक, रूपवान और प्रभावशाली व्यक्तित्व की स्वामिनी हैं। आप महत्वाकांक्षी, कई कलाओं में निपुण हैं। आप कई देशों की यात्राएँ करेंगी। आप सत्य-प्रिय हैं और सामाजिक कार्यों में रुचि लेती हैं।

चूंकि आप पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में पैदा हुई थी, आप गर्वीली, बुद्धिमान, मददगार, कुशल मित्रों से लगाव रखने वाली, एक सफल पति और दृढ़ विचार रखने वाली महिला होंगी। संतान व मित्रों से प्रसन्नता मिलेगी। 28 वर्ष की आयु से आपका भाग्योदय होगा।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

प्रथम घर में सूर्य इसका सातवां अपेक्षित घर के कारण आपके पति का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप अपने शत्रुओं पर हावी रहेंगी। आपके पास वाहन होंगे। सत्ता की कृपा पाएँगी। आप प्रसन्न और संतुष्ट हैं। आप क्रोधी हैं। आप भाग्यशाली होंगी। आप बहुत शक्तिशाली हैं।
आप विलासिता की शौकीन हैं। आप लगन से कार्य करने वाली महिला हैं। आप धंधा शुरु करेंगी और फिर उसे छोड़कर कोई अन्य काम शुरु कर देंगी जिससे स्थिरता प्राप्त नहीं होगी। आप अचानक उत्साही प्रसन्न और खुश और दूसरे ही क्षण अचानक चिन्तित हो जाती हैं।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के दशमेश होकर तृतीय भाव में स्थित होने के कारण आप अपने जीवन काल में ही प्रचुर सफलता एवं सम्मान प्राप्त करेंगी। आप स्फूर्तिवान् और बुद्धिमति हैं तथा अपनी मेहनत और भाग्य के द्वारा सत्तावान् पद प्राप्त करेंगी। ईश्वर में आपकी गहरी आस्था है तथा अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के कारण जीवन में लाभ प्राप्त करेंगी। अपने भाई-बहनों की आप लाड़ली होंगी।
चाचा विरोध कर सकते हैं। भाईयों से आपको बहुत लगाव होगा। बहन समृद्धिशाली रहेगी। आप अच्छा स्वास्थ्य, प्रसिद्धि एवं सुख भोगेंगी। शरीर से आप मोटी हो सकती हैं। आप अति बुद्धिमती होंगी और गूढ़ वैज्ञानिक विषयों " ज्योतिष आदि " में रुचि रहेगी। बहुत भ्रमण करेंगी और दूर-दूर जाएंगी।
चंद्र धनु में : आप मध्यम कद की महिला होंगी। आप सुन्दर, सुडौल शरीर, सीधे चेहरे, बड़े दाँत, खराब नाखून व बड़ी तोंद वाली महिला होंगी। आप अच्छी महत्वाकांक्षी महिला हैं जो बुद्धिमान एवं परोपकारी स्वभाव की हैं। दिन में आप बलशाली रहती हैं। तृतीया, अष्टमी एवं त्रयोदशी तिथियाँ आपके लिए शुभ है तथा सोमवार अशुभ। मेष, कर्क, सिंह एवं वृश्चिक राशि वाले व्यक्ति आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होंगे। आप अच्छी वक्ता हैं। निष्कपट एवं ईमानदार हैं। आप कवि स्वभाव की महिला हैं। आपके कई व्यवसाय एवं उपक्रम होंगे।

मंगल ग्रह का प्रभाव

सातवें गृह में मंगल के कारण आपका पेट दुर्बल है। आपके पति से अलगाव की सम्भावना है। कानूनी मुकदमों में हार और लगातार झगड़े होंगे। आपके कई भाई होंगे। पुरुष वर्ग के साथ कलह, झगड़े, धन

हानि कुटिल सहयोगी, आपके पति की अस्वस्थता और सुदूर स्थानों की यात्रा मंगल के कारण होती है। आप साहसी, दानशील, सत्य-प्रिय, बहुत धनी और समाज में खासकर राजनैतिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित महिला हैं।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के नवमेश और द्वादशेश होकर द्वितीय भाव में होने के फलस्वरूप आप प्रसिद्ध और सर्व सम्मानित होंगी। आप दानसंवेगशील हैं और सदा सत्य बोलने का प्रयास करती हैं। यद्यपि धन कमाने में आपको बाधाएँ झेलनी पड़ेंगी फिर भी आप धनी होंगी। कभी - कभी आप अपने आपको परिवार से दूरस्थ महसूस करेंगी। आप एक उच्चकोटि की विद्वान हैं, अच्छी वक्ता हैं, धनी हैं। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण है। अपने बुद्धि-चातुर्य से धन कमाती हैं तथा आप सुखी धनी एवं प्रसिद्ध हैं। आप एक अच्छी अभिनेत्री हैं, राजसी भोजन आपको प्रिय हैं तथा आप बहुत बुद्धिमति एवं सुशिक्षित महिला हैं।
आपके सहयोगी बुरे हैं, आप दुष्कर्मो की शिकार है। कभी-कभी बुद्धि चातुर्य तथा शरीर में कमजोरी महसूस करेंगी।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के तृतीयेश एवं षष्ठेश हो कर चतुर्थ भाव में होने के कारण आप बुद्धिमति हैं, माता-पिता की भक्त हैं और उनकी लगन से सेवा करती हैं। आप अपने अन्य सम्बन्धियों की भी सेवा करेंगी और उनकी कृपा के प्रभाव से प्रसिद्ध होंगी। दुर्घटनाओं से आपको विशेष सावधान रहना चाहिए। कभी-कभी उनके कारण शारीरिक कष्ट उठाना पड़ सकता है। आप अभिघनी हैं। चाचाओं की आप पर कृपा रहेगी। धन का क्षय करेंगी। कभी-कभी जमीन-जायदाद, सुख सुविधाओं और माता के स्नेह की कमी आपको खलती रहेगी। सरकार से आपको बहुत धन मिलेगा पुत्र योग्य होंगे, वाहन एवं गृह-सुख पूर्ण भोगेंगी एवं अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगी। आप खुशहाल और सानन्द रहेंगी। गुरु के कारण आपको माता भाग्यशाली मिली है। आप ज्ञान अर्जन करेंगी। प्रभावशाली रहेंगी, कई मित्र होंगे, अत्यंत सम्पत्ति से लाभ पाएंगी और अत्यंत खुशहाल रहेंगी। धार्मिक अनुष्ठानो में भाग लेंगी और कृश से लाभ मिलेगा। आप उद्यमी, धैर्यवान् और धनी हैं जो अपने विरोधियों को पराभव कर देंगी।
आपका मन चंचल रहेगा। आप यात्रा अधिक करती हैं। कभी कभी आपकी मेहनत बेकार जाएगी। आप बहुत चतुर हैं।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के लग्नेश और अष्टमेश होकर तृतीय भाव में होने के कारण आपका भाई-बहन और मित्रों से विरोध रहेगा। मन चंचल है और आपके शरीर के किसी अंग में कोई खराबी हो सकती हैं। संतान से दुख मिलेगा। आप कर्मठ, धनी, बुद्धिमति, प्रसिद्ध एवं सुखी महिला हैं। दोस्त और भाई प्रसिद्ध होंगे। आप धार्मिक और परोपकारी प्रवृत्ति की साहसी महिला हैं। आप सर्वदा स्वतन्त्र व्यापार करने का प्रयास करेंगी। कर्तव्य-परायण आपकी अच्छी साख होगी। अपने प्रयत्न और अध्यवसाय से भाग्योन्नति प्राप्त करेंगी। विदेश भ्रमण करेंगी और वहाँ किस्मत चमकेगी। आपका विजातीय विवाह हो सकता है। परवर्ती जीवन में कर्ण रोग से परेशान हो सकती हैं।
शुक्र के तृतीय भाव में होने के कारण आपका बहुत संकोची स्वभाव है। कविता और साहित्य में आपकी दिलचस्पी है। अपनी मेहनत और बुद्धि चातुर्य से सर्व सुख भोगेंगी। दूध की आप शौकीन होंगी। पति से सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे। आपका हँस स्वभाव है। आपके कई भाई-बहन होंगे। तृतीय का शुक्र आपदाएं, परेशानियाँ और गरीबी भी देता है। संतान होगी लेकिन सुख नहीं देगी। आप साहसी हैं किन्तु अधिक धनी नहीं होंगी। मित्र अच्छे होंगे। विलासी जीवन आपको प्रिय हैं।
आप किसी संस्थान की अध्यक्षा होंगी।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के चतुर्थेश एवं पंचमेश होकर नवम् भाव में होने के कारण आप काफी प्रगति करेंगी और 36 वर्ष बाद भाग्य चमकेगा। आप बहुत शीघ्र छोटी उमर से ही काम शुरु कर देंगी। आप विपुल पारिवारिक पैतृक धन भोगती हैं। धन-संपदा, भूमि और भवनादि की मालिक होंगी। शास्त्र तथा अन्य दार्शनिक विषयों का आपको विशद् और गहरा ज्ञान होगा। आप एक गहरी चिंतक हैं। आप शांतचित्त हैं। आपकी वाणी मधुर है। विधि तथा अन्य गूढ़ विषयों का आपको गहरा ज्ञान है। आप एक कुशल न्याय-कर्ता हैं। प्रवृत्ति परोपकारी हैं तथा मंदिर और अन्य धार्मिक संस्थानों में गहरी रुचि रखती हैं। विदेश भ्रमण करती हैं। आपकी आँखें बड़ी आकर्षक एवं प्रभावशाली हैं। मित्रों और अन्य लोगों पर आपका वर्चस्व रहेगा। आपके सहयोगी सम्मानित महिला होंगी। माता-पिता का सुख प्राप्त करती हैं यद्यपि कभी-कभी उनसे मतभेद रहता है। अपनी मेहनत से सम्पत्ति वृद्धि प्राप्त करेंगी। भाई-बहन, मित्र और संतानों का सुख प्राप्त करती हैं पर थोड़े बहुत अभावों के साथ। अपने प्रकाशनों से आपको महती ख्याति मिलती है। आप परिवार और समाज के लिए कुलदीपक सिद्ध होंगी। संतान भाग्यशाली होगी। शास्त्रों का आपको विशद ज्ञान है और अपनी विद्वता के कारण बड़े प्रयोजनों की अध्यक्षा होंगी। आप अति बुद्धिमति, कुशल वक्ता, अच्छी तार्किक, ईमानदार न्याय-कर्ता हैं

और समाज तथा सरकार से विपुल सम्पत्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी।
नवम् भाव में शनि यह बताता है कि आपके पिता रुग्ण रहेंगे। आप अधिक मिलनसार नहीं है। आप बड़े सोच विचार वाली महिला हैं। स्वभाव से क्रोधी हैं। मंदिरों और दातव्य संस्थानों के जीर्णोद्धार के लिए धन खर्च करती हैं। अध्यात्म, संगीत एवं ज्योतिष आपको प्रिय होंगे। समुम यात्रा में खतरें की आशंका रहेगी। नवम शनि पिता की बीमारी, कलंकित करने वाली अफवाहें, किसी निकट सम्बन्धी की रुग्णता या मौत का कारण हो सकता है। आप अति गर्वीली महिला हैं। संतान के लिए चिन्तित रहेंगी और नौकरों के कारण भी परेशान रह सकती हैं। आप बहुत चतुर हैं। विधि और दर्शन का आपको काफी ज्ञान है। विद्या से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी। कानूनी अदालत, कालेज और धार्मिक स्थलों से आपके सम्बन्ध रहेंगे। आप मितव्ययी हैं और आत्म सम्मान को काफी महत्व देती हैं। विदेश यात्रा भी कर सकती हैं। आप गहरी विचारक हैं लेकिन कभी-कभी मन चंचल रहता है। शरीर पर काफी बाल होंगे। यद्यपि आप साहसी हैं लेकिन कभी-कभी कुछ चीजों से भयभीत रहती हैं। आप चालबाजी से अपने प्रतिद्वंद्वियों का पराभव कर देती हैं।
शनि मिथुन में: आप बेहद चतुर हैं। आप कभी-कभी बुरी संगति में फंसेंगी। कला व साहित्य से आपको प्रेम है। आप विदुषी हैं और पवित्र ग्रन्थों का आपको विशद् ज्ञान है। कभी-कभी आर्थिक समस्याएँ झेल सकती हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

तीसरे गृह में राहु इस बात का संकेतक है कि आप अत्यंत कार्यशील और साहसी हैं। भाईयों व पड़ोसियों से कलह होंगी। आप विजयी और चिड़चिड़ी है। सबके सामने आप एक साधारण महिला के रूप में दिखाई देंगी लेकिन वास्तव में बहुत अमीर है। आप मेहनती हैं। हो सकता है भोजन करने में आप अनियमितता बरतें। भाई- बहन अस्वस्थ हो सकते हैं। आप उच्च पद और सम्मान अर्जित करेंगी। अपने साहसी कार्यों से आप उन्नति करेंगी और अपार धन कमाऐंगी। आप कई भौतिक सुखों का आनंद लेंगी। आप एक योगी और एक भोगी हैं। भाईयों के साथ व्यवसाय में उन्नति प्राप्त करने में कुछ बाधाएँ अनुभव करती हैं। शिक्षा अर्जित करने में कुछ बाधाएँ अनुभव करती हैं। आप कानों के रोग से पीड़ित हो सकती हैं। आप अपने प्रतिद्वंद्वियों को अपनी गुप्त और जटिल नीतियों द्वारा परास्त कर देती हैं। आप सुदूर स्थानों की यात्रा करेंगी और लाभ अर्जित करेंगी। आप कुछ कुछ चिन्ताओं से मुक्त हैं। आपके अधीन कई महिला हैं। आप सम्पत्ति व अन्य आवश्यक वस्तुओं के मामलें में प्रसन्न हैं।

केतु ग्रह का प्रभाव

नवें गृह में केतु दर्शाता है कि आप पर आपके पति का शासन होगा। आप कस्बे या गांव का प्रबंध संभालेंगी या किसी परियोजना की प्रमुख होंगी। आप कई स्थानों का भ्रमण करेंगी। भाईयों व मित्रों के सुख में कुछ आभाव अनुभव करती हैं। सत्ता, समाज व विदेशों में आपका उच्च आदर व यश है। आप धार्मिक व दयालु हैं। कुसंगति के कारण अपयश या आदर व सम्मान में हानि की सम्भावना है। मानसिक कार्य में आप बहुत तेज है। आप दक्ष वक्ता व पराक्रमी हैं और आत्म सम्मान को अधिक महत्व देती हैं। आप मजबूत और कुछ अजीब प्रकृति की हैं। अप्रत्याशित लाभ होगा।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व

आपके जन्म के समय प्रथम भाव में तुला राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र लग्नेश होकर तीसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपकी शारीरिक आकृति सामान्य सुन्दर तथा आकर्षक होगी। शारीरिक गठन में आपका साधारण लंबा कद, कुछ लंबी मुखाकृति एवं कम मोटा शरीर होने की सम्भावना है। आप सामान्य रूप से उदार, स्वच्छ हृदय तथा एक मिलनसार व्यक्ति हैं। आप समय-समय पर यथासंभव दूसरों की सहायता करेंगे और सत्य-न्याय पूर्वक अपने कार्यों को करने का प्रयत्न करेंगे। आप अस्थिर मनः स्थिति के हो सकते हैं, जिससे आप जल्दी ही अपने विचार बदल लेंगे। आप पर दूसरों की संगति का प्रभाव शीघ्र पड़ सकता है लेकिन उसका असर अधिक समय तक नहीं रहेगा। आपको शीघ्र क्रोध आ सकता है लेकिन शीघ्र ही शांत भी हो जाएगा। आपका व्यक्तित्व विशेष आकर्षक नहीं रहेगा जिससे दूसरे लोग भी आपसे कम आकर्षित रहेंगे। आपकी कला, संस्कृति आदि के क्षेत्र में रुचि रहेगी तथा जीवन में आप एक सामान्य प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप एक स्वच्छता प्रिय व्यक्ति होंगे तथा अपने घर की साफ - सफाई एवं साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देंगे। आप खर्चीले प्रवृत्ति के हैं और समय-समय धार्मिक कार्यों में भी दानादि देते रहेंगे। आपकी मित्रता अधिकतया प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ रहेगी। युवावस्था के अंत से आपका जीवन अधिक सुख शांतिमय व्यतीत होगा।

धन, परिवार

आपके जन्म के समय द्वितीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल द्वितीयेश होकर सांतवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। जीवन में आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जीवन की मध्यावस्थासे आपकी आर्थिक स्थिति अधिक सुदृढ होने की सम्भावना है। जीवन में आपको संचित धन से सामान्य लाभ रहेगा। आप अपने द्वारा जमा धन को अधिक दिनों तक नहीं रख सकेंगे तथा शीघ्र निकलने जैसी स्थिति हो सकती है। आपकी पारिवारिक स्थिति सामान्य ही रहेगी तथा पारिवारिक धन सम्पत्ति का सामान्य लाभ होगा। पारिवारिक जनों का कोई विशेष सहयोगात्मक व्यवहार होने की सम्भावना कम ही रहेगी। आपके परिश्रम के बल पर ही पारिवारिक तथा आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी। आप सामान्यतया दूसरों के साथ अनावश्यक वार्तालाप नहीं करेंगे। आप स्वतन्त्रता पसंद करते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, परंतु दायीं आँख, गला, मुख, जिह्वा, वाणी आदि में रोग या विकृति की सामान्य सम्भावना हो सकती है।

पराक्रम, सहोदर

आपके जन्म के समय तीसरे भाव में धनु राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति तृतीयेश होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्य रूप से ही पराक्रमी, साहसी, तथा उद्यमी होंगे। सामान्य पराक्रमी तथा साहसी होने से आप जीवन में धीरे-धीरे अच्छी स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं तथा आपको निरन्तर एक ही लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना ध्यान केन्मित करना चाहिए। अपने लक्ष्य को बीच में ही छोड़ने से आप भटक सकते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए आपको अपने जीवन में अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा। आपमें आत्म विश्वास की कमी हो सकती है, जिससे आप शीघ्र ही कठिन परिस्थितियों से घबरा सकते हैं। और आप में किंकर्तव्यविमूढ जैसी स्थिति हो सकती है लेकिन ऐसे समय में आपको अपने धैर्य तथा साहस को नहीं त्यागना चाहिए। आप अपने छोटे भाई-बहनो की ओर से कोई विशेष आदर, सम्मान, सुख, सहयोग आदि प्राप्त नहीं कर पाएँगे और परस्पर कुछ वैचारिक भिन्नता भी हो सकती है। जीवन में आप भी उनके लिए कोई विशेष सहयोग आदि प्रदान करने का प्रयास कम ही करेंगे। आप हृदय की दृष्टि से कुछ कमजोर हो सकते हैं, फलस्वरूप आपके जल्दी घबरा जाने की सम्भावना है, लेकिन आप यह बात दूसरों को प्रकट नहीं होने देंगे, जो कि आपके लिए हितकर भी रहेगा। आपका कंठ स्वर सामान्य रूप से अच्छा होगा। संगीत कला आदि में आपकी सामान्य रुचि रहेगी। हृदय, गला, दाएँ कान आदि में परेशानी आदि होने की सामान्य सम्भावना है। अतः इस सम्बन्ध में सावधानी अवश्य रखें।

जायदाद, माता, शिक्षा

आपके जन्म के समय चौथे भाव में मकर राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि चतुर्थेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। जीवन में आप आधुनिक एवं सांसारिक सुख - संसाधनों से युक्त रहेंगे। आपके वैभव ऐश्वर्य में धीरे-धीरे अच्छी वृद्धि होगी। जीवन में अच्छा सुख उपभोग प्राप्त होगा अपने भौतिक ऐश्वर्य को बढ़ाने के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। आपकी माता जी आकर्षक, परिश्रमी बुद्धिमान महिला होगी। अपनी पारिवारिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सभी पारिवारिक सदस्यों का उनके प्रति आदर, सम्मान रहेगा। आपके प्रति भी उनका व्यवहार स्नेह से युक्त एवं भावनात्मक रहेगा। आपके मन में माता के प्रति पूर्ण आदर तथा सहयोगात्मक व्यवहार रहेगा। जीवन में आपको चल तथा अचल सम्पत्ति से लाभ रहेगा तथा स्व परिश्रम से आप अच्छे ऐश्वर्य धन, सम्पत्ति को प्राप्त कर सकते हैं। जीवन में आपको अच्छे आवास की प्राप्ति होगी तथा आपका घर भौतिक सुख सुविधाओं से सुसज्जित होगा। आप वाहन आदि का सुख प्राप्त करेंगे। पढ़ाई के क्षेत्र में आपकी सामान्यतया छोटी अवस्था से ही रुचि रहेगी। एवं परीक्षाएँ परिश्रम पूर्वक अच्छे अंको से

उत्तीर्ण करेंगे। आपको व्यवसायिक पाठ्यक्रम में डिप्लोमा प्राप्त करना चाहिए, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभकारी रहेगा। जीवन में आपको विविध प्रकार के मित्रों से मित्रता होगी। आपके मित्र परिश्रमी होंगे। जिससे आप मित्रों से प्रभावित रहेंगे। समय-समय पर मित्रजनों से सहयोग आदि लाभ होने की सम्भावना रहेगी।

बुद्धि, सन्तान

आपके जन्म के समय पंचम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि पंचमेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में पंचमेश शनि की स्थिति से धीर-गम्भीर प्रकृति तथा तीव्र बुद्धि होने की सम्भावना है। आपकी मंत्रणा शक्ति एवं धारणा शक्ति (स्मरणशक्ति) भी अच्छी होगी। आप अपने बुद्धि कौशल के द्वारा गुप्त रहस्यों को जानने तथा गुप्त प्रकार की योजनाओं को बनाने में सफल हो सकते हैं। आप अधिकतया सोच विचार कर ही निर्णय लेते हैं। वैदिक साहित्य, धर्मदर्शन आदि विषयों में तथा आधुनिक भाषाओं तथा आधुनिक विज्ञान के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी। जीवन में आप अपने मन पसंद विषय या क्षेत्र में शोध आदि कार्य भी कर सकते हैं। संतान पक्ष से आपको जीवन में संतोष, सुख तथा सहयोग आदि प्राप्त होगा। आपकी संतति सुन्दर, बुद्धिमान तथा अच्छी आकृति-प्रकृति की रहेगी। जीवन में वे अच्छी शिक्षा-दिक्षा प्राप्त कर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे तथा माता-पिता के प्रति भी उनका व्यवहार आदर-सम्मान युक्त रहेगा। जीवन में आप प्रेम सम्बन्धों के प्रति रुचि रखेंगे परंतु इन सम्बन्धों के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप इन सम्बन्धों को मनोरंजन के लिए ही स्थापित करें,। आपको प्रेम-प्रसंगों में नैतिकता तथा मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए और अधिक वाद-विवाद से बचना चाहिए, जो कि आपके लिए हितकर रहेगा। जीवन में आप अपने पूर्वजन्म तथा इस जन्म के पुण्य कर्मों के द्वारा भौतिक तथा आध्यात्मिक सुख भोग प्राप्त करेंगे। जीवन काल में आपको धीरे-धीरे अच्छे ऐश्वर्य सुख आदि की प्राप्ति होगी।

रोग, शत्रु,

आपके जन्म के समय छठे भाव में मीन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति षष्ठेश होकर चौथे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप अपने स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिन्तित रहेंगे। उत्तम स्वास्थ्य के लिए संयमित जीवन तथा नित्य-प्रति व्यायाम आदि करना लाभप्रद रहेगा। किसी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर शीघ्र ही उपचार आदि करवाने से जीवन में बड़ी बीमारी आदि होने की सम्भावना कम ही रहेगी। आप आँतों का रोग, आंत्रज्वर, हर्निया, कफ रोग कर्णरोग,

चक्कर आना, वायु कफ, आदि बीमारियों के प्रति विशेष सावधानी रखें। आपके मन में शत्रुओं के प्रति शत्रुता की भावना नहीं रहेगी, लेकिन आपके शत्रु आपकी सुख शांति में बाधा उत्पन्न करने के लिए प्रयासरत रहेंगे, जिससे यदा-कदा कुछ परेशानी तथा तनाव हो सकता है। शत्रु पक्ष का डटकर मुकाबला करने से अंत में आपकी ही विजय रहेगी। आपके जीवन में मामा तथा मामिओं की ओर से विशेष स्नेह तथा सहयोग कम ही प्राप्त होगा। सेवक वर्ग भी विशेष आज्ञाकारी होने की सामान्य सम्भावना कम है। सेवक वर्ग को जाँच परख करके ही नियुक्त करना चाहिए। जीवन में आप स्वास्थ्य तथा आर्थिक स्थिति के सम्बन्ध में चिन्तित हो सकते हैं।

विवाह, दम्पति, साझेदारी

आपके जन्म के समय सातवें भाव में मेष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल सप्तमेश होकर सांतवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपके जीवन-साथी का व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा। शारीरिक गठन में सुन्दर आकृति, पुष्ट शरीर एवं कद मध्यम का होने की सम्भावना है। स्वभाव में कुछ तेजस्विता हो सकती है। आपका जीवन-साथी गौरवर्ण तथा सौंदर्य से युक्त होगा। पर्यटन इत्यादि में उनकी रुचि रहेगी। उनमें प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से करने की क्षमता रहेगी तथा स्वतन्त्रता पूर्वक कार्य करने में उनकी अधिक रुचि होगी। आपके जीवन-साथी आपके लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे। विवाह के पश्चात् आपके पराक्रम में वृद्धि होगी, जिससे आप जीवन में अधिक उन्नति प्राप्त करेंगे। आपका विवाह किसी पुरुष सम्बन्धी के माध्यम से किसी उच्च तथा प्रभावशाली परिवार में सम्पन्न होगा। उनकी आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति भी सुदृढ रहेगी। जीवन-साथी का आपके माता-पिता तथा पारिवारिक जनों के प्रति मधुर एवं सम्मानजनक व्यवहार रहेगा। आपका दामपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा तथा सुख - दुख में एक दूसरे का ध्यान रखेंगे। व्यापार में साझेदारी के लिए उत्तम स्थिति रहेगी तथा साझेदारी से अच्छा लाभ रहेगा।

आयु, दुर्घटना

आपके जन्म के समय आठवें भाव में वृष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र आठवें स्थान का स्वामी होकर तीसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप अपनी आयु एवं आरोग्यता के सम्बन्ध में सामान्य रूप से चिन्तित रहेंगे। संयमित जीवन जीने से आपकी आयु और आरोग्यता बनी रहेगी। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से जागरुक होना चाहिए तथा किसी प्रकार का रोग होने पर उसका शीघ्र उपचार भी करवाना चाहिए। आपके जीवन में आकस्मिक दुर्घटना

आदि होने की सामान्य सम्भावना हो सकती है। आपको घर में चोरी डकैती इत्यादि घटनाओं के प्रति विशेष सावधानी रखनी चाहिए। आपको कठिन मार्गों में पैदल चलने तथा जल इत्यादि से कुछ भय रहेगा, सावधानी रखें। आप अपने धन तथा वस्तुओं की सुरक्षा के प्रति कुछ लापरवाही कर सकते हैं। आपको अपने सुरक्षित भविष्य के लिए बीमा इत्यादि करवाना लाभ दायक रहेगा। आपके जीवन में आकस्मिक लाभ के अवसर हैं जो कि किसी प्रियजन इत्यादि के माध्यम से प्राप्त हो सकते हैं।

सौभाग्य, आध्यात्मिकता, प्रसिद्धि, यात्राएँ

आपके जन्म के समय नवम् भाव में मिथुन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध नवमेश होकर दूसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्य रूप से सौभाग्यशाली है तथा परिश्रम पूर्वक अपने जीवन स्तर को उँचा उठाने में सफल होंगे। जीवन में आपको परिश्रम का उचित फल सामान्य रूप से ही प्राप्त होगा। जीवन में आपके सौभाग्य में धीरे-धीरे वृद्धि होने के योग बनते है। व्यवसाय तथा आर्थिक मामलों में आपका भाग्य सामान्य रूप से साथ देगा जिससे आपके वैभव में वृद्धि होने की सम्भावना रहेगी। जीवन की 32 से 36 वर्ष तक की अवधि आपके लिए भाग्योदय कारक हो सकती है। इस समय में आपको अपने महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। जीवन में आप अपने धर्म-सम्प्रदाय के प्रति निष्ठावान रहेंगे तथा धार्मिक कृत्यों के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी। जीवन में पूजा, जप, पाठ, ध्यान आदि को करने में आपकी रुचि रहेगी तथा आप समय-समय पर अपने घर में धार्मिक कृत्यों का आयोजन आदि भी करवाऐंगे, जिससे आपको यश, धन तथा भगवत कृपा की प्राप्ति होगी। जीवन में आप प्रसिद्धि और मान-सम्मान सामान्य रूप से प्राप्त करेंगे। व्यवसाय, शिक्षा आदि के क्षेत्र में भी आपको प्रसिद्धि प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी। लंबी दूरी की यात्राओं से आपको जीवन में सामान्यतया लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यवसाय के सम्बन्ध में आपकी यात्राएँ लाभप्रद रहेगी।

व्यवसाय, सामाजिक स्तर, आजीविका

आपके जन्म के समय दशम् भाव में कर्क राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी चंद्र है। चंद्र दशमेश होकर तीसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आपकी जन्म कुण्डली में चंद्र ग्रह की स्थिति से आपका कार्य क्षेत्र मानसिक श्रम से रहेगा तथा उसमें कुछ शारीरिक श्रमता भी विद्यमान रहेगी। जलसंस्थान, जल विभाग, पैट्रोलियम विभाग, जल, वायु सेनादि विभाग, विदेशी या स्वदेशी कम्पनी, उद्योगादि, भूतल परिवाहन विभाग, कृषि विभाग, आयुर्वेदिक संस्थानादि, पर्यटन (टूरिस्ट) आदि कार्य क्षेत्रों में जीविका के लिए परिश्रम पूर्वक प्रयासरत रहने से वांछित सफलता प्राप्त हो सकेगी। व्यापारिक

दृष्टि से सफेद रंग की सुगंधित वस्तुओं का व्यापार, सिनेमा, एजेंसी, होटल, ट्रैवल्स, दूध तथा दूध से निर्मित वस्तुओं का व्यापार तथा वस्त्र आदि का व्यापार उसमें भी सफेद रंग के वस्त्र आदि का व्यवसाय आपके लिए लाभकारी हो सकता है। यदि आपकी व्यापार में रुचि हो तो आप उपरोक्त क्षेत्रों एवं वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं, जिससे आपको लाभ होगा। जीवन में आपका सामाजिक क्षेत्र सामान्यतया अच्छा रहेगा, जिससे सामान्य रूप से समाज पर भी आपका प्रभाव रहेगा तथा सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यों से सामान्य रूप से जुड़े रहेंगे। जीवन में सामाजिक संस्थाओं आदि से सामान्य रूप से पद प्रतिष्ठा आदि का भी लाभ होने की सम्भावना रहेगी। आपके पिताजी बुद्धिमान, परिश्रमी एवं भावुक स्वभाव के व्यक्ति हैं तथा उनका सामाजिक स्तर भी सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। उनका अपने पारिवारिक सदस्यों पर कुछ प्रभाव रहेगा एवं आपके प्रति तथा स्नेह सहयोगात्मक व्यवहार रहेगा। जीवन में वे आप की उन्नति के प्रति भी सामान्यतया प्रयासरत रहेंगे।

लाभ, आकांक्षएँ, आय

आपके जन्म के समय ग्यारहवें भाव में सिंह राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी सूर्य है। सूर्य ग्यारहवें स्थान का स्वामी होकर पहले स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपको जीवन काल में धन आय के सम्बन्ध में अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा और धीरे-धीरे आप आय में वृद्धि करेंगे। आप जितना परिश्रम करेंगे, हो सकता है कि आपको उस अनुपात में फल प्राप्ति होने में कमी हो। अपने आय स्रोत के सम्बन्ध में आपको जागरुक रहना चाहिए जिससे निरन्तर आय होने में बाधा न हो। सरकार तथा सरकारी वर्ग से आपको सामान्य लाभ होने की सम्भावना रहेगी। आपकी आकांक्षाएँ मान-सम्मान यश तथा धन आदि के सम्बन्ध में हो सकती हैं, एवं आपकी इनके लिए जीवन में संघर्षरत रहेंगे, लेकिन आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब और बाधाएँ आने की सम्भावना है। आपकी महत्वाकांक्षाएँ सामान्य रूप से ही फलीभूत होगी। आपके बड़े भाई बहनों की आकृति-प्रकृति एवं व्यक्तित्व सामान्य रूप से ही प्रभावशाली रहेगा और जीवन में उनकी ओर से विशेष स्नेह तथा लाभ आदि होने की सामान्य सम्भावना है।

व्यय, आवास परिवर्तन

आपके जन्म के समय बारहवें भाव में कन्या राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध बारहवें स्थान का स्वामी होकर दूसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। जीवन में आपको अनावश्यक व्यय से बचना चाहिए। आप पारिवारिक एवं सांसारिक वस्तुओं पर धन खर्च करेंगे की

सम्भावना बनती है। आप जीवन में धन संग्रह तो करेंगे लेकिन सामान्यतया यदा-कदा शीघ्रता में ही संचित धन राशि की खर्च हो सकती है। आप धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में सामान्य रुचि रखते हैं तथा इनमें सामान्य रूप से अपना सहयोग प्रदान करते रहते हैं। आपको अपने कार्यों में कुछ विस्मृति (भूल) होने की सम्भावना हो सकती है, जिससे धन व्यय होने के आसार हैं। जीवन में क्रय तथा विक्रय करते समय सभी तरह से सावधानी बर्तें, जिससे किसी विशेष हानि आदि होने से बचा जा सके। जीवन में किसी से ऋण लेने से बचें, ऋण लेना आपके लिए हितकर होने की सम्भावना है। जीवन में आवास परिवर्तन होने के अवसर आएँगे, जिससे सामान्य तरह की परेशानियाँ हो सकती हैं अतः आवास परिवर्तन करने में भी सावधानी अवश्य रखें आपके मन में मोक्ष (मुक्ति) के विषय में जिज्ञासा हो सकती है तथा इस विषय से सम्बन्धित उपदेश ग्रन्थ आदि में अभिरुचि रहेगी।

22/07/2015 - 09/08/2016 में आप
राहु की महादशा और केतु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस दौरान आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त होंगे। कभी-कभी आप भ्रमित रहेंगी और गलतियाँ करेंगी। आपके लिए सही गलत में अंतर करना मुश्किल होगा। यदि आप एक स्वतन्त्र उद्यमी हैं तो आप गलत फैसलों के कारण नुकसान उठाएंगी। अपने साझीदारों / सहयोगियों के प्रति आपका दुश्मनी का भाव रहेगा और सम्बन्ध समाप्त होने की स्थिति आ जाएगी। यदि आप कहीं काम कर रही हैं तो सेवा शर्तें दिनोंदिन खराब होंगी। नौकरी जाने का भी खतरा रहेगा। जहाँ तक नौकरी का मामला है आपको सावधान रहने की जरूरत है। यदि आप छात्र हैं तो अनुकूल परिणाम लेने के लिए आपको सर्वोत्तम प्रयास करने होंगे। इस मामलें में कोई भी लापरवाही आप में निराशा पैदा करेगी। पारिवारिक माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण नहीं होगा। परिवार के सदस्यों के बीच सद्भाव की कमी होगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखिए।

09/08/2016 - 10/08/2019 में आप
राहु की महादशा और शुक्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

यह आपके लिए बहुत अच्छा समय है। आपका व्यापार / व्यवसाय फले फूलेगा और आप अपने आपको बहुत शक्तिशाली महसूस करेंगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपनी इस स्थिति का दुरुपयोग न करें। आप कोई नया व्यवसाय शुरु करना चाहेंगी और अपनी चालाकी से आप इसमें सफल भी होंगी। इस अवधि के दौरान आप अपने लोगों के साथ सम्पर्क कायम करेंगी। लेकिन आपका एक शुभचिंतक आपका विरोधी हो जाएगा। यदि आप नौकरी में हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा होगा। आपके काम की तारीफ होगी। और आपको पदोन्नति मिलेगी। इससे आप प्रबंधकीय कगार में पहुँच जाएंगी और आप अपने व्यवसाय को सफल बनाऐंगी। यदि आप छात्र हैं तो आप अपनी परियोजना और परीक्षा में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगी और आपको वजीफा भी मिलेगा। इस समय के दौरान आप विपरीत लिंग की ओर आकर्षित होंगी और मौज मस्ती में लिप्त होंगी। आपका पारिवारिक जीवन अच्छा होगा। शांति और सद्भाव रहेगा। पारिवारिक मामलें में आप काफी खर्च करेंगी।

10/08/2019 - 03/07/2020 में आप
राहु की महादशा और सूर्य की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस दौरान अपने प्रयत्नों को जारी रखने के लिए आपमें उद्यम साहस और ऊर्जा होगी। लेकिन हमें आशंका

है कि आप उसका सही ढंग से इस्तेमाल कर सकेंगी। यह आप पर निर्भर है कि आप इस समय का कैसा इस्तेमाल करती हैं। यदि आप व्यापारी / व्यवसायी हैं तो इस दौरान आपको कुछ अवसर उपलब्ध होंगे। आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि अपने ऐसा करने में लापरवाही बरती तो आपके हाथ केवल निराशा और हताश हाथ लगेगी। यदि आप नौकरी-पेशे वाली महिला हैं तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपका तनावपूर्ण सम्बन्ध होगा। कभी-कभी आप अपने स्वभाव पर नियंत्रण नहीं कर पाएँगी जिसके कारण आप विषम परिस्थिति में पड़ जाएंगी। यदि आप छात्र हैं तो सफलता को निश्चित या अपना जन्म सिद्ध अधिकार न माने। बदनाम लड़कों के साथ न जुड़े वरना आपकी प्रतिष्ठा भी खतरें में पड़ जाएगी। पारिवारिक माहौल आपके प्रति सद्भावपूर्ण नहीं होगा। परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा।

03/07/2020 - 02/01/2022 में आप
राहु की महादशा और चन्द्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

कुल मिलाकर यह अवधि आपके लिए अच्छी नहीं है। अपने व्यापार / व्यवसाय में आप अत्यंत अव्यवस्थित ढंग से काम करेंगी जिससे खुद को तथा निकट के लोगों को परेशानी होगी। यह स्थिति हावी रहेगी। और अच्छा परिणाम नहीं मिलेगा। अच्छे बुरे के आसार बराबर-बराबर के रहेंगे। यदि आप नौकरी में हैं तो यह समय आपके लिए ठीक नहीं है। आपको हो सकता है कि ऐसी समस्या का सामना करना पड़े जिसका हल ढूंढना कठिन हो और आप नौकरी छोड़ने को मजबूर हों। आपको सलाह दी जाती है कि आप जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। कोई भी कदम शांत चित्त और सोच समझ कर उठाएं। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आप का कोई वरिष्ठ अधिकारी आपकी मदद को आगे आए और आपको समस्या से उबार लें। यदि आप छात्र हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अच्छा है। आप कड़ी मेहनत से मनचाहा परिणाम ले सकती हैं। पारिवारिक मोर्चे पर आपको अव्यवस्था होगी। परिवार के सदस्यों में सद्भाव नहीं होगा और एक दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना होगी। इस तनाव के कारण आप के स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा।

02/01/2022 - 21/01/2023 में आप
राहु की महादशा और मंगल की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

आपके लिए यह अवधि काफी हलचल भरी होगी। आपको अपने व्यापार / व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। लेकिन स्थिति के सही मूल्यांकन से समस्याओं का सामना करने और व्यवसाय को ठीक ढंग से चलाने में मदद मिलेगी। उतावलापन छोड़े क्योंकि इसकी वजह से आप अपना वर्तमान व्यवसाय

या शाखा को किसी अन्य क्षेत्र में ले जाना चाहती हैं जबकि समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। यदि आप नौकरी में हैं तो आपको सलाह दी जाती है। कि आप अपने रोज-मर्रा के काम पूरा करें, भले ही वह कितना भी नीरस क्यों न हो। क्योंकि यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी और आपको अपना काम समय से पूरा करने के लिए अधिक सक्रिय होना पड़ेगा। इस समय अपनी नौकरी में परिवर्तन न करें, क्योंकि यह आपके लिए अच्छा नहीं होगा। यदि आप छात्र हैं तो परीक्षा की तैयारी कर रही हैं तो अपना प्रयत्न जारी रखें ताकि आपको सफलता मिले। आपका पारिवारिक जीवन शांति और सद्भावपूर्ण होगा। अधिक काम करने से आपके स्वास्थ्य के लिए कुछ समस्या खड़ी हो सकती है।

21/01/2023 - 10/03/2025 में आप
गुरु की महादशा और गुरु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप भावावेश और जल्दबाजी में फैसले लेने की आदी होंगी जिससे आपकी प्रगति में बाधा आएगी। आपके क्रिया-कलापों में विश्वास का आभाव झलकता है। आप झूठे आरोपों की भी शिकार हो सकती हैं। यदि आप कहीं काम करती हैं तो काम की स्थिति में गिरावट आएगी। आप में एक अदभुत बात यह विकसित होगी कि आप दूसरों की लाभदायक सलाह पर ध्यान ही नहीं देंगी। आपके मित्र और शुभचिंतक आपको धोखा देने की कोशिश करेंगे और आपके विरोधी नुकसान पहुँचाएंगे। आपको सलाह दी जाती है कि आप सावधान रहे और विभिन्न क्षेत्रों से उत्पन्न खतरें का अपनी बुद्धि से मुकाबला करें। परिवार के मामलें में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वह हमेशा ठीक नहीं रहता। बृहस्पतिवार को उपवास रखें और संकट को कम करने के लिए टोपाज धारण करें।

10/03/2025 - 21/09/2027 में आप
गुरु की महादशा और शनि की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

यह आपके लिए बहुत अच्छा समय नहीं है। आपके प्रयासों में बाधा आएगी या आपको असफलता मिलेगी व्यापार / व्यवसाय में आपको संतोषजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। वित्तीय संकट के कारण आपकी निराशा और बढ़ेगी। आपके साझीदारों और सहयोगियों का व्यवहार प्रशंसनीय नहीं होगा और ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि उनसे सम्बन्ध टूट जाए यदि आप उद्योग या निर्माण में व्यवसाय से जुड़ी हैं तो अचानक समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। यदि आप कहीं नौकरी कर रही हैं तो वरिष्ठ आपको परेशान करेंगे। इसका परिणाम यह होगा कि आप अपने काम में दिलचस्पी नहीं लेंगी और वरिष्ठों को आपको प्रताड़ित करने का

मौका मिलेगा। आपसे ऐसा काम करने को कहा जाएगा जिसे करना आप पसंद नहीं करती हैं। यदि आप छात्र हैं तो आप अपने अध्ययन में समुचित ध्यान नहीं देंगी। आपका परीक्षा परिणाम निराशा जनक होगा। आपको सलाह दी जाती है कि आप अधिक लगन से काम करें। परिवार के सदस्यों का व्यवहार आपके प्रति सौहार्दपूर्ण नहीं होगा। रिश्तेदारों के साथ भी ताल-मेल नहीं बैठेगा।

आपके जन्म के समय चंद्रमा पूर्व आषाढ़ नक्षत्र के तृतीय चरण में विचरण कर रहा था। इस कारण आपको जन्म के समय पूर्व आषाढ़ नक्षत्र का तृतीय चरण प्राप्त हुआ। इस नक्षत्र में जन्म लेने के फलस्वरूप आपकी जन्म राशि धनु है। इस राशि का स्वामी बृहस्पति है। शास्त्रों के अनुसार इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले जातक के नाम का प्रारंभिक अक्षर "फ होना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न ग्रंथों में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या विभिन्न ढंगों से की गई है। उदाहरण स्वरूप जातक पारिजात नामक ग्रंथ में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।

पूर्वाषाढभवो विकारचरितो मानी सुखी शान्तधीः।।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक सच्चा मित्र, मान, सम्मान, ज्ञानी तथा पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ बृहज्जातकम में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।

इष्टानन्दकलत्रो मानी दृढसौहृदश्च जलदैवे।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक आनंद तथा सुख प्रदान करने वाली स्त्री वाला होता है। इसके अतिरिक्त वह मान सम्मान से युक्त तथा स्थिर मित्र तथा स्थिर संपति वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक दीपिका में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।

दृष्टमात्रोपकारी च भाग्यवांश्च जनप्रियः।
पूर्वाषाढसमुत्पन्नौ सर्वार्थेषु विचक्षणः।

अर्थात पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक दृष्टिमात्र ही उपकारी होता है। वह भाग्यवान्, लोकप्रिय तथा सभी उपयोगी कार्यों में विचक्षण होता है।

ज्योतिष शास्त्र के ही एक अन्य ग्रंथ जातका भरणम में पूर्व आषाढ़ नक्षत्र की व्याख्या निम्नलिखित श्लोक द्वारा की गई है।

भूयो भूयस्तोयपानानुरक्तो भोक्ता चश्चद्राग्रवलासः सुशीलः।
नूनं सम्पज्जायते तस्य गाढा पूर्वाषाढा जन्मभ यस्य पुंसः।।

अर्थात पूर्व आषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक बार बार पानी पीने की इच्छा रखने वाला, भोगी, मृदु व प्रिय बोलने वाला, सुशील प्रकृति वाला तथा अधिक संपति वाला होता है।

संक्षेप में पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक, अभिमानी, तथा अच्छे मित्रों से युक्त होता है। ऐसे जातक की स्त्री बहुत आनंद प्रदान करने वाली होती है। ऐसे जातक का चरित्र सर्वदा सुन्दर रहता है। वह सुखी, शांत, बुद्धिमान, सर्व - प्रिय परंतु शत्रुओं के लिए भयदायक होता है। वह परोपकारी भी होता है। वह सत्य में विश्वास करता है। तथा सब प्रकार के कार्यों में चतुर होता है। वह भाग्यवान् होता है। तथा ख्याति भी प्राप्त करता है।

आपकी जन्म राशि धनु है। ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न ग्रंथों में धनु राशि की व्याख्या विभिन्न ढंगों से की गई है। जो कि इस प्रकार है।

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक पारिजात में मतानुसारः
सौम्या□ा रुचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुःस्थे विधौ।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर, सुशील, सुन्दर नेत्र वाला, अपने कुल में श्रेष्ठ तथा शिल्प शास्त्र में निपुण होता है।

मानसागरी नामक ग्रंथ के मतानुसारः
शूरः सत्यधिया युक्तः सात्विको जननंदन।
शिल्पविज्ञानसंपन्नो धनाढयो दिव्यभार्यकः।।
मानी चरित्रसंपन्नो ललिताक्षरभाषकः।
तेजस्वी स्थूलदेहश्च धनुर्जातः कुलान्तकः।।

जिस जातक का जन्म धनु राशि में हो वह जातक शूर, सद्बुद्धि वाला, सात्विक, लोकप्रिय, शिल्प विद्या में निपुण, धनी, सुन्दर स्त्री का पति, मानी, चरित्रवान, मृदु व प्रिय भाषी, तेजस्वी एवं स्थूल शरीर वाला होता है।

सारावली नामक ग्रंथ के मतानुसारः
कुब्जा□ो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहुः प्रवक्ता
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद्गूढगु□ृः।
शूरो दृष्टोऽस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुष शाशिधरे संहताडघि प्रगल्भः

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक कुबड़ा, गोल नेत्रों वाला, मोटी छाती व कमर व हाथ वाला, सुन्दर वचन बोलने वाला, लंबे कंधे व गले वाला, जल के किनारे निवास करने वाला, चित्रकारी का ज्ञान रखने वाला, गूढ़ गुहम्धारी, वीर, प्रसन्न, मजबूत हड्डियों वाला, बलवान, मोटे गले, होठ व नाक वाला, बंधु प्रेमी, कृतज्ञ, एवं मिले हुए पैर वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ ज्योतिशत्तवम के मतानुसारः
दुष्टः शूरः संहतांघिः प्रगल्भो बनधुस्नेही स्थूलकण्ठोष्ठघोणः
वक्ता शिल्पी पीनबाहुः कृतज्ञो दीर्घासः स्याद दीर्घकण्ठोऽस्थिसारः
प्रजातको वृतविलोचनः पृथुचेतः कटिविंस्तृतभूरिवीर्य्यवान।
ना गूढगु वसतिस्तटे□म्बूनो निशाकरे धन्वनि कुब्जविग्रहः

अर्थात जिस जातक के जन्म के समय धनु राशि में चंद्रमा हो वह जातक दुष्ट, शूरवीर मिले हुए पैरों वाला, सुंदर वचन बोलने वाला, शिल्पविद्यावाला, कृतज्ञ, दीर्घ कंठ वाला, वृताकार नेत्र वाला, विशाल हृदय वाला, बलवान, जल के किनारे वास करने वाला तथा कुब्ज शरीर वाला होता है।

एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ फलदीपिका के मतानुसारः
दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णानासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता,साम्नै कसाध्योऽश्वि भवो बलाढयः।।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाले जातक के कान, नाक, चेहरा व गला बड़े होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहते हैं। वे त्यागी स्वभाव के होते हैं। इनका कद बहुत ऊँचा नहीं होता। ये झुक कर चलते है। ये शत्रुओं पर सदा विजयी होते हैं। यह राजप्रिय होते हैं। तथा उन्हे केवल समझा कर ही अपने वश में किया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका-भरणम के मतानुसारः

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोभक्तिभाक।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम।।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक नाना प्रकार की कलाओं में कुशल, बलवान, निर्मल चरित्र वाला, स्पष्ट वचन बोलने वाला, धनी तथा कम व्यय करने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक दीपिका के मतानुसारः

धनुरिव गुणयुक्तः कीर्तिवाक पूजनीयः।
कुलपतिरुपचेता बन्धुवर्गैक पात्रः।
बहुजनधनयुक्तो देवविप्रष सेवीः।
मृदुगातिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।

अर्थात धनु राशि में जन्म लेने वाला जातक धनुष की तरह के गुण से युक्त प्रशंसनीय, पूजनीय, कुलपति, उपवास रखने वाला, अत्यधिक धनी, जनमान्य, देव, ब्राह्मण एवं ऋषियों की सेवा करें, परंतु असहिष्णु होता है।

संक्षेप में धनु राशि में जन्में जातक विद्वान, धार्मिक, राजसम्मानित, जन-प्रिय, देव भक्त, सभाओं में व्याख्यान देने वाला, श्रेष्ठ, पवित्र, कविता पाठ में कुशल, कुल दीपक, दानी प्रवृत्ति वाला, भाग्यशाली, सच्चा मित्र, निष्कपट, विनीत, दयावान, स्पष्ट वक्ता, क्लेश सहने वाला, शांत स्वभाव वाला, तपस्वी, कम भोजन करने वाला, बलवान, निर्मल बुद्धि वाला, कोमल भाषा बोलने वाला, मितव्ययी, धनी, कार्य तत्पर, प्रीति से वश में आने वाला, फुर्तीला व भविष्य वक्ता होता है। वह बल से किसी के वश में नहीं आता है। ऐसे जातक के गीता, मुख और कान, होठ, नाक व दाँत मोटे होते हैं। उनके शरीर में तिल आदि के चिह्न होते हैं। ऐसे जातक के संतान कम होती है। तथा कई प्रकार के व्यवसाय करने वाला होता है।

इन जातकों के लिए श्रावण मास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी, तिथियाँ तथा भरणी नक्षत्र, वस्त्रयोग, तैतिलकरण, शुक्रवार, प्रथम प्रहर तथा मीन राशि का चंद्रमा अशुभ फलदायक होता है।

ऐसे जातक को अपने इष्ट हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। सोना, पुखराज, पीले वस्त्र, पीला चंदन, चने

की दाल, हल्दी आदि पदार्थों का दान करना चाहिए। मंगलवार को वृत भी रख सकते हैं। ऐसा करने से मानसिक शांति की वृद्धि तथा अशुभ फलों में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अशुभ फलों में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अशुभ फलों का प्रभाव कम करने के लिए बृहस्पति के तंत्रीय सिद्ध होता है। मंत्र इस प्रकार है।

ऊं ऐं कली बृहस्पतये नमः।

जन्म कुण्डली में जन्म राशि से बारहवीं राशि में गोचरस्थ शनि का प्रवेश साढ़े साती का आरंभ कहलाता है। साढ़े साती के तीन चरण है। गोचरस्थ शनि का जन्म राशि से बारहवीं राशि में प्रवेश पहला चरण, जन्म राशि में प्रवेश दूसरा चरण तथा जन्म राशि से द्वितीय राशि में प्रवेश तीसरा चरण होता है। चूंकि गोचरस्थ शनि प्रत्येक राशि में ढाई वर्ष तक रहता है। इसलिए इसे साढ़े साती कहते हैं। साढ़े सात वर्ष कभी भी केवल अशुभ ही नहीं होते शनि जिस राशि में हो उसके अधिपति की शनि से मित्रता, शत्रुता अथवा समता पर शनि की शुभता अथवा अशुभता निर्भर करती है। जन्म कुण्डली में शनि जिस भाव का अधिपति होगा शनि की शुभता अथवा अशुभता उसी के अनुरूप होगी।

शनि-साढ़ेसती की तिथि तालिका

पहला चक्र
पहला चरण 22/12/1984 - 17/12/1987
दूसरा चरण 17/12/1987 - 21/03/1990
तीसरा चरण 21/03/1990 - 06/03/1993

दूसरा चक्र
पहला चरण 03/11/2014 - 27/01/2017
दूसरा चरण 27/01/2017 - 25/01/2020
तीसरा चरण 25/01/2020 - 30/04/2022

तीसरा चक्र
पहला चरण 12/12/2043 - 08/12/2046
दूसरा चरण 08/12/2046 - 07/03/2049
तीसरा चरण 07/03/2049 - 25/02/2052

गोचरस्थ शनि का वृश्चिक राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का प्रथम चरण आरंभ हो जाता है। प्रथम चरण में शनि अपने शत्रु ग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बन कर द्वादश भाव में स्थित है। इस स्थिति में जातक को सब प्रकार से निकृष्ट फलों की प्राप्ति होती है। जातक को शारीरिक व मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ता है। जातक को बने बनाए काम बिगड़ते महसूस होते हैं। इस काल में जातक को चोट इत्यादि से सावधान रहना चाहिए

क्योंकि मोटर-दुर्घटना या गिरकर चोट लगने की सम्भावनाएं बढ़ जाती है। जातक के स्वभाव में क्रूरता, क्रोध, झुंझलाहट इत्यादि घर करने लगती है। घर की ओर से परेशानी बढ़ने लगती है। घर का वातावरण कलह पूर्ण हो जाता है। परिवार में अनबन रहने से परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। ऐसे समय में जातक यदि शिक्षा प्राप्त कर रहा हो तो उसकी शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। शिक्षा में बाधा पड़ने की सम्भावना रहती है। जातक का सम्बन्ध अवांछित लोगों से बढ़ सकता है। जो अन्ततः परिवार में परेशानी का कारण बनता है। जातक कई प्रकार की विपत्तियों में फंस सकता है। आर्थिक स्थिति में गिरावट आनी शुरु हो जाती है। संचित धन भी नष्ट होने लगता है। जातक व्यापार अथवा नौकरी, जहाँ भी कार्यरत हो अपने कार्य क्षेत्र में परिवर्तन का अनुभव करने लगता है। परंतु लाभ में यह परिवर्तन नहीं होता। ऐसे समय में कई बार जातक का निवास स्थान भी बदल सकता है अथवा विदेश तक जाने की परिस्थिति आ सकती है। ऐसे में जातक विदेश जाकर धन कमाने में सफल भी रहता है। इस समय जातक पापकर्मी व नास्तिक हो जाता है। धर्म में रुचि नहीं रहती। जातक को भले बुरे का ज्ञान नहीं रहता तथा पाप-पुण्य सद्कर्म-दुष्कर्म तथा यश-अपयश इत्यादि का भी फर्क महसूस नहीं होता है। जातक का निम्न वर्ग के लोगों से तथा बुरी आदतों जैसे शराब, जुआ इत्यादि कार्यों में रुचि बढ़ने लगती है। इस समय लड़ाई-झगड़ों की सम्भावना भी अधिक रहती है। नजदीकी रिश्तेदारों से अनबन तथा छोटे भाइयों से विरोध की स्थिति बन जाती है। इसका कारण जातक का जिद्दी स्वभाव व झगडालूपन भी होता है। परिवार में भी कलह का वातावरण बना रहता है। ऐसी स्थिति के लिए प्रायः जातक स्वयं ही जिम्मेदार होता है। ऐसे समय में जातक को मित्र वर्ग से सावधान रहना चाहिए। इस समय वे जातक से धोखा भी कर सकते हैं। पिता से सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं। माता को भी कष्ट रहता है। जातक राजकोप से भी पीड़ित रहता है। यह स्थिति ढाई वर्ष तक रहती है।

गोचरस्थ शनि का धनु राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का द्वितीय चरण आरंभ हो जाता है। द्वितीय चरण में शनि अपने सम ग्रह बृहस्पति की राशि धनु में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बनकर लगन में स्थित है। लगन में स्थित शनि अस्वस्थता तथा नाना प्रकार की चिंताएँ पैदा करता है। इस समय जातक प्रायः रोग से पीड़ित रहता है। जातक का मन भी दुखी रहता है। आर्थिक स्थिति में भी कोई सुधार नहीं होता। जातक में आलस्य की अधिकता रहती है। जातक की स्त्री भी रोग से पीड़ित रहती है। बीते ढाई वर्ष में जातक के पीड़ित रहने से उसे अपना भविष्य अंधकारमय लगता है। वर्तमान में भी जातक को कोई आशा की किरण नजर नहीं आ रही होती है। जातक पारिवारिक कलह से तो पीड़ित रहता ही है। जातक का मन किसी भी कार्य में नहीं लगता है। उसका ध्यान केवल धन कमाने की ओर अधिक रहता है। इसके लिए चाहे उसे कोई भी तरीका क्यों न अपनाना पड़े। उस समय में रोग के कारण जातक के शरीर में दुर्बलता आने लगती है, बुद्धि भ्रष्ट होने लगती है तथा वह दुराचारी सा बनने लगता है।

भले कार्य में जातक का ध्यान नहीं लगता। धन कमाने की इच्छाएँ प्रबल होती रहती है। परंतु सफलता अधिक नहीं मिल पाती है। ऐसे समय में जातक को कार्य क्षेत्र में केवल सफलता मिलती है। नौकरी लग सकती है परंतु नौकरी में उन्नति नहीं मिलती। स्थानांतरण की सम्भावना भी लगी रहती है।

गोचरस्थ शनि का मकर राशि में प्रवेश करते ही धनु राशि वालों के लिए साढ़े साती का तृतीय व अंतिम चरण आरंभ हो जाता है। तृतीय चरण में शनि अपनी ही राशि मकर में है। इसमें शनि द्वितीय व तृतीय भाव का अधिपति बन कर अपनी ही राशि में स्थित है। इस स्थिति में शनि अपनी राशि मकर में होने के कारण उसकी अशुभता कम हो जाती है। इस स्थिति में जातक को अपने भाइयों से लाभ हो सकता है। सगे - सम्बन्धियों व पड़ोसियों से जातक का व्यवहार मधुर रहेगा। पहले की अपेक्षा जातक अब दयालु, परोपकारी, जन-हितैषी, सत्य-प्रिय, आतिथ्य प्रिय तथा धार्मिक हो जाता है। जातक को मान सम्मान तथा यश की प्राप्ति होती है। परंतु इतना सब होने पर भी जातक की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता है। बचें हुए संचित धन को ध्यान से रखना चाहिए अन्यथा यह भी खत्म हो सकता है। परिवार में विरोध बढ़ जाता है। घर की शांति भंग हो सकती है। मातृ सुख में भी कमी आती है। दैनिक जीवन में भी परेशानियाँ घेरने लगती है। परंतु कुछ समय बीतने के पश्चात् जातक कुछ आराम महसूस करने लगता है तथा धन कमाना शुरु कर देता है। ऐसे समय में स्पोर्ट, विद्युत सामग्री, लोहा, तेल, कोयला, रंगाई-छपाई कारखाना, दवा इत्यादि का व्यापार सफलता पूर्वक किया जा सकता है। यदि इस समय कोशिश की जाए तथा दशा भी लाभदायक हो तो विदेश यात्रा की भी सम्भावना हो सकती है तथा यात्राएँ सफल होती है। जातक को वाहन प्राप्ति हो सकती है। जातक को जोड़ों का दर्द इत्यादि भी रह सकता है। जातक यदि विद्यार्थी हो तो शिक्षा ग्रहण में रुकावटें आनी शुरु हो जाती है परंतु जातक को अपने परिश्रम पर विश्वास रहता है। जातक पैतृक संपति से वंचित हो सकता है। जातक को घर से बाहर रहना ज्यादा अच्छा लगता है। पश्चिम दिशा में की गई यात्राएँ जातक को लाभ प्रद रहती है।

साढ़े साती का सम्पूर्ण समय एक जैसा नहीं होता तथा शुभ व अशुभ परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि गोचर में शनि किन नक्षत्रों में भ्रमण कर रहा है। साढ़े साती में अनिष्ट फलों को कम करने के उपाय मंत्र जाप, पूजा, सेवा तथा दान पर आधारित है। दोष शांति का उपाय जानने के लिए जन्म कुण्डली की सम्पूर्ण विवेचना आवश्यक है। फिर भी साढ़े साती के अरिष्ट फलों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। ये उपाय यदि साढ़े साती के आरंभ होने से पहले ही कर लें तो विशेष लाभ की सम्भावना होती है।

1 प्रत्येक शनिवार को शनि देवता के मंदिर में जाकर पूजा करें, व तेल चढ़ाए।

2 शनि ग्रह का मंत्र जाप करें,। संध्या के समय 108 बार इस मंत्र का जाप करें, - " ऊँ सः शनैश्चराय नमः " या " ऊँ शं शनैश्चराय नमः " ।

3 शनिवार को वृत रखें। शुक्ल पक्ष में वृत का आरंभ करें, तथा कम से कम 40 शनिवार तक वृत रखें।

4 सरसों के तेल का दीपक प्रत्येक शनिवार पीपल के पेड़ के नीचे रखें ।

5 लोहा, काला सुरमा, सरसों का तेल, चमड़े के जूते, काला कपड़ा, शराब, काली उड़द की दाल आदि का शनिवार को दान करें,।

6 काले घोड़े की नाल या नाव की कील का छल्ला धारण करें, अथवा नीलम धारण करें,।

7 निम्न वर्ग के व्यक्तियों की सेवा करें, या उन्हे दान दें।

8 शराब व मांस का सेवन न करें,।

9 शनिवार को काला सुरमा जमीन में दबा दें।

10 नारियल अथवा बादाम शनिवार के दिन नदी में बहाएं।

11 रात्रि में दूध न पीएं।

यद्यपि ये उपाय बता दिए गए हैं किन्तु इन्हें अपने आप आरंभ नहीं करना चाहिए। किसी विद्वान ज्योतिषी से परामर्श लेकर ही उपाय करने की विधि तथा उचित समय की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यदि साढ़े साती के अरिष्ट फलों की शांति के लिए उचित रीति से उपाय किए जाए तो साढ़े साती के परिणाम उतने भयाकारी नहीं होंगे जितना कि उनसे भयभीत किया जाता है।

आपकी जन्म कुण्डली में मंगल सप्तम भाव में होने से आप एक मांगलिक कन्या हैं। सातवें भाव में मंगल की स्थिति के प्रभाव से आपके विवाह होने में कुछ विलम्ब हो सकता है तथा एक या दो बार वैवाहिक वार्ताएँ भी विफल हो सकती हैं लेकिन आपका विवाह अवश्य होगा। आपका दामपत्य जीवन सामान्यतया सुखमय पूर्वक व्यतीत होगा एवं आपके यदा-कदा पति के साथ सामान्य मतभेद हो सकते हैं।

सातवें भाव में मंगल ग्रह की स्थिति से आपके पति के स्वभाव में कुछ तेजस्विता होने की सम्भावना रहेगी परंतु इसका आपके दामपत्य जीवन पर कोई विशेष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। आपके पति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सप्तम भाव से मंगल की पूर्ण चतुर्थ दृष्टि दशम् भाव पर होने से आप अपने परिश्रम से ही आजीविका प्राप्त करेंगी तथा जीवन में मान-सम्मान धन पद प्रतिष्ठा को प्राप्त करेंगी। मंगल की प्रथम भाव पर सातवीं पूर्ण दृष्टि होने से आप क्रियाशील प्रकृति की होंगी तथा यदा-कदा मानसिक तनाव का अनुभव भी करेंगी। जीवन में आप अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। मंगल की आठवीं पूर्ण दृष्टि दूसरे स्थान पर होने से आप जीवन में पारिवारिक समस्याओं से सामान्यतया चिन्तित रहेंगी लेकिन इसका आपके वैवाहिक जीवन पर कोई विशेष बुरा असर नहीं होगा।

आपको अपने वैवाहिक जीवन को अधिक सुखी एवं ऐश्वर्यशाली बनाने के लिए किसी मांगलिक लड़के से शादी करनी चाहिए जिससे आप दोनो का मांगलिक दोष मिट सके। इस दोष की निवृत्ति के लिए लड़के की कुण्डली के मांगलिक स्थानों में यानि प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम, तथा द्वादश भावों में से किसी एक भाव में शनि, अथवा, राहु जैसे पाप ग्रह को स्थित होना चाहिए। उचित मिलान हो जाने पर आपके दामपत्य जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि बनी रहेगी।

रत्न	धातु	अंगुली	दिन	समय	
माणिक	सोना	अनामिका	रवि	प्रातः	नक्षत्र
मोती	चांदी	कनिष्ठिका	सोम	प्रातः	कृतिका, उ फाल्गुनी, उतराषाढा
मूंगा	सोना	अनामिका	मंगल	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
पन्ना	सोना	कनिष्ठिका	बुध	प्रातः	मृगशिरा, चित्रा ,धनिष्ठा
पुखराज	सोना	तर्जनी	गुरू	प्रातः	अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
हीरा	प्लेटीनम	कनिष्ठिका	शुक्र	प्रातः	पुर्नवसु, विशाखा, पूर्वाभद्रपद
नीलम	चांदी	मध्यमा	शनि	सांयः	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा,
गोमेद	चांदी	मध्यमा	शनि	रात्रि	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
लहसुनियां	चांदी	अनामिका	गुरू	रात्रि	आद्रा, स्वाती, शतभिषा
					अश्विनी, मघा, मूला

शुभ रत्न

रत्नों का उपयोग यदि उचित रूप से किया जाए तो रत्न वास्तव में उचित फल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस कार्य में रत्न का चुनाव अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त रत्न की उत्तमता भी अपना विशेष महत्त्व रखती है। किसी भी जातक के लिए निर्धारित किए गए शुभ रत्न, शुभ ग्रहों की किरणो को ग्रहण कर के मानव शरीर में उन किरणों का प्रसार कर शुभ फल प्रदान करने में उपयुक्त सिद्ध होते हैं। यहाँ तीन प्रकार के रत्नों का विवरण दिया गया है।

आजीवन रत्न : हीरा
भाग्यवर्धक रत्न : नीलम
शुभ रत्न : पन्ना

माणिक	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मोती	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः।
मूंगा	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।
पन्ना	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
पुखराज	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
हीरा	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
नीलम	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
गोमेद	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
लहसुनियां	ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किसी भी जातक की जन्म कुंडली में उत्तम ग्रहों की निर्बलता को दूर करने के लिए रत्नों का उपयोग किया जाता है तथा उसमें उपयुक्त रत्न का चुनाव तथा रत्न की उत्तमता अपना महत्त्व रखती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी रत्न के धारण करने का समय भी अपना विशेष स्थान रखता है। उचित समय में किया गया कोई भी कार्य सिद्ध होता है। इसी उचित समय को हम मुहूर्त भी कहते हैं- ऐसा शास्त्रों में लिखा गया है। इस लिए रत्न धारण करते समय हमें निर्धारित दिवस, निर्धारित नक्षत्र तथा शुक्ल पक्ष का चुनाव करना चाहिए। किसी भी प्रकार का शुभ कार्य करते समय हमारे शास्त्रों में पूजा पाठ इत्यादि तथा अपने इष्ट देव का ध्यान करना बताया गया है। इस बात को ध्यान में रखकर हमें निर्धारित पूजा भी करनी चाहिए जिस से कि हमारे देवता हमें आशीर्वाद दें तथा हमारे कार्य को सफल बनाएं। रत्न जड़ित अंगूठी धारण करने से पहले इसे गंगा जल में धो लेना चहिए। इस कार्य में आप दूध का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके पश्चात् स्वच्छ मन से, आँखे बंद कर, प्रभु की उपासना करते हुए तथा निर्धारित मंत्रों का जाप संभव हो तो 108 बार करते हुए रत्न जड़ित अंगूठी को निर्धारित अंगुली में धारण करें तथा अपने शुभ चिंतकों में प्रसाद इत्यादि का वितरण करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से भी आशीर्वाद लें ताकि वे भी आपके मंगल भविष्य तथा आपकी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कामना करें।

रत्नों द्वारा समस्याओं का निवारण

1 यदि आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हों अथवा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाना चहाते हों तो आप हीरा रत्न धारण कर सकते हैं।
2 यदि आप को धन अर्जित करने अथवा एकत्रित करने में समस्या आती हो अथवा आप जीवन में अपने पद ओहदे को लेकर चिंतित हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
3 यदि आपको प्रतीत होता हो कि आप के द्वारा किए गए प्रयास उत्तम नतीजे लाने में असमर्थ होते हैं अथवा आपके द्वारा किए गए परिश्रम का फल आपकी क्षमता से कम प्राप्त होता है। इस के अतिरिक्त यदि आपको सहोदरों से या आपके सहोदरों को कुछ समस्याएं हैं तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।
4 यदि आपके माता-पिता को अथवा आपको माता-पिता से किसी प्रकार का कष्ट प्रतीत होता हो अथवा आपको वाहन /जमीन जायदाद खरीदने या बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हो। यदि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा ग्रहण करने में बाधाओं का सामना करना पड़े अथवा घर के सुख में कमी का आभास होता हो तो आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं।
5 यदि आपको बुद्धि, ज्ञान, भावुकता, संतान व पेट इत्यादि से समस्याएं हों अथवा आपको सट्टेबाजी में हानि देखनी पड़ती हो तो आप नीलम रत्न धारण कर सकते हैं।
6 यदि आपके विवाह में अनचाहा विलंब हो रहा हो अथवा विवाहित जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। इसके अतिरिक्त यदि आप को किसी प्रकार की व्यापारिक साझेंदारी में नुकसान होता हो तो उस स्थिति में भी आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
7 यदि आप अनुभव करते हों कि आपका भाग्य आपका समुचित साथ नहीं देता अथवा जीवन में आपको अत्यधिक संघर्ष करने पड़े हों या कर रहे हों। इसके अतिरिक्त धर्म की ओर ले जाने वाले मार्ग को प्रशस्त करना चाहते हों तो आप मोती रत्न धारण कर सकते हैं।
8 यदि आप अपनी नौकरी या व्यापार में अस्थिरता का अनुभव करते हों तो आप मोती रत्न धारण कर सकते हैं।
9 यदि आपको अपनी आय में उतार-चढ़ाव अनुभव करते हों तो आप माणिक रत्न धारण कर सकते हैं।

मूलांक	:	1
शुभ अंक	:	5
शुभ समय	:	मार्च 21- अप्रैल 28, जुलाई 21-अगस्त 28
शुभ दिन	:	रविवार और सोमवार
शुभ तारीख	:	1, 4, 7, 10, 13, 19, 28
शुभ वर्ष	:	10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
शुभ रंग	:	स्वर्ण, पीला, ताबां रंग।
शुभ रत्न	:	पुखराज, कहरुबा, पीला हीरा, और इन रंगो के सारे रत्न।
स्वास्थ्य	:	आपको अनियमित रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन का बढ़ना, अथवा नेत्र रोगों से कष्ट हो सकता है।
व्यवसाय	:	आप सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों, न्यायिक, राजनैतिक, दवाईयों, आभूषण, इत्यादि कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकते है।
त्रुटियाँ	:	गुस्सा, अंहकार, स्वाहित वाद, निरंकुशता, गर्व।

आप अति महत्वाकांक्षी महिला हैं। आप जिस काम में भी हाथ डालती हैं कामयाबी मिलती है आप नहीं चाहती कि आप पर कोई हुक्म चलाए अथवा आप पर हावी हो। आप अपने तौर-तरीके से जीवन यापन करेंगी। आप प्रायः किसी भी परियोजना के अग्रणी के रूप में उभर कर अपने व्यवसाय की परिपक्वता का प्रदर्शन करना चाहती हैं ताकि लोग आपको आदर की दृष्टि से देखें । दूसरे शब्दों में आप अपनी छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति अति सजग एवं सतर्क रहती हैं । आप खर्च की परवाह किए बिना ऐशों-आराम की जिंदगी जीना चाहती हैं। कभी-कभार आप दूसरों की कड़ी आलोचना करने लगती हैं। फिर भी आप अपने सहकर्मियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। जिस काम से आप परिचित नहीं हैं उसे करने में दूसरों की सहायता लेना आपके लिए श्रेयस्कर होगा और किसी काम को अकेला ससंघर्ष करके यश प्राप्त करने का प्रयास न करें। आप अपने जीवन में शेखी न बघारें तो अच्छा है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप को हृदय रोग से सावधान रहना होगा। जीवन में आगे चलकर आपको रक्त तंत्र एवं उच्च रक्त चाप सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप को अपनी आँखों की जाँच नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। संतरा, लौंग और अदरक का सेवन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। आप शहद का भी जितना इस्तेमाल कर सकें बढ़िया होगा। आपको अक्टूबर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि में आप को हद से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। आप अति कुशाग्र बुद्धि के महिला हैं और आपके भीतर काम करने की अपार क्षमता है। आपके कई मित्र हैं और सगे - सम्बन्धी भी काफी हैं। इन सब के होते हुए भी आप कभी-कभार इतने बड़े जन-समूह में अपने आप को अकेला महसूस करती हैं। आप हमेशा दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहती हैं। आप का रवैया काफी सकारात्मक हैं और अपने प्रति आप काफी आश्वस्त हैं। कुल मिलाकर आप अति आशावादी महिला हैं और कभी भी आसानी से हार नहीं मानती। आपको अपने महत्वपूर्ण कार्य महीने की पहली, 10वीं, 19वीं, और 28वीं तारीख को ही शुरू करने चाहिए।

1. अनफा (बुध) योग

चन्द्रमा से द्वादश स्थान में बुध हो तो अनफा (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर व निपुण, प्रतिष्ठित, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं गान, नृत्य, कविता व लेख लिखने के प्रिय होते हैं।

2. अनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वादश स्थान में हो तो अनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, अच्छे स्वास्थ्य व भौतिक सुख ऐश्वर्य से युक्त, प्रतिष्ठित, भाषण में निपुन, कुशल, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं सुखी होते हैं।

3. अरिष्ट योग

लब्नेश की युति या दृष्टि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादेश से हो तो अरिष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में शारीरिक अस्वस्थता से पीड़ित रहते हैं।

4. बंधन योग

मिथुन, तुला या कुम्भ लग्न में पाप ग्रह हो तो बंधन योग बनता है।

5. चन्द्र शुक्र योग

चन्द्रमा एवं शुक्र की युति एक ही भाव में हो तो चन्द्र शुक्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक झगड़ालू, खुशबू एवं काव्य के प्रेमी, आलसी तथा सिलाई व आदि कार्य एवं कपड़ों के व्यापार में निपुण होते हैं।

6. दुरुधरा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में हो तो दुरुधरा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक तर्क सम्बन्धि वार्ता में चतुर, विख्यात, विद्वान, धैर्यवान, ईमानदार, धनी, भूमि तथा वाहन के स्वामी, दानी एवं वासनाप्रिय होते हैं।

7. जैमिनी राज योग

चन्द्रमा व शुक्र की युति हो या शुक्र की दृष्टि चन्द्रमा पर हो तो जैमिनी राज योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अत्यनत वैभवशाली, प्रतिष्ठित तथा जीवन में सफलता व ताकत हासिल करते हैं।

8. कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्रमा या फिर सूर्य से 10वें स्थान में शुक्र की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर रत्नों, गाय व आदि भेड़ों तथा सौंदर्य तथा अलंकरण आदि की वस्तुओं से सम्बन्धित कार्य का व्यापार करते हैं।

9. कर्मजीव योग

लग्न या फिर सूर्य से 10वें स्थान में चन्द्रमा की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर कृषि विभाग तथा जलीय वस्तू जैसे मोती व शंख का व्यापार करते हैं। इस योग के पुरुष, स्त्री द्वारा भी आजीविका प्राप्त कर सकते हैं।

10. कृशाण्ड योग

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शारीरिक गठन में कुछ पतले एवं कमजोर तथा शारीरिक कष्ट भोगते हैं।

11. कुलपमशल योग

पाप एवं शुभ ग्रह केन्द्र में तथा लग्नेश पर चन्द्रमा की दृष्टि न हो तो कुलपमशल योग बनता है।

12. पर्वत योग

केन्द्र में शुभ ग्रह स्थित हो तथा 6ठे एवं 8वें स्थान में कोई ग्रह न हो या मात्र शुभ ग्रह हो तो पर्वत योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक विख्यात, प्रतिश्ठित, भाग्यवान, धनी, दानशील, विद्वान, वासनाप्रिय तथा विवेचना शक्ति से युक्त होते हैं।

13. राज योग

चतुर्थेश व दशमेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं।

14. राज योग

शुक्र लग्न में स्थित हो तथा चन्द्रमा/गुरु की युति या दृष्टि हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में ऊँची तथा अधिकार युक्त प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करते हैं तथा विख्यात मित्रों से युक्त होते हैं।

15. रज्जुयोग

यदि लग्न चर राशि में हो एंव कई ग्रह चर राशि में हो तो रज्जुयोग होता हैं।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक ज्यादातर महत्वकांक्षी, नाम और यश के लिए जगह जगह घूमने वाले, यात्रा प्रेमी, शीघ्र निर्णय लेने वाले एंव खुले विचारों के होते हैं। यह जातक अस्थिर मन, अनिर्णय, अविश्वसनीय तथा किसी एक कार्य में लगे रहने में असमर्थ होते हैं। वह लगातार संघर्ष में रहते हैं फिर भी कोई स्थिर सम्मपत्ति बनाने में असफल रहते हैं।

16. रूचक महापुरुष योग

यदि मंगल लग्न से केन्द्र, स्वराशि या फिर उच्च राशि में हो तो रूचक महापुरुष योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक आकर्षक व्यक्तित्व, दिखने में सुन्दर, लावण्य युक्त, शरीर दुबला, कोमल व काले केश एवं साँवले रंग के होते हैं। यह जातक धैर्यवान, बलिष्ट शरीर, यश प्राप्ती के लिए कार्य सम्पन्न करने, दीर्घायु, बुजुर्गों का आदर करने वाले व विद्वान होते हैं।

17. संख्या दाम (दामिनी) योग

सभी ग्रह जब छः भावों में हो तो दामिनी योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, दक्ष, विख्यात, ज्ञानी, सुखी एवं न्यायिक कार्यों से धन कमाने वाले होते हैं।

18. शरीर सौख्य योग

लग्नेश, गुरु या शुक्र केन्द्र में स्थित हो तो शरीर सौख्य योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दीर्घायु, धनवान तथा राजनैतिक क्षेत्र में अच्छा प्रभाव रखने वाले होते हैं।

19. सोदरनाश योग

मंगल व तृतीयेश, चतुर्थ या सप्तम भाव में हो तथा पाप ग्रह की दृष्टि हो तो सोदरनाश योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातकों के अधिकतर कोई छोटे भाई-बहिन नहीं होते तथा उनके बच्चे भी कम संख्या में होते हैं।

20. सुमुख योग

द्वितीयेश, केन्द्र में हो एवं शुभ ग्रह की दृष्टि हो या फिर शुभ ग्रह की स्थिति द्वितीय भाव में हो तो सुमुख योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक आकर्षक व्यक्तित्व के, दिखने में सुन्दर तथा सुखी होते हैं।

21. सुनफा (गुरु) योग

चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में गुरु हो तो सुनफा (गुरु) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शास्त्रों में निपुन, सर्वज्ञानी, सलाहकार, यश व कीर्ति प्राप्त करने वाले, धनी एवं ऊँचे कुल से सम्बन्धित होते हैं।

22. सुनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में हो तो सुनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शाही जीवन यापन करने वाले, धनी, प्रतिष्ठित, सुखी, स्वपरिश्रम के बल पर धन कमाने वाले तथा परोपकारिक गुण से युक्त होते हैं।

23. उभयचर योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय एवं द्वादश स्थान में हो तो उभयचर योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, जिम्मेदार, विद्वान, आकर्षक व्यक्तित्व तथा भौतिक सुख ऐश्वर्यों का सुख प्राप्त करते हैं।

24. उत्तमदि (वरिष्ठ) योग

सूर्य से अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) में चन्द्रमा हो तो वरिष्ठ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन, ज्ञान, कुशलता व यश उत्तम रूप से प्राप्त करते हैं तथा इनके फल प्रचुर मात्रा में भोगते हैं।

25. वत्त रोग योग

5, 9 या 7वें भाव में मंगल हो तो वत्त रोग योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक घबराहट, बेचैनी, अपाचन, नीन्द न आना तथा शरीर में पानी की कमी से पीड़ित हो सकते हैं

26. वेशि योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक लम्बे, ईमानदार, आलसी, दानी, सत्यवादी, अच्छी स्मरण शक्ति के तथा सामान्यतया धनी होते हैं।

27. वेशि योग (शुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी शुभ ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि शुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर, धनवान तथा अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करने वाले हाते हैं।

28. वेशि योग (बुध)

सूर्य से द्वितीय स्थान में बुध हो तो वेशि (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक मधुर भाषी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होते हैं।

जन्म पत्रियों में कई प्रकार के योग देखने का मिलते हैं जिनके विभिन्न प्रकार के फल होते हैं। कुछ अच्छे योग हैं तो कुछ बुरे। अच्छे योग शुभ फलदायक होते हैं तो बुरे योग अशुभ फलदायक होते हैं। ऐसा ही एक अशुभ फलदायक योग है कालसर्प योग। जब किसी भी जन्मपत्री में सारे ग्रह राहू और केतू के मध्य आ जाते हैं तो उसे कालसर्प योग कहते हैं। प्राचीन ग्रन्थों में प्रत्यक्ष से तो इस योग का वर्णन नहीं मिलता लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा सकता।

महर्षि गर्ग, महर्षि पाराशर, महर्षि भृगु, वराह मिहिर आदि ज्योतिषाचार्यों ने कालसर्प योग को स्वीकार किया है। प्राचीन कालदर्शियों ने कालसर्प योग को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने राहू-केतू को कार्मिक माना है, राहू पृथ्वी पर काल है और केतू सर्प। प्रायः किसी ने भी इस योग की प्रशंसा नहीं की है। राहू-केतू यद्यपि छाया ग्रह है, इनका अपना कोई शरीर नहीं है, फिर भी ये इतने क्रूर ग्रह हैं कि इनसे निर्मित कालसर्प योग अशुभ फलदायक ही कहलाता है।

आप की कुण्डली कालसर्प योग से मुक्त है।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	स्त्री	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973	01/11/2014
दिन वार	गुरुवार	शनिवार
जन्म समय	07:20:00	19:37:12
(समय घटी में)	2:18:48 घटी	------

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	Mangalore	Mangalore
अक्षांश	012.52.N	012.52.N
रेखांश	074.53.E	074.53.E
स्थानीय समय	06:49:32	------
स्थानीय तिथि	01/11/1973	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	तुला	वृष
लग्नेश	शुक्र	शुक्र
राशि	धनु	कुम्भ
राशीश	गुरु	शनि
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	मंगल
चरण	3	4
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-तांबा	तांबा-तांबा
योग	धृति	वृद्धि
करण	तैतिल	तैतिल
गण	मनुष्य	राक्षस
योनि	वानर	सिंह
नाड़ी	मध्य	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र
वश्य	चतुष्पाद	मनुष्य
वर्ग	मूषक	बिलाव
नामाक्षर	फ	गे
युंजा	अन्त्य	अन्त्य
हंसक तत्व	अग्नि	वायु

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	तुला	27°17'37''		शुक्र	विशाखा	3	गुरु	शुक्र
सूर्य	तुला	15°00'20''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	21°11'09''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
मंगल-व	मेष	05°50'55''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°54'47''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°35'02''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°39'08''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°03'08''	मित्र	बुध	आरद्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'06''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'06''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र

जन्म लग्न

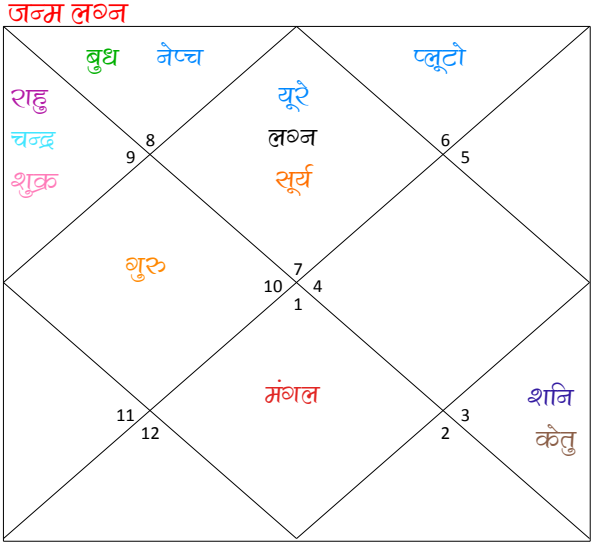

चलित

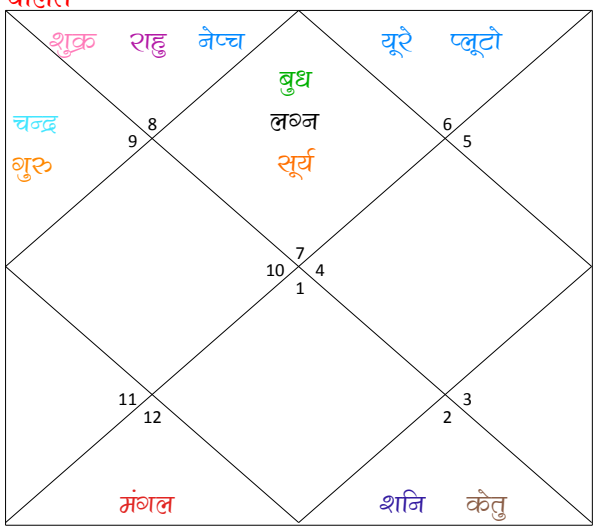

चन्द्र लग्न

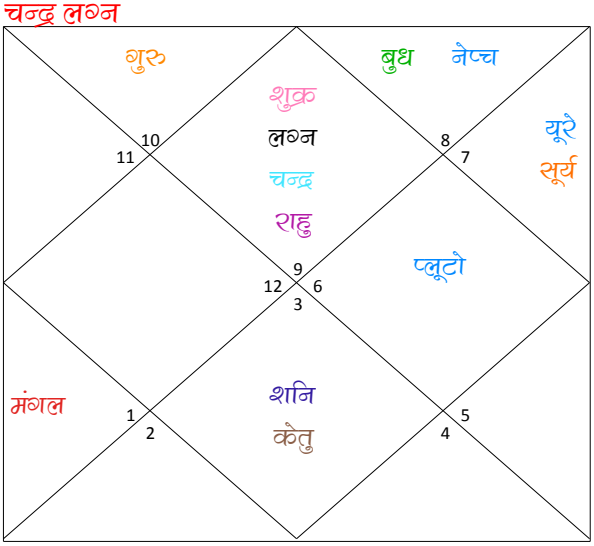

नवमांश

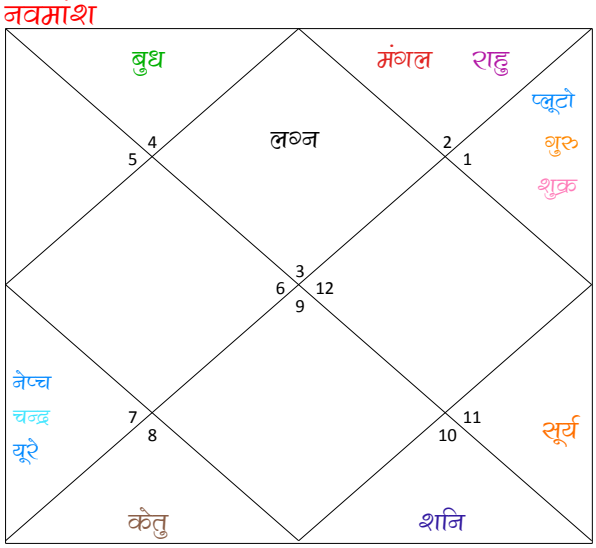

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	वृष	10°24'43''		शुक्र	रोहिणी	1	चन्द्र	चन्द्र
सूर्य	तुला	15°00'31''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	कुम्भ	04°27'12''	सम	शनि	धनिष्ठा	4	मंगल	शुक्र
मंगल	धनु	10°29'31''	मित्र	गुरु	मूल	4	केतु	शनि
बुध	कन्या	26°27'55''	उच्च	बुध	चित्रा	1	मंगल	गुरु
गुरु	कर्क	26°24'48''	उच्च	चन्द्र	अश्लेषा	3	बुध	गुरु
शुक्र-अ	तुला	16°51'43''	अस्त स्वग्रही	शुक्र	स्वाती	4	राहु	शुक्र
शनि-अ	तुला	29°52'37''	अस्त उच्च	शुक्र	विशाखा	3	गुरु	चन्द्र
राहु-व	कन्या	25°04'45''	सम	बुध	चित्रा	1	मंगल	राहु
केतु-व	मीन	25°04'45''	सम	गुरु	रेवती	3	बुध	राहु

वर्ष लग्न

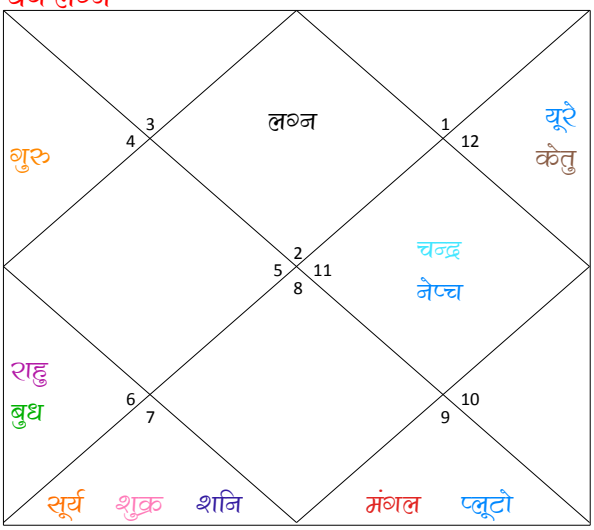

चलित

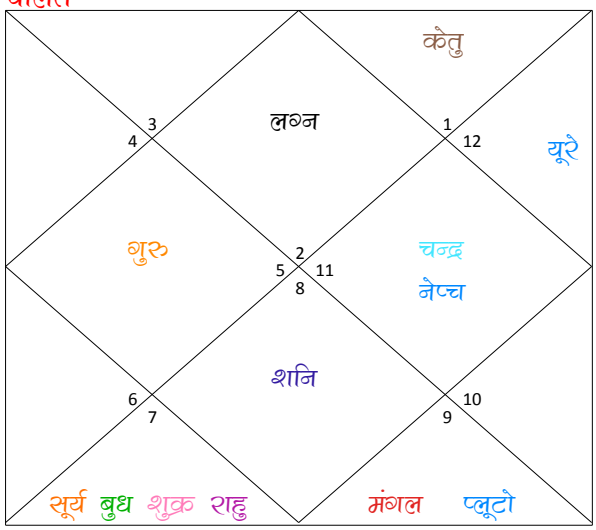

चन्द्र लग्न

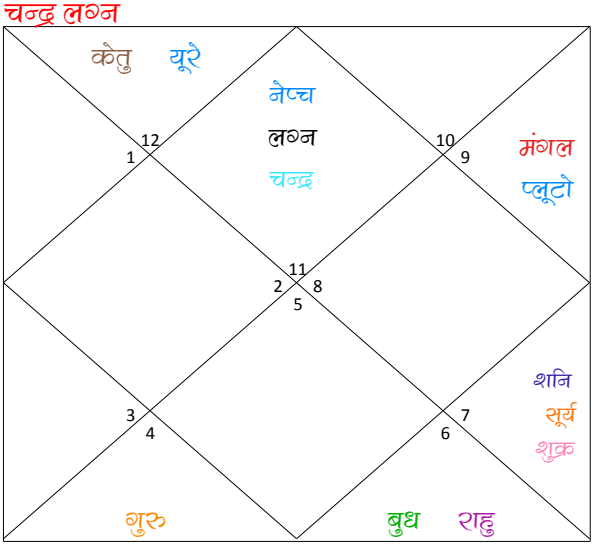

नवमांश

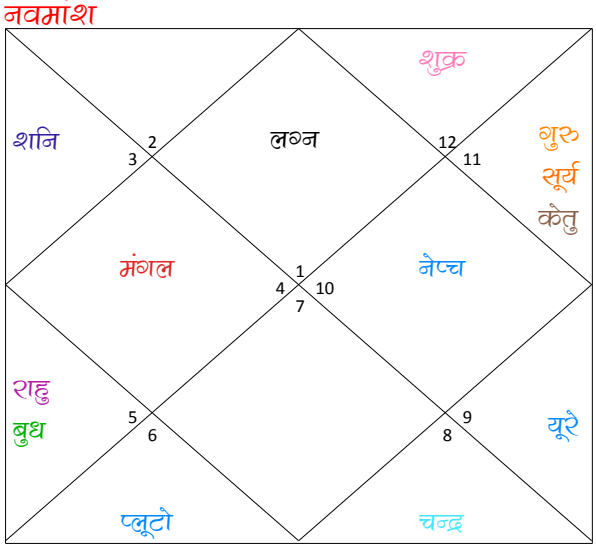

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	5	5	5	5
तृतीय बल	5	0	0	0	0	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	5	0	10	5	10	10

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	07.50	22.50	15.00	30.00	15.00	30.00	07.50
उच्च बल	00.56	10.16	14.72	18.73	17.62	02.21	18.90
हद्या बल	03.75	11.25	07.50	03.75	03.75	03.75	07.50
द्रेष्काण बल	02.50	07.50	07.50	10.00	05.00	02.50	02.50
नवांश बल	01.25	03.75	03.75	02.50	01.25	01.25	02.50
कुल	03.89	13.79	12.12	16.25	10.66	09.93	09.73

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	गुरु	10.66
जन्म लग्नेश	शुक्र	09.93
वर्ष लग्नेश	शुक्र	09.93
त्रिराशिपति	चन्द्र	13.79
दिनरात्रिपति	शनि	09.73

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	चन्द्र
मुन्था-राशि	:	मीन
मुन्था-भाव	:	11
मुन्थेश	:	गुरु
मुन्थेश- भाव	:	3

वर्षफल वर्ष 2014-2015

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	मकर	20:58:02	शनि
गुरू	कन्या	29:51:24	बुध
प्रसूति	सिंह	10:27:50	सूर्य
यश	धनु	04:57:57	गुरु
मित्र	कुम्भ	07:58:21	शनि
माहात्म्य	मीन	29:56:12	गुरु
आशा	मेष	27:23:49	मंगल
पिता	मेष	25:32:37	मंगल
माता	मकर	22:49:14	शनि
जीवित	कुम्भ	06:56:54	शनि
कर्म	कुम्भ	26:23:07	शनि
कलि	तुला	24:29:26	शुक्र
शास्त्र	धनु	29:55:44	गुरु
बंधक	मकर	02:25:26	शनि
जाडय	सिंह	15:51:01	सूर्य
शत्रु	मीन	29:47:49	गुरु
बंधन	कुम्भ	19:19:18	शनि
समर्थता	मीन	16:46:55	गुरु
कामदेव	मकर	22:49:14	शनि
गौरव	सिंह	09:53:58	सूर्य
कार्यसिद्धि	कर्क	12:17:08	चन्द्र
अश्व	वृश्चिक	28:15:52	मंगल
भ्राता	कुम्भ	06:56:54	शनि
पुत्र	वृश्चिक	02:22:19	मंगल
रोग	सिंह	16:22:14	सूर्य
बन्धु	मकर	02:25:26	शनि
मृत्यु	कन्या	02:44:28	बुध
अर्थ	मकर	21:15:51	शनि
परस्त्री	मिथुन	12:15:55	बुध
वणिक	तुला	18:24:00	शुक्र
विवाह	मेष	27:23:49	मंगल
संताप	कर्क	02:44:28	चन्द्र
श्रद्धा	मीन	16:46:55	गुरु
प्रीति	मकर	19:18:05	शनि
व्यापार	सिंह	24:26:19	सूर्य
कन्या	मकर	22:49:14	शनि
परदेश	सिंह	14:45:29	सूर्य
अपमृत्यु	वृष	07:14:15	शुक्र
लाभ	वृश्चिक	18:10:11	मंगल
जलपथ	मीन	22:48:32	गुरु

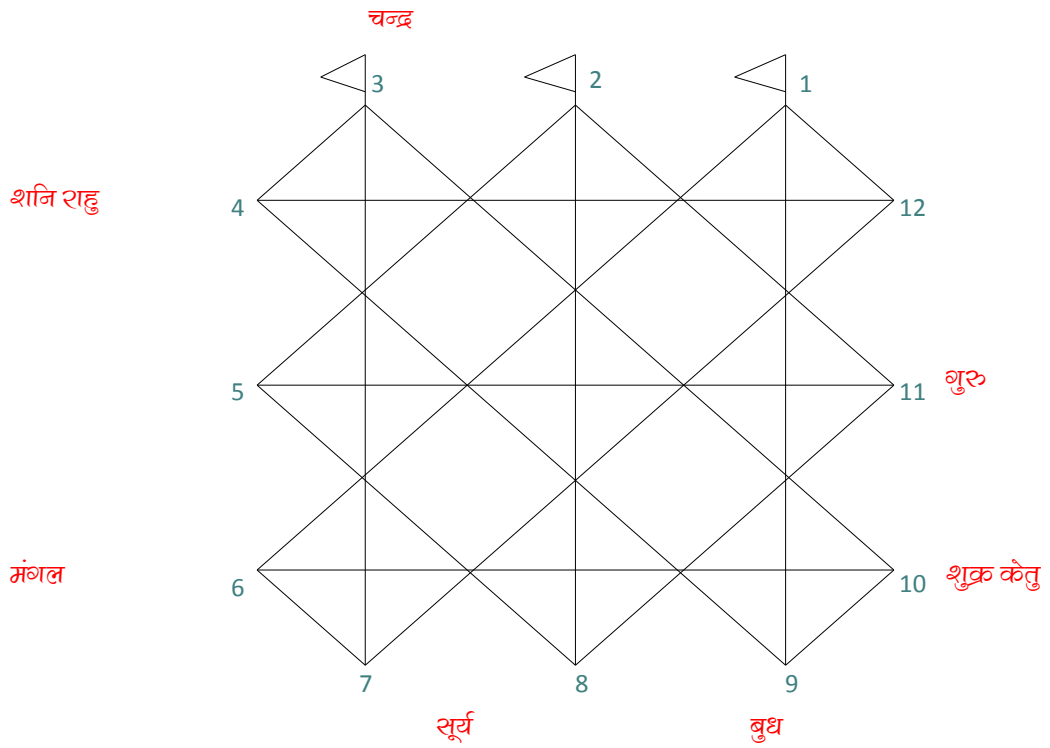

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	सूर्य चन्द्र गुरु	बुध	शुक्र शनि राहु केतु
सूर्य	चन्द्र गुरु	गुरु	सूर्य चन्द्र
चन्द्र	सूर्य गुरु	शुक्र	मंगल बुध केतु
मंगल	शुक्र केतु	शनि	बुध राहु

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य :
धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

चन्द्र :
चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

मंगल :
व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

बुध :
अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

गुरु :
वासना बढना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शुक्र :
वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

शनि :
असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

राहु :
अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 11 में है।
प्रतिष्ठा, ख्याति, सम्मान तथा आर्थिक दृष्टि से यह बहुत अच्छा समय है। सारी शारीरिक सुख सुविधाएँ भोगेंगी, सुखी रहेंगी व नए मित्र बनाऐंगी। राजनैतिक सफलताए प्राप्त करेंगी और इच्छाओं की पूर्ति होगी।

01/11/2014-20/12/2014 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 3 में है।

इस अवधि में आपके क्रिया-कलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगी। आपका आत्म-विश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएँ सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिए आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगी। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्त करेंगी। छोटे-मोटे रोगों के उभरने की भी सम्भावना है।

20/12/2014-16/02/2015 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

आप अपने कार्य-क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगी। नौकरी या व्यवसाय की परिस्थितियों में काफी सुधार आएगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। रोज-मर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान महसूस करेंगी। विरोधियों की आपके सामने पड़ने की हिम्मत ही नहीं पड़ेगी। आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छा समय सिद्ध होगा। छोटी यात्राएँ उपयोगी रहेंगी। परिवार का माहौल पूर्ण संतोषप्रद रहेगा। इस अवधि के मध्य में छोटी मोटी बीमारी होने की सम्भावना है जिस पर आपको थोड़ा बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है।

16/02/2015-09/04/2015 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

इस अवधि में अपनी पैनी विवेक बुद्धि और सही अंदाज लगाने की क्षमता के कारण आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगी। आपकी कल्पना अत्यधिक सक्रिय रहेगी। नए उद्यमों में निश्चित सफलता प्राप्त करेंगी। यह समय प्रणय और रोमांस के लिए भी अच्छा है। आपके सृजन बोध की सराहना की जाएगी। पारिवारिक सुख बढ़ा-चढ़ा रहेगा। मित्र और शुभ चिन्तक पूरा सहारा देंगे। इस अवधि के दौरान आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के

सम्पर्क में आएँगी। एक यादगार यात्रा होने की भी सम्भावना है।

09/04/2015-30/04/2015 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है।

अचानक परिस्थितियाँ आपके काफी अनुकूल होती जाएंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभान्वित कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारीरिक या मांसल सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरी-पेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगी। इस अवधि में लंबी यात्रा की भी प्रबल सम्भावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान की भागी होंगी।

30/04/2015-30/06/2015 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

इस अवधि में वासनापटक विचार सिर्फ आपको अवसादित ही नहीं करेंगी जलील भी करवा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के कारण आपकी नित्य-चर्चा में भी व्यवधान उपस्थित हो जाएगा। वैसे नौकरी के हालात अच्छे रहेंगे, यद्यपि काम का बोझ थकाने वाला होगा। पुरुष वर्ग से आपका व्यवहार मधुर नहीं रह पाएगा। विरोधी प्रबल होंगे। विपरीत परिस्थितियों में प्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास प्राप्त करने का प्रयत्न करें। भारी व्यय होने की भी सम्भावना है।

30/06/2015-18/07/2015 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

इस अवधि में आप जो भी करेंगी उसमें सफल रहेगी। सारी समस्याओं का समाधान होता रहेगा और आप सफलता पाएंगी। शत्रुओं को पराजित कर देंगी और वह आपको नुकसान नहीं पहुँचा पाएंगे। आपका काम सफल होगा और नौकरी करने की हालतों में सुधार भी होगा। प्रतिष्ठा एवं पद-वृद्धि की सम्भावना है। आपको मान्यता मिलेगी और पदोन्नति भी। सम्मान एवं साख भी प्राप्त करेंगी। सभी हिसाब से यह एक सफलदायक समय रहेगा।

18/07/2015-17/08/2015 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।

चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 10 में है।

आप अपने ही विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगी। नौकरी या व्यापार से सम्बन्धित कुछ ठोस परिणाम सामने आएँगे। आपकी सारे ही उद्यमों में सफलता निश्चित है। अपने से वरिष्ठ लोगों या पर्यवेक्षकों के साथ अति मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस समय का पूरा सदुपयोग कीजिये।

17/08/2015-08/09/2015 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 8 में है।

यह बिल्कुल भी अच्छा समय नहीं है। ध्यान रखें, आर्थिक हानि की पूरी सम्भावना है। इस अवधि में कोई जोखिम न उठाएं। स्वास्थ्य के कारण परेशानियाँ शुरु हो जाएंगी। अपने परिवार के सदस्यों से सम्बन्धों में बिगाड़ होने की सम्भावना है। किसी परिचित की मृत्यु की खबर भी मिल सकती हैं।

08/09/2015-02/11/2015 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 5 में है।

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस-पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगी। झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। मित्रों से सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकद्दमेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसाएं। किसी के जमानती बनने की चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें, खराब खाना या ज्यादा खाने के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	स्त्री	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973	02/11/2015
दिन वार	गुरुवार	सोमवार
जन्म समय	07:20:00	01:46:24
(समय घटी में)	2:18:48 घटी	------

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	Mangalore	Mangalore
अक्षांश	012.52.N	012.52.N
रेखांश	074.53.E	074.53.E
स्थानीय समय	06:49:32	------
स्थानीय तिथि	01/11/1973	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	तुला	सिंह
लग्नेश	शुक्र	सूर्य
राशि	धनु	मिथुन
राशीश	गुरु	बुध
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	पुनर्वसु
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	गुरु
चरण	3	2
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-तांबा	स्वर्ण-चांदी
योग	धृति	साध्य
करण	तैतिल	वणिज
गण	मनुष्य	देव
योनि	वानर	बिलाव
नाड़ी	मध्य	आदि
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र
वश्य	चतुष्पाद	मनुष्य
वर्ग	मूषक	बिलाव
नामाक्षर	फ	को
युंजा	अन्त्य	मध्य
हंसक तत्व	अग्नि	वायु

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	तुला	27°17'37''		शुक्र	विशाखा	3	गुरु	शुक्र
सूर्य	तुला	15°00'20''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	21°11'09''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
मंगल-व	मेष	05°50'55''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°54'47''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°35'02''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°39'08''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°03'08''	मित्र	बुध	आरद्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'06''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'06''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र

जन्म लग्न

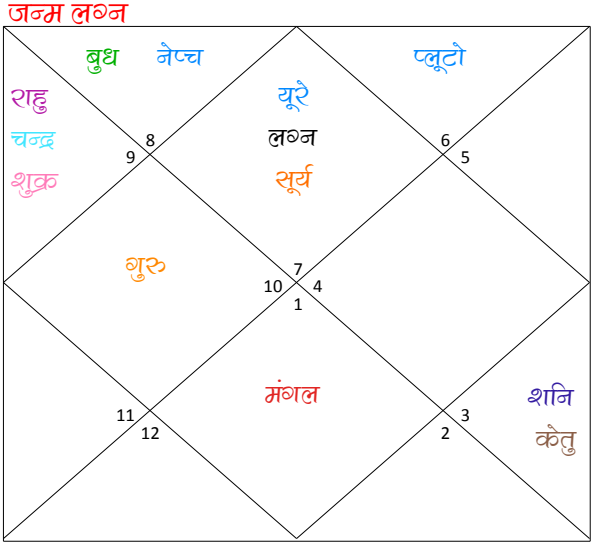

चलित

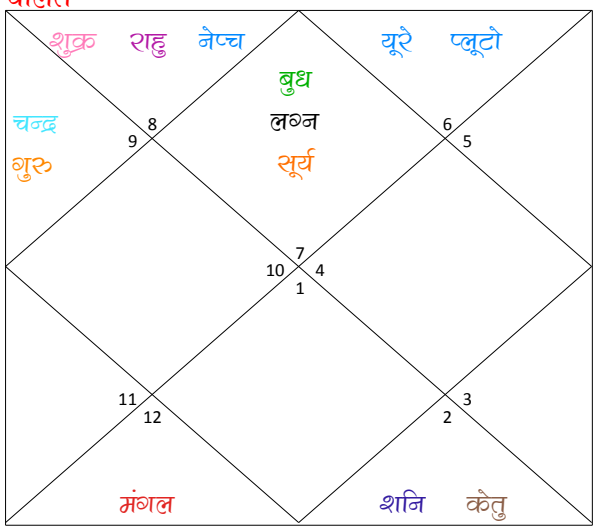

चन्द्र लग्न

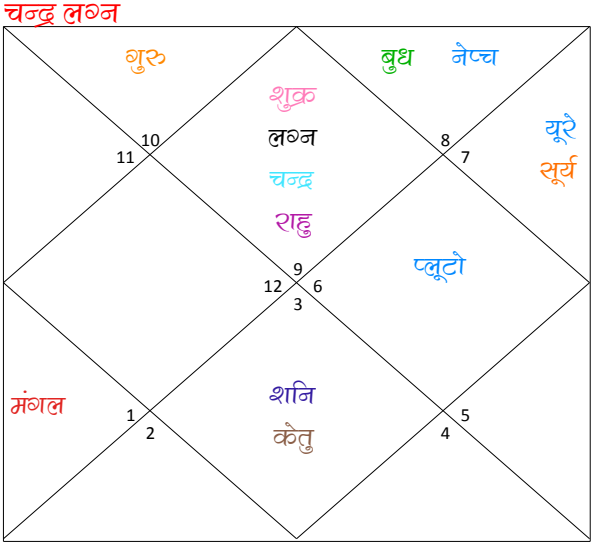

नवमांश

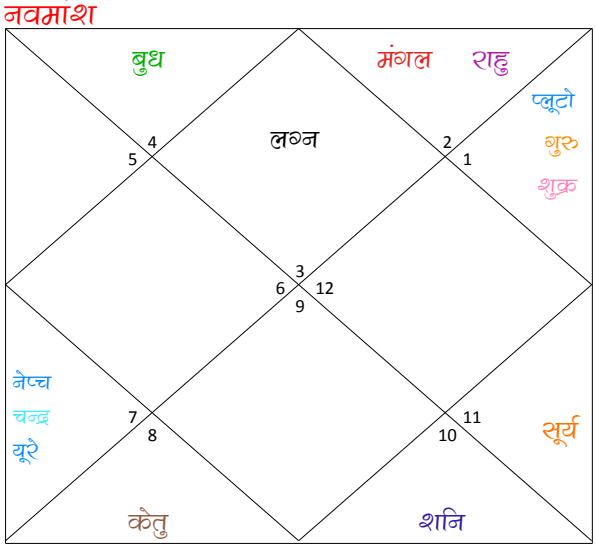

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	सिंह	06°15'32''		सूर्य	मघा	2	केतु	राहु
सूर्य	तुला	15°00'20''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	मिथुन	25°28'16''	मित्र	बुध	पुनर्वसु	2	गुरु	बुध
मंगल	सिंह	29°13'51''	मित्र	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	राहु
बुध-अ	तुला	05°10'28''	अस्त मित्र	शुक्र	चित्रा	4	मंगल	सूर्य
गुरु	सिंह	22°47'21''	मित्र	सूर्य	पू फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि
शुक्र	सिंह	28°42'16''	शत्रु	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	मंगल
शनि	वृश्चिक	10°06'13''	शत्रु	मंगल	अनुराधा	3	शनि	शुक्र
राहु-व	कन्या	06°12'46''	सम	बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध
केतु-व	मीन	06°12'46''	सम	गुरु	उ भाद्रपद	1	शनि	बुध

वर्ष लग्न

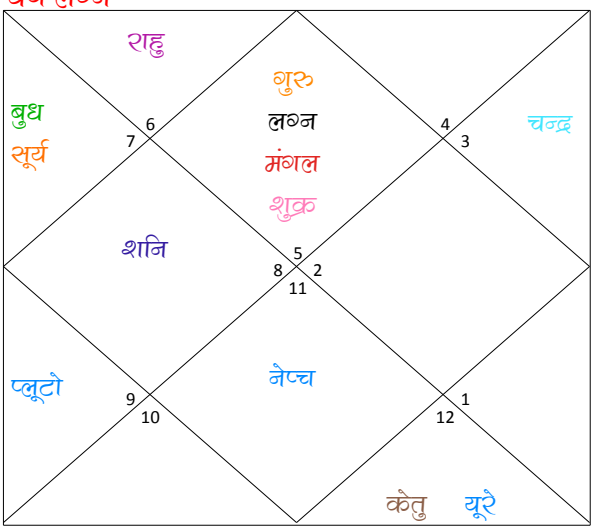

चलित

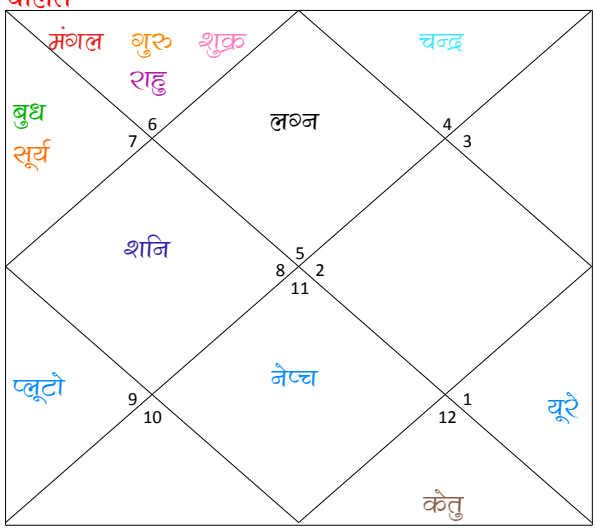

चन्द्र लग्न

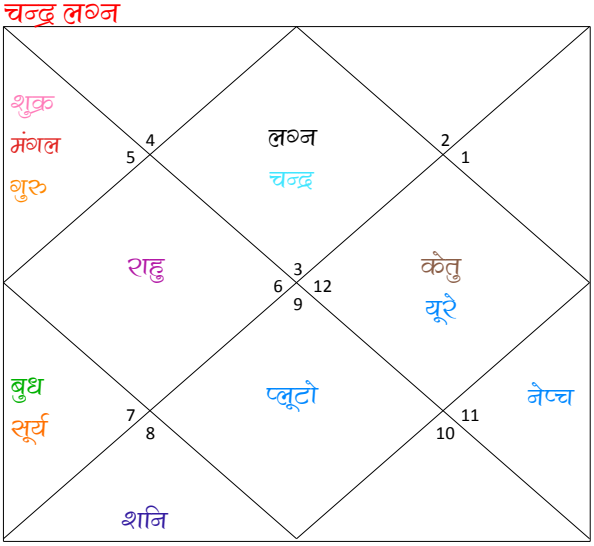

नवमांश

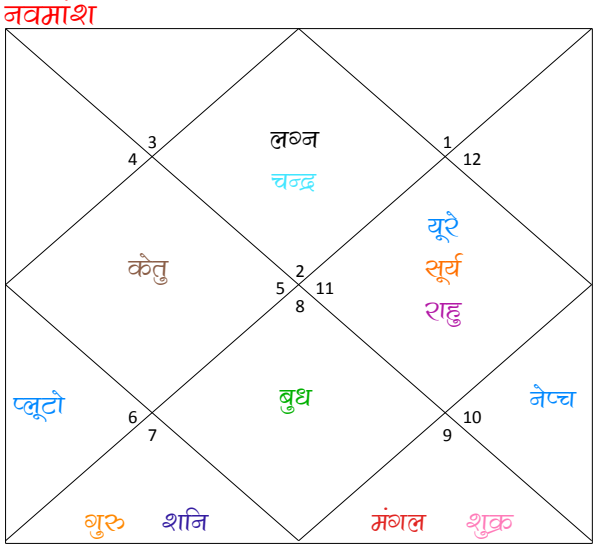

Pandit.com
Astrology | Numerology | Vastu Shastra
Phone: +91-86992-07979 email- care@pandit.com

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	0	0	5	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	0	10	0	10	5

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	22.50	22.50	22.50	22.50	22.50	22.50	07.50
उच्च बल	00.56	14.17	03.47	17.76	14.69	03.14	17.77
हद्या बल	11.25	07.50	15.00	07.50	11.25	03.75	03.75
द्रेष्काण बल	05.00	07.50	10.00	07.50	02.50	02.50	05.00
नवांश बल	02.50	03.75	01.25	03.75	01.25	01.25	01.25
कुल	10.45	13.86	13.06	14.75	13.05	08.29	08.82

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	मंगल	13.06
जन्म लग्नेश	शुक्र	08.29
वर्ष लग्नेश	सूर्य	10.45
त्रिराशिपति	सूर्य	10.45
दिनरात्रिपति	बुध	14.75

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	बुध
मुन्था-राशि	:	मेष
मुन्था-भाव	:	9
मुन्थेश	:	मंगल
मुन्थेश- भाव	:	1

वर्षफल वर्ष 2015-2016

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	वृश्चिक	25:47:36	मंगल
गुरू	वृष	16:43:28	शुक्र
प्रसूति	तुला	18:38:39	शुक्र
यश	धनु	09:15:47	गुरु
मित्र	मीन	07:46:24	गुरु
माहात्म्य	वृष	09:41:47	शुक्र
आशा	वृष	24:51:35	शुक्र
पिता	कर्क	11:09:39	चन्द्र
माता	तुला	09:29:32	शुक्र
जीवित	वृष	18:56:40	शुक्र
कर्म	तुला	12:12:09	शुक्र
कलि	कन्या	12:42:02	बुध
शास्त्र	धनु	22:29:20	गुरु
बंधक	वृश्चिक	15:57:44	मंगल
जाडय	धनु	16:02:50	गुरु
शत्रु	वृश्चिक	17:07:54	मंगल
बंधन	कर्क	20:34:09	चन्द्र
समर्थता	तुला	22:02:01	शुक्र
कामदेव	वृश्चिक	25:47:36	मंगल
गौरव	मीन	22:28:01	गुरु
कार्यसिद्धि	मकर	13:20:13	शनि
अश्व	मेष	26:30:00	मंगल
भ्राता	वृष	18:56:40	शुक्र
पुत्र	तुला	03:34:37	शुक्र
रोग	कन्या	17:02:48	बुध
बन्धु	वृश्चिक	15:57:44	मंगल
मृत्यु	कर्क	21:24:21	चन्द्र
अर्थ	कर्क	07:51:28	चन्द्र
परस्त्री	मिथुन	19:57:28	बुध
वणिक	वृष	26:33:20	शुक्र
विवाह	वृष	24:51:35	शुक्र
संताप	मिथुन	21:24:21	बुध
श्रद्धा	सिंह	05:43:57	सूर्य
प्रीति	कुम्भ	27:11:24	शनि
व्यापार	कर्क	00:18:55	चन्द्र
कन्या	तुला	09:29:32	शुक्र
परदेश	मेष	14:18:57	मंगल
अपमृत्यु	मीन	13:48:05	गुरु
लाभ	वृष	08:22:20	शुक्र
जलपथ	मिथुन	16:07:07	बुध

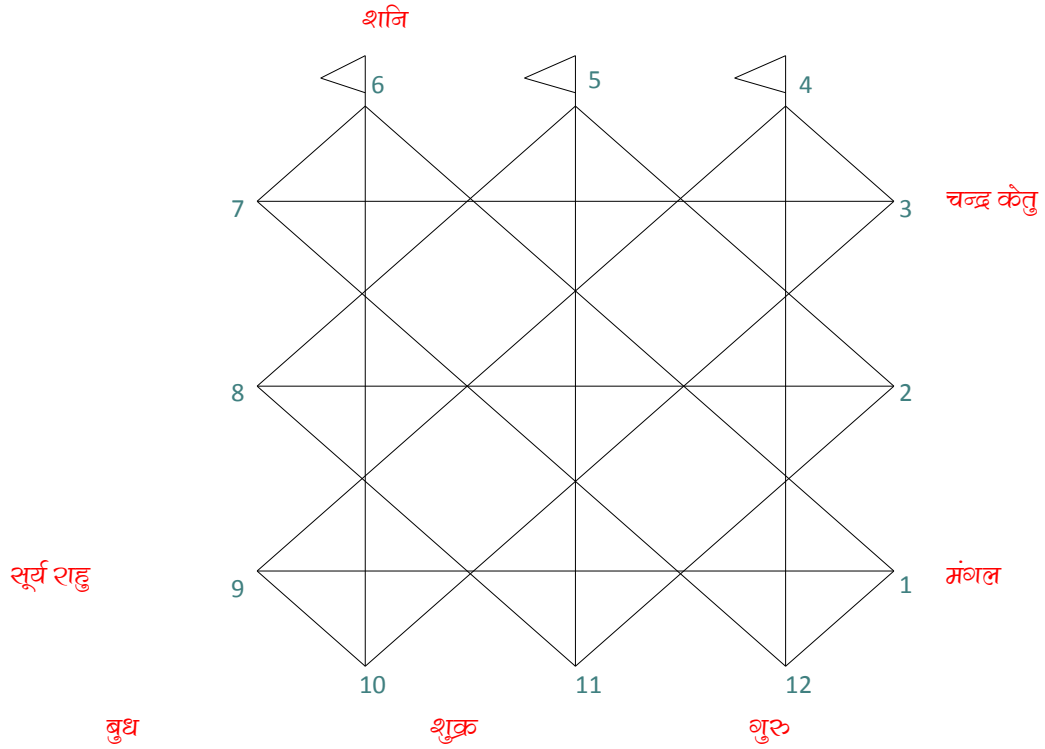

त्रिपताकि चक में वेध

लग्न	शुक्र शनि	बुध	सूर्य चन्द्र राहु केतु
सूर्य	मंगल बुध राहु	गुरु	मंगल
चन्द्र	बुध केतु	शुक्र	शनि
मंगल	सूर्य गुरु राहु	शनि	शुक्र

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य :
धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

चन्द्र :
चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

मंगल :
व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

बुध :
अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

गुरु :
वासना बढना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शुक्र :
वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

शनि :
असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

राहु :
अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 9 में है।
इस अवधि में आप खूब भ्रमण करेंगी। आर्थिक रूप से यह समय अच्छा है और आप संपन्नता प्राप्त करेंगी। पति और संतान से सुख मिलेगा। आपको अच्छी साख मिलेगी और वरिष्ठ लोग आपकी तारीफ करेंगे।

02/11/2015-29/12/2015 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

आप पर ऐसी बातों के झूठे इल्जाम लगाए जा सकते हैं जिनमें आपका सहयोग नगण्य रहा हैं। पारिवारिक सुख का भी आभाव रहेगा। प्रयासों में असफलता अवसाद पैदा कर देगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर कोई लंबी बीमारी भोग रहे हैं तो पूरे परहेज से रहे। आपके विरोधी आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे। बहस में न उलझे तो ठीक रहेगा। सांसारिक सुखों के लिहाज से यह समय अच्छा नहीं है फिर भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में लगे रहने से कुछ राहत महसूस होगी।

29/12/2015-19/02/2016 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 3 में है।

आपकी मेहनत रंग लाएगी, छोटी यात्राएँ अच्छा फल प्रदान करेंगी। विदेश या सुदूर स्थलों से अच्छी खबर मिलेगी। भाई-बहनो से सहायता मिलेगी। नए लोगों से सम्पर्क आपके सौभाग्य के कारण बढ़ेंगे और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अगर आप प्रकाशन या एजेंसी, के काम से सम्बन्धित हैं तो शुभ परिणाम सामने आएँगे। आपमें कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकट करने की क्षमता होगी तथा भावनात्मक अभिनय की सहज प्रतिभा रहेगी।

19/02/2016-11/03/2016 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 8 में है।

इस अवधि में अचानक लाभ होने की सम्भावना है। अगर वसीयत प्राप्त करने की सम्भावना है या आप उसको प्राप्त करने के लिए इच्छुक हैं तो आप उसे प्राप्त कर सकती हैं। आपका मन धार्मिक क्रिया-कलापों की ओर झुका रहेगा। कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकती हैं। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। अचानक यात्राएँ सफलदायक सिद्ध होंगी। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। छोटी मोटी बीमारियाँ मानसिक शांति भंग कर सकती हैं। आप तीर्थाटन पर जा सकती हैं। कुल मिलाकर सुखी रहेंगी।

11/03/2016-11/05/2016 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

इस अवधि में आप सुखी व सानन्द रहेंगी। आपके चारों ओर का वातावरण सुखद होगा। पुरुष वर्ग की ओर आपका झुकाव रहेगा। वैवाहिक सुख भोगेंगी। अगर आप थोड़ी मेहनत करें, तो अपनी आय आप काफी बढ़ा सकती हैं। आप एक विशद् व शानदार पार्टी देना चाहेंगी। ललितकला, संगीत व साहित्य में आपकी रुचि रहेगी। छोटी मोटी बीमारियाँ भी आपको परेशान कर सकती हैं। परिवार जन आपकी पूरी मदद करेंगे।

11/05/2016-30/05/2016 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 3 में है।

यह समय आपको चिन्ता और तनावों से त्राण दिलवाएगा। घरेलु जीवन में आप सुखी रहेंगी और बहु प्रतीक्षित इच्छाओं की संपूर्ति होगी। इस अवधि में आप बहुत भ्रमण करेंगी। छोटी यात्राएँ भाग्यशाली सिद्ध होंगी और सुखद रहेंगी। धन-लाभ के समाचार प्राप्त करेंगी। पारिवारिक मित्रों और रिश्तेदारों से सामाजिक सम्बन्ध और अच्छे होंगे। इस काल में स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

30/05/2016-29/06/2016 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है।

आपके मित्र और सहयोगी आपकी सहायता करेंगी। इस अवधि में आपकी महत्वाकांक्षा और इच्छाओं की पूर्ति होगी। किसी लाभप्रद सौदे से आप सम्बन्ध रहेंगे। लंबी यात्राओं की प्रबल सम्भावना है। सभी लिहाज से परिणाम बहुत अच्छे रहेंगे।

29/06/2016-20/07/2016 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

इस अवधि में मिले जुले फल मिलेंगे। आपकी इच्छाओं के विपरीत परिणाम हो सकते हैं इसलिए फल के प्रति अधिक उत्साह दिखाने वाली प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें। छोटी मोटी बीमारी या हल्की दुर्घटना होने की

सम्भावना भी है। पारिवारिक झंझटों के कारण मानसिक शांति भंग हो सकती हैं।

20/07/2016-13/09/2016 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 2 में है।

रोज-मर्रा के जीवन में पैसा वसूल करने में आपको परेशानी हो सकती हैं। किसी भी उद्यम की प्रयोजना की पूरी जाँच परख कर के ही पूंजी निवेश की सोचें। घर का वातावरण भी तनावपूर्ण रहेगा। परिवारजनों से कभी कभी मतभेद रहेगा। इस अवधि में आँख की पीड़ा भी आप भोग सकती हैं। साधारण रूप से स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रु नुकसान पहुँचाने का प्रयत्न करेंगे। घर के मामलों में एक असुरक्षा की भावना से आक्रांत रहेंगी।

13/09/2016-01/11/2016 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

आप शुभ एवं श्रेष्ठ कृत्यों से सम्बन्ध रहेंगे। इस दौरान आप काफी प्रसन्न रहेंगी और परिवार में कोई श्रेष्ठ संस्कार भी सम्पन्न होगा। आपकी आमदनी बढ़ेगी तथा ऊँचे सरकारी अफसरों से आपके सम्बन्ध भी सुधरेंगे। अपनी योग्यता के कारण आप विपरीत परिस्थितियों का भी भली प्रकार सामना कर लेंगी। पारिवारिक सुख सुनिश्चित रहेगा। दर्शन एवं तत्व-मीमांसा में आपकी विशेष रुचि रहेगी। इस अवधि में दिमाग पूरी तरह चैतन्य और सानुकूल रहेगा।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	स्त्री	स्त्री
जन्म तिथि	01/11/1973	01/11/2016
दिन वार	गुरुवार	मंगलवार
जन्म समय	07:20:00	07:55:36
(समय घटी में)	2:18:48 घटी	------

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	Mangalore	Mangalore
अक्षांश	012.52.N	012.52.N
रेखांश	074.53.E	074.53.E
स्थानीय समय	06:49:32	------
स्थानीय तिथि	01/11/1973	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	तुला	वृश्चिक
लग्नेश	शुक्र	मंगल
राशि	धनु	तुला
राशीश	गुरु	शुक्र
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	विशाखा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	गुरु
चरण	3	3
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-तांबा	लोहा-लोहा
योग	धृति	सौभाग्य
करण	तैतिल	बालव
गण	मनुष्य	राक्षस
योनि	वानर	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र
वश्य	चतुष्पाद	मनुष्य
वर्ग	मूषक	सर्प
नामाक्षर	फ	ते
युंजा	अन्त्य	मध्य
हंसक तत्व	अग्नि	वायु

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	तुला	27°17'37''		शुक्र	विशाखा	3	गुरु	शुक्र
सूर्य	तुला	15°00'20''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	धनु	21°11'09''	सम	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु
मंगल-व	मेष	05°50'55''	मु.त्रि.	मंगल	अश्विनी	2	केतु	राहु
बुध-व	वृश्चिक	02°54'47''	सम	मंगल	विशाखा	4	गुरु	राहु
गुरु	मकर	10°35'02''	नीच	शनि	श्रवण	1	चन्द्र	चन्द्र
शुक्र	धनु	01°39'08''	सम	गुरु	मूल	1	केतु	शुक्र
शनि-व	मिथुन	11°03'08''	मित्र	बुध	आरद्रा	2	राहु	शनि
राहु-व	धनु	06°16'06''	सम	गुरु	मूल	2	केतु	राहु
केतु-व	मिथुन	06°16'06''	सम	बुध	मृगशिरा	4	मंगल	चन्द्र

जन्म लग्न

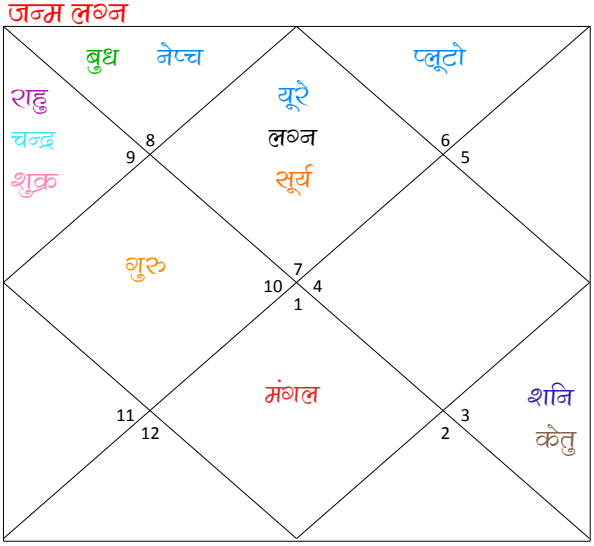

चलित

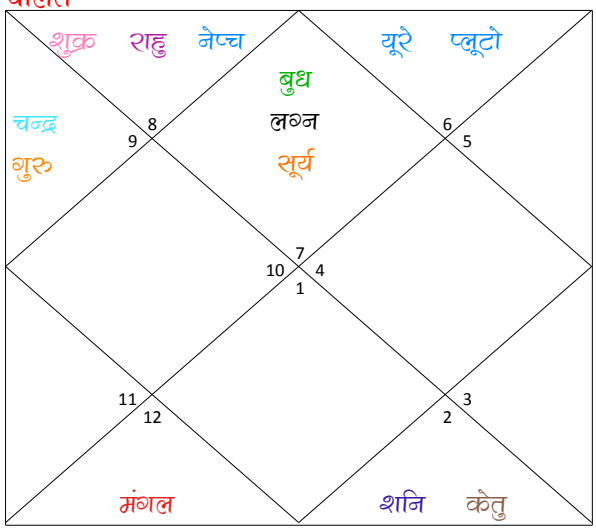

चन्द्र लग्न

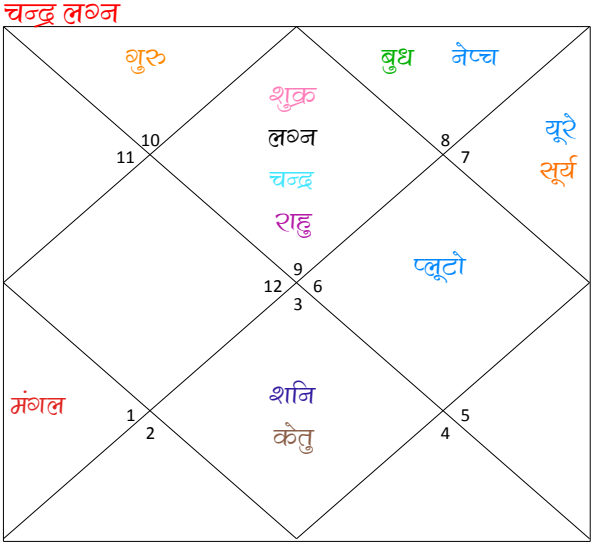

नवमांश

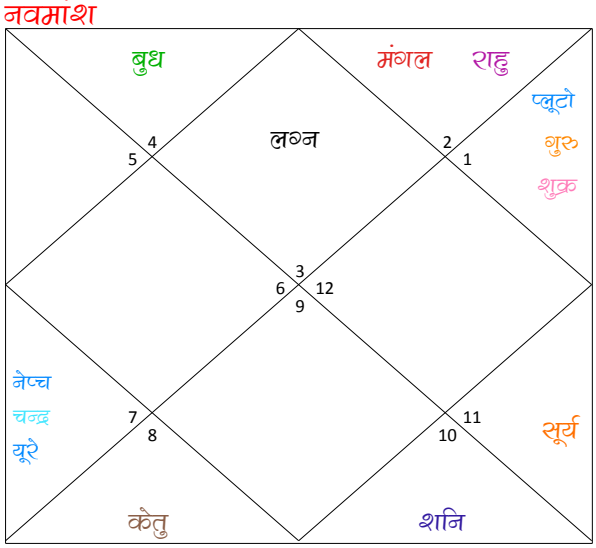

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	वृश्चिक	05°25'27''		मंगल	अनुराधा	1	शनि	शनि
सूर्य	तुला	15°00'22''	नीच	शुक्र	स्वाती	3	राहु	केतु
चन्द्र	तुला	29°50'17''	सम	शुक्र	विशाखा	3	गुरु	चन्द्र
मंगल	धनु	29°58'43''	मित्र	गुरु	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	राहु
बुध-अ	तुला	17°47'51''	अस्त मित्र	शुक्र	स्वाती	4	राहु	सूर्य
गुरु	कन्या	17°07'12''	शत्रु	बुध	हस्त	3	चन्द्र	शनि
शुक्र	वृश्चिक	22°35'08''	सम	मंगल	ज्येष्ठा	2	बुध	चन्द्र
शनि	वृश्चिक	20°18'17''	शत्रु	मंगल	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र
राहु-व	सिंह	16°54'23''	शत्रु	सूर्य	पू फाल्गुनी	2	शुक्र	चन्द्र
केतु-व	कुम्भ	16°54'23''	शत्रु	शनि	शतभिषा	4	राहु	शुक्र

वर्ष लग्न

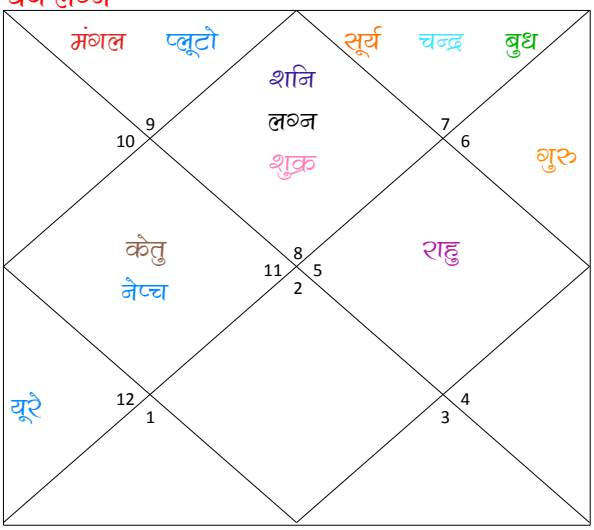

चलित

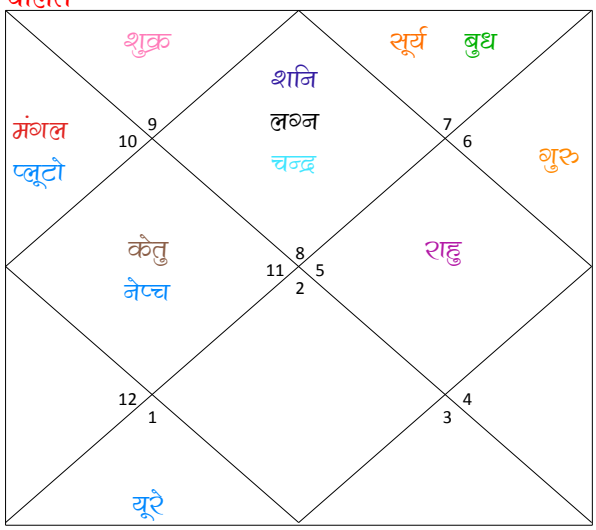

चन्द्र लग्न

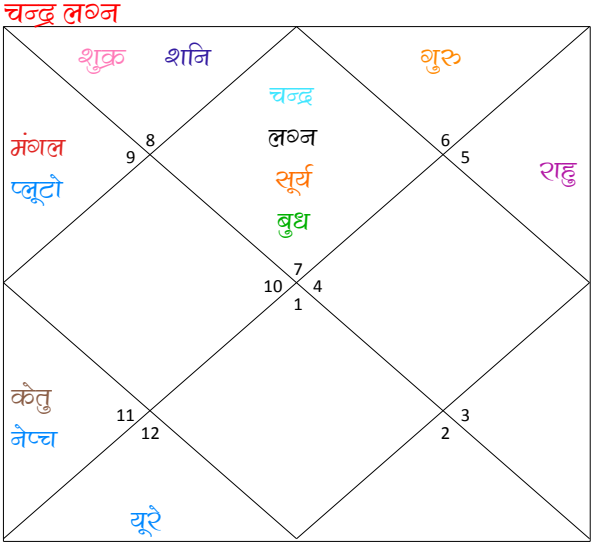

नवमांश

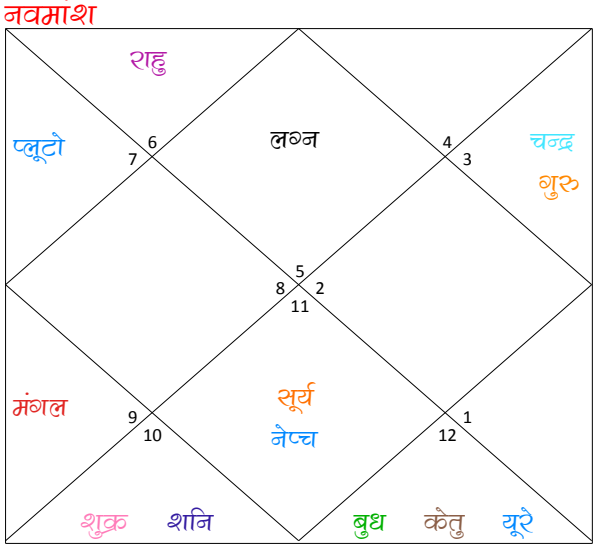

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	0	0	0	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	5	0	15	5	5

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	15.00	15.00	07.50	15.00	15.00	15.00	15.00
उच्च बल	00.56	00.35	16.89	16.36	11.99	06.18	16.63
हद्या बल	07.50	03.75	07.50	07.50	15.00	11.25	11.25
द्रेष्काण बल	05.00	05.00	05.00	05.00	07.50	10.00	02.50
नवांश बल	02.50	01.25	01.25	02.50	02.50	01.25	05.00
कुल	07.64	06.34	09.54	11.59	13.00	10.92	12.60

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	शुक्र	10.92
जन्म लग्नेश	शुक्र	10.92
वर्ष लग्नेश	मंगल	09.54
त्रिराशिपति	मंगल	09.54
दिनरात्रिपति	शुक्र	10.92

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	शुक्र
मुन्था-राशि	:	वृष
मुन्था-भाव	:	7
मुन्थेश	:	शुक्र
मुन्थेश- भाव	:	1

वर्षफल वर्ष 2016-2017

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	धनु	20:15:22	गुरु
गुरू	तुला	20:35:32	शुक्र
प्रसूति	तुला	04:44:48	शुक्र
यश	कन्या	02:17:17	बुध
मित्र	तुला	22:55:18	शुक्र
माहात्म्य	तुला	25:42:06	शुक्र
आशा	वृश्चिक	03:08:36	मंगल
पिता	धनु	10:43:22	गुरु
माता	वृश्चिक	12:40:36	मंगल
जीवित	मकर	08:36:32	शनि
कर्म	मकर	17:36:19	शनि
कलि	सिंह	22:33:56	सूर्य
शास्त्र	कन्या	14:36:46	बुध
बंधक	धनु	17:27:53	गुरु
जाडय	धनु	27:28:17	गुरु
शत्रु	मकर	15:05:53	शनि
बंधन	मकर	05:22:32	शनि
समर्थता	वृश्चिक	05:25:27	मंगल
कामदेव	तुला	05:17:01	शुक्र
गौरव	तुला	21:55:21	शुक्र
कार्यसिद्धि	मकर	27:53:03	शनि
अश्व	धनु	11:00:07	गुरु
भ्राता	तुला	02:14:22	शुक्र
पुत्र	कन्या	22:42:22	बुध
रोग	वृश्चिक	11:00:37	मंगल
बन्धु	तुला	23:23:01	शुक्र
मृत्यु	मिथुन	26:03:17	बुध
अर्थ	मकर	23:53:32	शनि
परस्त्री	धनु	13:00:13	गुरु
वणिक	धनु	17:27:53	गुरु
विवाह	धनु	07:42:18	गुरु
संताप	वृष	26:03:17	शुक्र
श्रद्धा	कन्या	28:01:52	बुध
प्रीति	तुला	05:45:37	शुक्र
व्यापार	मकर	17:36:19	शनि
कन्या	वृश्चिक	28:10:18	मंगल
परदेश	कर्क	11:20:17	चन्द्र
अपमृत्यु	वृष	11:02:01	शुक्र
लाभ	कन्या	23:22:43	बुध
जलपथ	सिंह	00:07:10	सूर्य

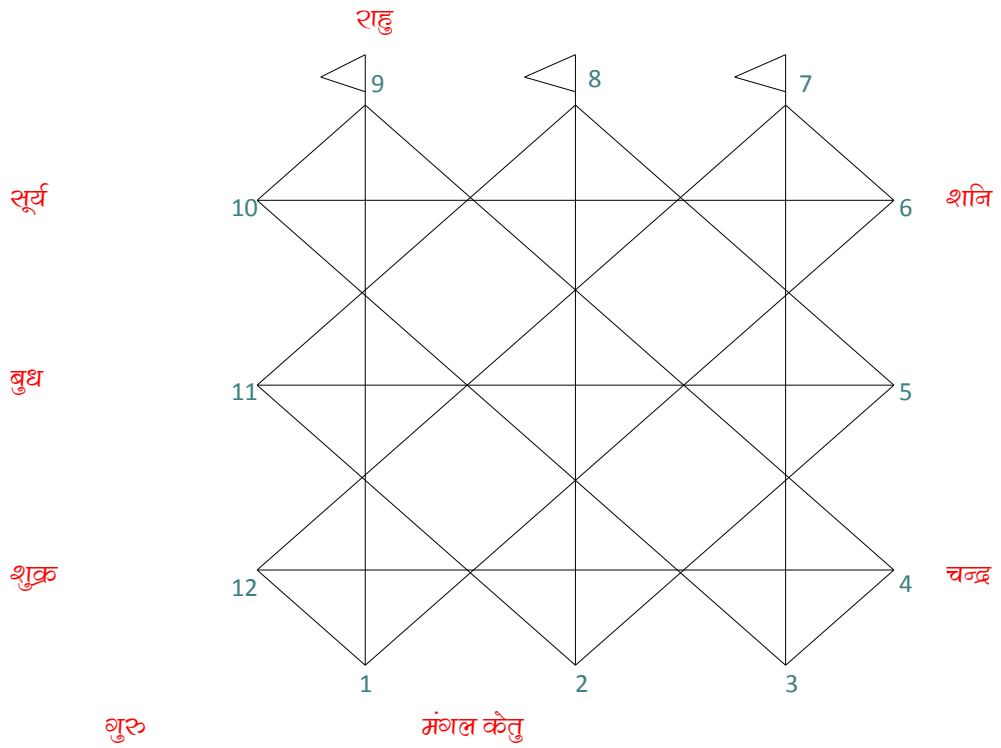

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	मंगल बुध राहु केतु	बुध	मंगल राहु केतु
सूर्य	शनि	गुरु	शुक्र शनि
चन्द्र	शुक्र	शुक्र	चन्द्र गुरु
मंगल	बुध राहु केतु	शनि	सूर्य गुरु

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य : धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

चन्द्र : चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

मंगल : व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

बुध : अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

गुरु : वासना बढना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शुक्र : वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

शनि : असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

राहु : अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 7 में है।
पहले ग्यारह महीने अच्छे नहीं हैं, आप और आपके पति शारीरिक रूप से रोग-ग्रसित रहेंगे। आप पैसा खोएंगी, असफलताएँ और निराशा भुगतेंगी। आपकी प्रवृत्ति झगड़ालू रहेगी तथा आप तनाव-ग्रस्त रहेंगी।

01/11/2016-23/12/2016 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 12 में है।

यह अवधि आपको मानसिक चिंताएँ देगी। विरोधी प्रतिष्ठा पर आंच लाने का प्रयत्न करेंगी। व्यय बढ़ता रहेगा। अचानक हानि होने की भी सम्भावना है। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के कारण परेशान रहेंगी। हानिकर कार्यों से भी सम्बन्ध रह सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौमनस्यपूर्ण नहीं रहेगा। आपका मन अध्यात्म की ओर झुकेगा। समस्याओं परेशानियों का प्रतिरोध करने की कोशिश करें। जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें।

23/12/2016-13/01/2017 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है।

इस अवधि के दौरान वैचारिक स्पष्टता का आभाव रहेगा। कभी कभी आप बिल्कुल किंकर्तव्य विमूढ़ हो जाएंगी कुछ भी करने के लिए। साधारण रूप से प्रसन्नता नहीं मिलेगी। पारिवारिक वातावरण भी परेशान रखेगा। छोटी छोटी बातों पर झगड़ें और विवाद हो सकते हैं। व्यापार धंधा भी मंदा चलेगा। अगर नौकरी करती हैं तो नौकरी के हालात भी संतोषप्रद नहीं होंगे। इस अवधि में आपके शीघ्र व्याधिग्रस्त होने की प्रवृत्ति रहेगी। परिवारजनों की बीमारी चिन्तित रखेगी। वैसे आपका मन धार्मिक क्रिया-कलाप की ओर झुका रहेगा और आप पवित्र स्थलों की यात्रा करेंगी।

13/01/2017-15/03/2017 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

इस अवधि में आप सुखी व सानन्द रहेंगी। आपके चारों ओर का वातावरण सुखद होगा। पुरुष वर्ग की ओर आपका झुकाव रहेगा। वैवाहिक सुख भोगेंगी। अगर आप थोड़ी मेहनत करें, तो अपनी आय आप काफी बढ़ा सकती हैं। आप एक विशद् व शानदार पार्टी देना चाहेंगी। ललितकला, संगीत व साहित्य में आपकी रुचि रहेगी। छोटी मोटी बीमारियाँ भी आपको परेशान कर सकती हैं। परिवार जन आपकी पूरी

मदद करेंगे।

15/03/2017-02/04/2017 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 12 में है।

आप क्षणिक उन्माद में कोई काम न करें। निर्णय लेने से पहले पूरा सोच विचार करें। गलत निर्णय के कारण आपका नुकसान भी हो सकता है। आप व्यर्थ व्यय भी करेंगी। व्यापार से सम्बन्धित कोई बुरी खबर मिल सकती हैं। भारी हानि होने की सम्भावना है। स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। मित्रों और रिश्तेदारों से सम्बन्ध मधुर रखें अन्यथा आपस में खिंचाव पैदा हो सकता है। सट्टेबाजी से बचें अन्यथा आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती हैं।

02/04/2017-02/05/2017 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 12 में है।

अभी आप बहुत खर्च न करें। व्यय पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह अच्छा समय नहीं है। व्यर्थ की यात्राओं से बचें। परमनोवैज्ञानिक एवं गूढ़ अनुभवों को प्राप्त करने के लिए आपका झुकाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें, कठोर भाषा से परेशानी में पड़ सकती हैं।

02/05/2017-24/05/2017 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 2 में है।

आर्थिक लाभ के लिए यह समय अच्छा नहीं है। परिवार के सदस्यों के कारण तनाव पैदा हो सकते हैं। छोटी-छोटी बातों पर भी झगड़े हो सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें वरना परेशानी भुगतेंगी। अवांछित लोगों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। व्यापार में घाटे या चोरी के कारण आर्थिक हानि होने की सम्भावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

24/05/2017-18/07/2017 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 10 में है।

इस अवधि के दौरान आपका अपने प्रति विश्वास बहुत बढ़ा-चढ़ा रहेगा। आप निडर संघर्षप्रेमी और झगड़े

झंझट से डरने वाली नहीं होंगी। आपकी मेहनत और कर्मठता से व्यापार धंधे में विकास होगा। वरिष्ठ लोगों और सत्ताधारी व्यक्तियों से आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे, साथ ही साथ आपके व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ोत्तरी होगी। एक सोची हुई यात्रा पूरी करने से असीमित लाभ प्राप्त करेंगी। प्रतिस्पर्द्धा में विजयी रहकर आप अपने शत्रुओं का पराभव कर देंगी। स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा रहेगा।

18/07/2017-04/09/2017 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है।

गुरु की इस घर में मौजूदगी इस अवधि को काफी उत्साह सुख पूर्ण करती हैं। यह समय बेहद अच्छा बीतेगा। विदेशियों या सुदूर स्थलों पर रहने वाले लोगों से आपके सम्बन्ध सौमनस्यपूर्ण रहेंगे। नए उद्यमों के साथ आप सम्बन्ध रहेंगे। भाई-बहन भी इस अवधि में खुशहाल रहेंगे। यदि आप किसी प्रतिस्पर्द्धात्मक परीक्षा में भाग ले रहे हैं तो अवश्य सफल होंगी। इस अवधि के दौरान आप समाधि इत्यादि में दिलचस्पी रखेंगी तथा मानव अस्तित्व के सत्य को उद्घाटित करने के लिए गवेषणा करेंगी। आपकी स्पष्ट रूप से प्रवृत्ति दार्शनिक रहेगी।

04/09/2017-01/11/2017 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

आपके हर काम में अड़चने आएंगी और देरी होगी। कभी-कभी असुरक्षा की भावना से आक्रांत रहेंगी। काम का बोझ बहुत रहेगा और फालतु के कामों में भी आप फसें रह सकती हैं। आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। रिश्तेदारों के स्वास्थ्य के कारण आप चिन्तित रह सकती हैं। भागीदारों या सहयोगियों की लापरवाही के कारण आपको धक्का पहुँच सकता है। वैसे इस अवधि का आखिरी हिस्सा आपको कुछ राहत देगा। आशावादी होना निराशावादी होने से सदैव अच्छा है।

नाम	Aishwarya Rai Bachchan	दादा का नाम	
लिंग	स्त्री	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/11/1973	माता का नाम	
दिन वार	गुरुवार	जाति	
जन्म समय	07:20:00 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	2:18:48 घटी		
जन्म स्थान	Mangalore		
अक्षांश	012.52 उत्तर	विक्रमी संवत्	2030
रेखांश	074.53 पूर्व	शक संवत्	1895
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	कार्तिक
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	शुक्ल
स्थानीय समय	06:49:32 घन्टे	चन्द्र तिथि	6
स्थानीय तिथि	01/11/1973	सूर्योदय कालीन तिथि	6
सूर्योदय	6: 24: 28 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	20:17:26
सूर्यास्त	18: 4: 36 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
दिनमान	11: 40: 7 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	18:30:34
विषुव काल	9: 30: 23 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	धृति
भयात	40:1:10 घटी	योग समाप्ति काल	26:59:38
भभोग	67:55:47 घटी	सूर्योदय कालीन करण	कौलव
ऋतु	शरद	करण समाप्ति काल	6:56:49

मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--	मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	--	मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	--

ग्रह फल / राशि फल

ग्रह	वर्णन	ग्रह फल / राशि फल
सूर्य	सतयुगी राजा, हकीम	..
चन्द्र	उम्र का मालिक फरिश्ता जिससे मौत भी डरे	..
मंगल	मीठा हलवा, विष्णु पालना	..
बुध	योगी, राजा, मतलब परस्त, ब्रह्मज्ञानी	..
गुरु	चंद्र की राजधानी	..
शुक्र	औरत की इज्जत करता - फिर बुरा क्यों	..
शनि	कलम विधाता मकान मर्दा	राशि
राहु	आयु तथा धन का स्वामी	..
केतु	बाप का हुक्म मानने वाला बेटा	राशि

चन्द्र लग्न

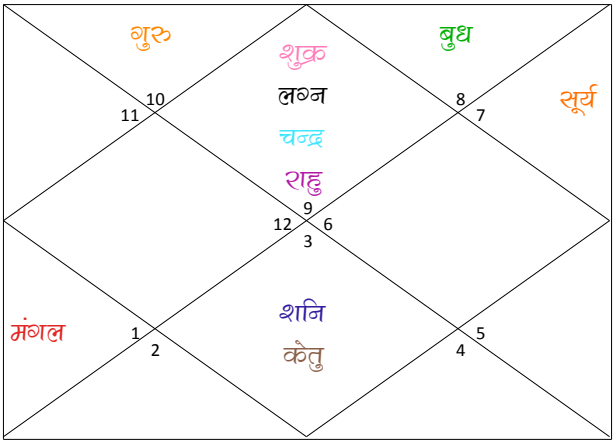

चन्द्र लग्न लाल किताब

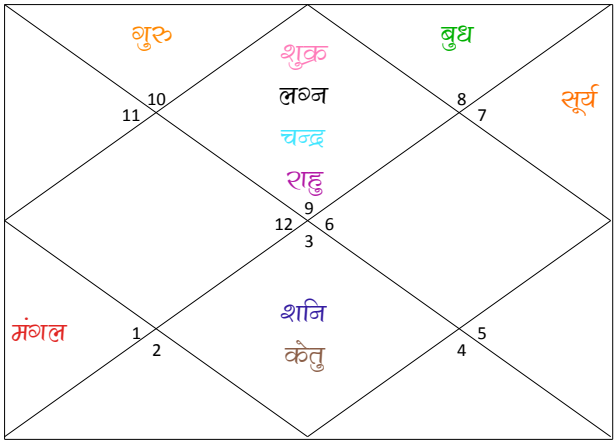

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/11/1973 - 01/11/1975
गुरु	01/11/1975 - 01/11/1977
शुक्र	01/11/1977 - 01/11/1979

राहु 6 वर्ष

केतु	01/11/1979 - 01/11/1981
बुध	01/11/1981 - 01/11/1983
मंगल	01/11/1983 - 01/11/1985

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/11/1985 - 01/11/1986
मंगल	01/11/1986 - 01/11/1987
बुध	01/11/1987 - 01/11/1988

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/11/1988 - 01/11/1990
सूर्य	01/11/1990 - 01/11/1992
शनि	01/11/1992 - 01/11/1994

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/11/1994 - 01/07/1995
राहु	01/07/1995 - 01/03/1996
केतु	01/03/1996 - 01/11/1996

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/11/1996 - 01/03/1997
शनि	01/03/1997 - 01/07/1997
राहु	01/07/1997 - 01/11/1997

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/11/1997 - 01/11/1998
चन्द्र	01/11/1998 - 01/11/1999
गुरु	01/11/1999 - 01/11/2000

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/11/2000 - 01/11/2002
शुक्र	01/11/2002 - 01/11/2004
चन्द्र	01/11/2004 - 01/11/2006

बुध 2 वर्ष

राहु	01/11/2006 - 01/07/2007
केतु	01/07/2007 - 01/03/2008
सूर्य	01/03/2008 - 01/11/2008

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/11/2008 - 01/11/2010
गुरु	01/11/2010 - 01/11/2012
शुक्र	01/11/2012 - 01/11/2014

राहु 6 वर्ष

केतु	01/11/2014 - 01/11/2016
बुध	01/11/2016 - 01/11/2018
मंगल	01/11/2018 - 01/11/2020

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/11/2020 - 01/11/2021
मंगल	01/11/2021 - 01/11/2022
बुध	01/11/2022 - 01/11/2023

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/11/2023 - 01/11/2025
सूर्य	01/11/2025 - 01/11/2027
शनि	01/11/2027 - 01/11/2029

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/11/2029 - 01/07/2030
राहु	01/07/2030 - 01/03/2031
केतु	01/03/2031 - 01/11/2031

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/11/2031 - 01/03/2032
शनि	01/03/2032 - 01/07/2032
राहु	01/07/2032 - 01/11/2032

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/11/2032 - 01/11/2033
चन्द्र	01/11/2033 - 01/11/2034
गुरु	01/11/2034 - 01/11/2035

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/11/2035 - 01/11/2037
शुक्र	01/11/2037 - 01/11/2039
चन्द्र	01/11/2039 - 01/11/2041

बुध 2 वर्ष

राहु	01/11/2041 - 01/07/2042
केतु	01/07/2042 - 01/03/2043
सूर्य	01/03/2043 - 01/11/2043

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/11/2043 - 01/11/2045
गुरु	01/11/2045 - 01/11/2047
शुक्र	01/11/2047 - 01/11/2049

राहु 6 वर्ष

केतु	01/11/2049 - 01/11/2051
बुध	01/11/2051 - 01/11/2053
मंगल	01/11/2053 - 01/11/2055

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/11/2055 - 01/11/2056
मंगल	01/11/2056 - 01/11/2057
बुध	01/11/2057 - 01/11/2058

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/11/2058 - 01/11/2060
सूर्य	01/11/2060 - 01/11/2062
शनि	01/11/2062 - 01/11/2064

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/11/2064 - 01/07/2065
राहु	01/07/2065 - 01/03/2066
केतु	01/03/2066 - 01/11/2066

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/11/2066 - 01/03/2067
शनि	01/03/2067 - 01/07/2067
राहु	01/07/2067 - 01/11/2067

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/11/2067 - 01/11/2068
चन्द्र	01/11/2068 - 01/11/2069
गुरु	01/11/2069 - 01/11/2070

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/11/2070 - 01/11/2072
शुक्र	01/11/2072 - 01/11/2074
चन्द्र	01/11/2074 - 01/11/2076

बुध 2 वर्ष

राहु	01/11/2076 - 01/07/2077
केतु	01/07/2077 - 01/03/2078
सूर्य	01/03/2078 - 01/11/2078

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/11/2078 - 01/11/2080
गुरु	01/11/2080 - 01/11/2082
शुक्र	01/11/2082 - 01/11/2084

राहु 6 वर्ष

केतु	01/11/2084 - 01/11/2086
बुध	01/11/2086 - 01/11/2088
मंगल	01/11/2088 - 01/11/2090

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/11/2090 - 01/11/2091
मंगल	01/11/2091 - 01/11/2092
बुध	01/11/2092 - 01/11/2093

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/11/2093 - 01/11/2095
सूर्य	01/11/2095 - 01/11/2097
शनि	01/11/2097 - 01/11/2099

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/11/2099 - 01/07/2100
राहु	01/07/2100 - 01/03/2101
केतु	01/03/2101 - 01/11/2101

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/11/2101 - 01/03/2102
शनि	01/03/2102 - 01/07/2102
राहु	01/07/2102 - 01/11/2102

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/11/2102 - 01/11/2103
चन्द्र	01/11/2103 - 01/11/2104
गुरु	01/11/2104 - 01/11/2105

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/11/2105 - 01/11/2107
शुक्र	01/11/2107 - 01/11/2109
चन्द्र	01/11/2109 - 01/11/2111

बुध 2 वर्ष

राहु	01/11/2111 - 01/07/2112
केतु	01/07/2112 - 01/03/2113
सूर्य	01/03/2113 - 01/11/2113

धर्मी टेवा

लाल किताब में कुछ कुन्डली धर्मी टेवा से प्रभावित होती है। लाल किताब के अनुसार राहु, केतु एवं शनि अशुभ ग्रह माने जाते है। मंगल का प्रभाव यदि अशुभ हो तो यह ग्रह भी अशुभ माना जाता है। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है।
यदि टेवा में बृहस्पति, शनि के साथ किसी भी घर में स्थित हो या फिर शनि 11वें घर में हो, तो वह धर्मी टेवा कहलाता है। यदि बृहस्पति के साथ शनि हो तो वह कई कष्टों का निवारक होता है एवं जीवन को नियंत्रित कर देता है। खास तौर पर 6ठे, 9वें, 11वें या फिर 12वें घरों में बृहस्पति-शनि का सेंयोग बहुत फलदायक होता है। यदि किसी टेवा में राहु या केतु में से कोई ग्रह 4थे घर में स्थित हो तो भी वह धर्मी टेवा कहलाता है। टेवा में चंद्र का सेंयोग राहु या फिर केतु के साथ किसी भी घर में हाने पर भी वह धर्मी टेवा हो जाता है।
धर्मी टेवा वाले जातक को परेशानियों के समय ईश्वर की सहायता एवं कृपा प्राप्त हाती है। शनि जो कि भागय एवं मुश्किलों का कारक होता है, बृहस्पति के सेंयोग से जातक के जीवन में शुभ फल प्रदान करता है। वैसे ही राहु अथवा केतु जो कि अशुभ ग्रह माने जाते है, यदि 4थे घर में स्थित हो या फिर चंद्र के साथ किसी भी घर में हो, तो वह जातक को कोई हानि नहीं पहुंचाते। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों कि अशुभता तथा सारी समस्याओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में धर्मी टेवा हैं।

रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह

लाल किताब के अनुसार कुछ कुन्डली में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने पर भी वह शुभ फल प्रदान नहीं करते। इस प्रकार का टेवा व्यावसायिक जीवन, मन की शांति एवं ग्रहस्थ जीवन के लिए अशुभ सिद्ध होते है। इस प्रकार के टेवे (रतांध ग्रह) उस इन्सान कि तरह होते है जो दिन में देख सकते है परंतु रात्रि में अंधे हो जाते हैं।
यदि टेवा में 4थे घर में सूर्य और 7वें घर में शनि स्थित हो तो वह अर्द्ध-अंधा टेवा कहलाता है। एसी स्थिती में शनि अपनी दसवीं पूर्ण दृष्टि से सूर्य को प्रभावित करता है। शनि की दृष्टि सूर्य पर पड़ने से सूर्य के शुभता, अशुभता में बदल जाती है क्यों कि शनि, 7वें घर में होने से बहुत शक्तिशाली हो जाता है। शनि कि

स्थिती से नवम, प्रथम तथा चतुर्थ भाव (जो कि भाग्य, स्वास्थ्य तथा सुख के स्थान है) भी प्रभावित होते हैं और उनके शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाते है।
अतः एसी स्थिती में सूर्य के उपायों कि कोई मान्यता नहीं है। शनि के अशुभ फलों को नष्ट करने के लिए, जातक को मात्र शनि के उपायों का ही पालन करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

अंधा ग्रह

कुन्डली में दशम भाव का बहुत महत्व होता है क्यों कि यह भाव कर्म से सम्बन्धित होता है। शारीरिक तौर पर यह भाव हड्डीयाँ, पीठ तथा घुटनो के जोड़ से सम्बन्धित है। इस भाव से ओहदा, कीर्ति, उद्योग, व्यापार, बड़ी पदवी की प्राप्ति, अधिकार, नौकरी, राज्य, सत्ता, ऐश्वर्य-भोग एवं प्रतिष्ठा का विचार किया जाता है। इस से सम्बन्धित रोग एंव विकार चर्म रोग तथा घुटनो का दर्द है। यदि टेवा में, 10वें घर में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो या फिर 10वें घर में शत्रु ग्रह स्थित हो तो वह अंधा टेवा कहलाता है।
उदाहरण के तौर पर चंद्र-केतु, शनि-सूर्य, सूर्य-राहु आदि शत्रु ग्रह हैं। इस तरह के ग्रह 10वें भाव में होने से, अपना प्रभाव दूसरे ग्रहों कि शुभता पर डालते है और वह अशुभ फल में परिणत हो जाते हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में अंधा ग्रह से प्रभावित हैं।

नाबालिग ग्रहों से प्रभावित हैं।

लाल किताब के अनुसार चंद कुन्डली कुछ हालतो में बारह साल की उम्र तक नाबालिक टेवे होते है। इस तरह कि कुन्डली वाले जातक की किस्मत 12 साल तक शक्की होती है। एसे बालक के जीवन पर 12 साल तक, कुन्डली का नहीं बलकि उसके पिछले जन्म के भाग्य के असर का प्रभाव रहता है। इस तरह कि कुन्डली के ग्रहों का प्रभाव उस नाबालिक के समान होता है, जो अपने परिवार के बड़ों पर निर्भर हैं और अपने बल पर ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर सकता। वैसे ही नाबालिग टेवा में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने

पर भी वह अपना पूर्ण शुभ फल प्रदान नहीं कर पाते।
यदि टेवा में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम और दशम भाव (केंद्र स्थान) में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो अथवा उनमें सिर्फ पापी ग्रह (शनि, राहु या केतु) हो, या फिर इनमें से किसी स्थानो में अकेला बुध स्थित हो, तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा कहलाता है। लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक के जीवन पर हरेक ग्रह का प्रभाव, प्रत्येक वर्ष, 12 साल की आयु तक निम्नलिखित अनुसार पड़ता है।
जातक को अपने जीवन पर इन ग्रहों से पड़ने वाले अशुभ फलों को शुभ फल में परिणत करने के लिए प्रत्येक वर्ष, उन ग्रहों का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में नाबालिग ग्रहों से प्रभावित नहीं हैं।

जातक की आयु	प्रभाव डालने वाला घर
1	सांतवें घर के ग्रह
2	चौथे घर के ग्रह
3	नौवें घर के ग्रह
4	दसवें घर के ग्रह
5	ग्यारहवें घर के ग्रह
6	तीसरे घर के ग्रह
7	दूसरे घर के ग्रह
8	पांचवें घर के ग्रह
9	छठे घर के ग्रह
10	बारहवें घर के ग्रह
11	पहले घर के ग्रह
12	आठवें घर के ग्रह

कुन्डली में कुछ ग्रहों की स्तिथी अनुकूल न होने के कारण जातक अपने जीवन में कई प्रकार से ऋणी हो जाता है। इस स्तिथी में जातक के विकास पर भी असर होता है क्यों कि उन दुषित ग्रहों के प्रभाव से शुभ ग्रह भी अपना अनुकूल फल देना बंद कर देते है। इसलिए इस तरह कि कुन्डली वाले जातको को चाहिए कि वह इन ऋण भार से अपने आप को मुक्त करें ताकि ग्रहों के शुभ फल पा सके एवं अपना शेष जीवन सुख पूर्वक व्यतीत कर सके। नीचे ऋणो के कई प्रकार एवं उनके लक्षण दिए गए हैं जिससे जातक के जीवन पर असर पड़ सकता है। साथ में एसी स्थिती के हाने पर उनके उपाय भी दिए गए हैं।

पितृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, बुध या फिर राहु, इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे, पांचवे, नौंवे या बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- घर के पास बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना या फिर खानदान के कुल पुरोहित को बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का सम्बंध है (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन-बेटी, बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर का हिस्सा लेकर के उसी दिन मंदिर में दान कर देना।
2. पीपल के पेड़ पर 43 दिन लगातार जल चडाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में पितृ ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

स्वदोष ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, शनि, राहु या फिर केतु पांचवे खाने में स्थित हो तो जातक पर स्वदोष ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुल के पुराने रस्मों-रिवाजों का पालन न करना या नास्तिक होना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का प्रभाव हो सबका बराबर का हिस्सा लेकर के सूर्य या विश्नू यज्ञ करना या हवन करना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्वदोष ऋण का दोष नहीं हैं।

मातृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में केतु चौथे खाने में स्थित हो तो जातक पर मातृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी संतान पैदा होने के बाद माता को दरबदर जुदा करना, दुर्व्यवहार करना या दुःखी करना या उनका खुद ही दुःखी हो जाने पर लापरवाही करना, उनके सुख-दुःख का ख्याल नही खरना।

उपाय

1. चाँदी का सिक्का लेकर उसे दरिया या बहते पानी में बहाया जाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में मातृ ऋण का दोष नहीं हैं।

भ्रातृ/पारिवारिक ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में बुध अथवा शुक्र प्रथम अथवा अष्टम खाने में स्थित हो तो जातक पर भ्रातृ/पारिवारिक ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी के पके हुए खेत को आग लगा देना या किसी का मकान बनने पर आग लगा देना। भाईयों या रिश्तेदारों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन एवं पारिवारिक त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

उपाय

1. किसी खैराती संस्था को दवाईयाँ दान करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में भ्रातृ/पारिवारिक ऋण का दोष नहीं हैं।

स्त्री ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर राहु इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे अथवा सातवें खाने में स्थित हो तो जातक पर स्त्री ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी पत्नी या कुल की किसी स्त्री का किसी लालच या सम्बंध के कारण मार देना या किसी स्त्री को बच्चे जनने की हालत में किसी लालच के कारण जान से मार देना।

उपाय

1. 100 गायों को एक ही दिन में चारा खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्त्री ऋण का दोष नहीं हैं।

कन्या/बहन ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र तीसरे अथवा छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर कन्या/बहन का ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी की लड़की या बहन की हत्या करना या हद से ज्यादा जुल्म करना। बहन का ख्याल न रखना या किसी लड़की को धोखा देना।

उपाय

1. पीले रंग की कौड़ियां खरीद कर एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में कन्या/बहन ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

क्रूर/जालिमाना ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह दशम अथवा ग्यारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर क्रूर/जालिमाना ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी का मकान अथवा जमीन धोखेसे ले लेना, उसकी कीमत किसी तरह भी अदा न करना।

उपाय

1. 100 मजदूरों को अथवा अलग-अलग जगह की 100 मछलियों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में क्रूर/जालिमाना ऋण का दोष नहीं हैं।

अजन्म/पैदा न हुए का ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, शुक्र अथवा मंगल, इनमें से कोई भी

ग्रह बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर आजन्मकृत ऋण होता है।

पाप का कारणः- ससुराल से धोखा या आपसी रिश्तेदारी में धोखा फरेब की घटनाएँ, ऐसे ढंग से कि दूसरों का कुल ही तबाह हो गया हो।

उपाय

1. एक नारियल लेकर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में अजन्म/पैदा न हुए का ऋण का दोष नहीं हैं।

प्रकृती ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र या फिर मंगल छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर प्रकृती/कुदरती ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुत्तों को मारना या मरवाना, बदचलनी या अपने भतीजे से धोखा करना, ऐसे ढंग से कि हद से अधिक तबाही हो जाए।

उपाय

1. 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।
2. किसी विद्वाह की सेवा करके उसका आशीर्वाद प्राप्त करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में प्रकृती ऋण का दोष नहीं हैं।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

सूर्य लगन में स्थित है, इस घर में सूर्य आत्म-कारक होता है तथा सूर्य के प्रभाव से आप तेजस्वी एवं शत्रुओं पर हावी होने वाली होंगी । प्रथम भाव में शुभ सूर्य शिक्षा एवं मान-सम्मान दिया करता है। आपके लिए शराब एवं मांसाहार से दूर रहना ही उचित है। आपके पास धन मेहनत करके ही आएगा। आप जितना संघर्ष करेंगी उतनी ही प्रगति करेंगी। धार्मिक कार्य एवं परोपकार के कार्य आपको शुभ फल देंगे। यदि आपके घर का मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा में नहीं है तो उन्नति में विघ्न-बाधाएँ आएँगी।

उपाय

1. घर से निकलते समय कुछ मीठा खाकर चलें।
2. रात के भोजन के बाद चूल्हे की आग दूध से बुझाएं।
3. अपने खानदानी मकान में हैण्डपम्प लगवाएं।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

जन्म पत्रिका के तीसरे खाने में चंद्रमा की स्थिति यह प्रदर्शित करती है कि आप मधुर भाषी, परिश्रमी एवं भ्रातृ-सुख से पूर्ण रहेंगी । महिलाओं की आप खूब आवभगत करेंगी । आयु का हर तीसरा महीना एवं तीसरा साल आपके लिए लाभ दायक होगा। शत्रुओं का सामना करने की आप के अंदर क्षमता है। घर की स्त्रियों की इज्जत होने से आपका भाग्योदय होगा । आपकी दिमागी शक्ति अच्छी है और माता का सुख आपको पूर्ण मिलेगा।

उपाय

1. कन्याओं के विवाह पर यथाशक्ति दान दें।
2. धन को बढ़ाने के लिए लड़की के जन्म दिन पर दूध और चावल बाँटें।
3. बुरी नजर से बचने के लिए पुत्र के जन्म दिवस पर गुड़ एवं गेंहू का दान करें।

मंगल ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के सातवें भाव में मंगल की स्थिति यह दर्शाती है कि आप मांगलिक हैं। आप शाही जीवन यापन करेंगी तथा सभी प्रकार का सुख प्राप्त करेंगी। आपको बहन, बुआ से दूर रहना ही उचित है। ज्योतिष में आपकी रुचि रहेगी । विदेश की यात्रा से लाभ रहेगा। आप दूसरों को हौंसला देने वाली हैं। केवल पति से ही सम्बन्ध रखने पर आपकी मुरादें पूरी होंगी।

उपाय

1. बहन, बेटी को मीठा दान करती रहें।
2. किसी से मुफ्त में एक रुपया भी न ल
3. घर में सूखे फूल न रखें।
4. अपने भतीजों की सहायता करें।
5. घर में कैक्टस एवं नागफनी के पेड़ पौधे न लगाएं।

बुध ग्रह का प्रभाव

दूसरे घर में बुध होने से आपके पिता की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आप मेहनत से ही धनी बनेंगी तथा अपने पति के साथ सहयोग करती रहेंगी। आपको अच्छी संगीत की पहचान है। आप उपदेश देने की कला में माहिर हैं । आप पर कोई इल्जाम लग सकता है अतः सावधान रहे। मांसाहारी होने से मान-सम्मान में कमी एवं आर्थिक हानि होने की पूरी सम्भावना है।

उपाय

1. कुंवारी कन्याओं की सेवा करें।
2. मंदिर में दूध एवं चावल का दान करें।
3. चौड़े पत्तों वाले पौधे घर में न रखें।

गुरु ग्रह का प्रभाव

चौथे घर में गुरु की स्थिति यह दर्शाती है कि जीवन में आपकी मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी तथा आप में परोपकार वृत्ति है । आपको आकस्मिक धन लाभ होने की पूरी आशा है। अच्छे वाहन व अच्छे भवन का

आपको हमेशा लाभ प्राप्त होता रहेगा । आप पर लांछन लगने की आशंका है तथा पति के अलावा अन्य पुरुषों से सम्बन्ध होने से हानि हो सकती है ।

उपाय

1. नियमित रूप से मन्दिर जाते रहें।
2. कुल पुरोहित का आशीर्वाद लेते रहें।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के खाना नं. तीन में शुक्र की स्थिति यह दर्शाती है कि आपके घर में आकस्मिक घटनाएँ नहीं होंगी । आपके पति सदाचारी होंगे । आप पति के वश में रहेंगी तथा आप के जीवन में अच्छे मकान का योग देरी से होगा । अपने पति के अलावा दूसरे पुरुषों के प्रति आपके मन में लालसा रहेगी । आपको अपनी आमदनी को बढ़ाने के लिए अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ेगा । आप के पास सभी सुख - सुविधाएँ होने पर भी आपके मन में संतुष्टि कम रहेगी । भाई-बन्धुओं तथा पैतृक सम्पत्ति से आपको सामान्य लाभ होगा ।

उपाय

1. पति पक्ष के लोगों से किसी भी कार्य में साझेदारी न करें।
2. मंगल ग्रह से सम्बंधित वस्तुओं का उपयोग करें।
3. अपने घर में नृत्य, गायन, संगीत से परहेज करें।

शनि ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के नौवें भाव में शनि होने से आप दूसरों की मददगार होंगी तथा आप इससे अच्छा यश लाभ प्राप्त करेंगी । आपको भवन सम्बन्धी कार्यों तथा लंबी चलती-फिरती यात्राओं से लाभ होगा । आप भाग्यवान् होंगी तथा आपके पति भी अच्छे घराने से होंगे । संतान की प्राप्ति में कुछ देरी हो सकती है । माता-पिता की ओर से सुख लाभ रहेगा । तीर्थ यात्राओं पर अवश्य जाएंगी और धर्म-कर्म में आपकी प्रवृत्ति होगी ।

उपाय

1. दूसरों की भलाई करती रहें।
2. धार्मिक जीवन यापन करें।
3. अपने मकान की छत्त के ऊपर लकड़ी व घास-फूस न रखें।

राहु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के तीसरे खाने में राहु होने से आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपके भाईयों के लिए इसका असर विशेष अच्छा नहीं रहेगा । आप अपने पराक्रम से अच्छी सम्पत्ति तथा धन ऐश्वर्य को प्राप्त करेंगी । शत्रुपक्ष कमजोर रहेगा एवं वे आपसे दबे रहेंगे। बच्चों (सन्तान) का सुख अच्छा रहेगा। 22 तथा 34 वें वर्ष में पारिवारिक परेशानियाँ हो सकती हैं । आपकी समाज में मान प्रतिष्ठा रहेगी। आप साहसी तथा महत्वाकांक्षी प्रवृत्ति की हैं। जीवन साथी की ओर से आपको सुख सहयोग प्राप्त होगा।

उपाय

1. असत्य भाषण न करें।
2. पीपल का वृक्ष रोपण करें।
3. दिन में पक्षियों को दाना डालें।
4. घर में हाथी का दांत रखें।

केतु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के नौवें खाने में केतु की स्थिति यह दर्शाती है कि आप सौभाग्यशाली होंगी। जीवन में आप अच्छी उन्नति प्राप्त करेंगी । आपके अपने घर से बाहर रहने के अधिक योग है तथा दूर की यात्राएँ होती रहेंगी । यात्राओं से लाभ यश प्राप्त होगा तथा आप जीवन में धन सम्पदा से युक्त रहेंगी। आपके मन में हमेशा आर्थिक लाभ की चिन्ता बनी रहेगी । सामाजिक कार्यों के प्रति आप रुचि रखेंगी। धर्म-कर्म में आपकी सामान्य आस्था रहेगी। आपकी स्वतन्त्र रूप से जीवन यापन करने में रुचि रहेगी।

उपाय

1. बृहस्पति का उपाय करें
2. गणपति की पूजा-अर्चना करें।
3. कुलगुरु एवं अपने बुजुर्गों का सम्मान करें।

जन्म लग्न

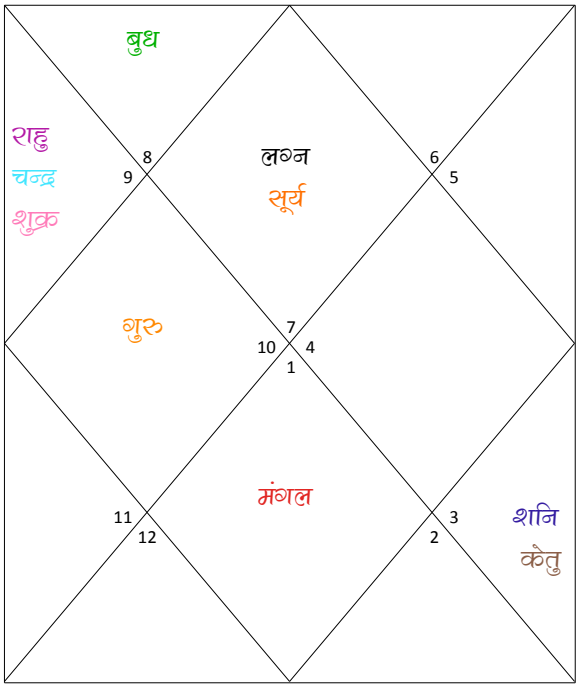

लाल किताब कुण्डली

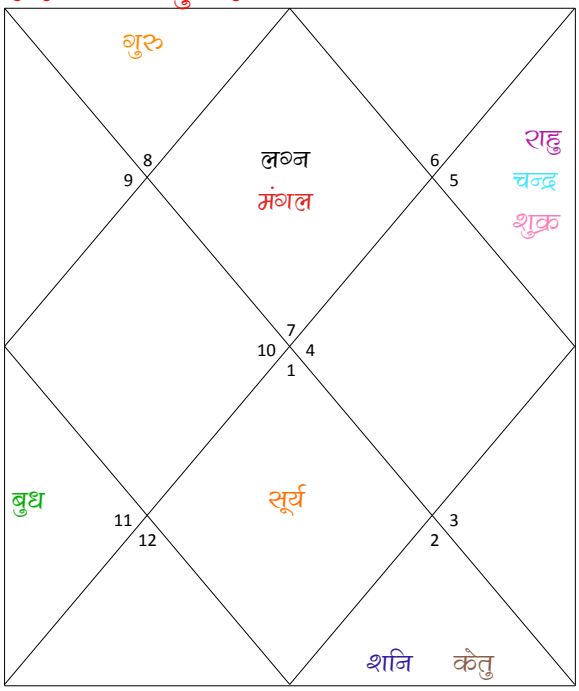

लाल किताब उपाय

ग्रह	उपाय
सूर्य	रुकावटें दूर करने के लिए, घर छोड़ते समय कुछ मीठा / चीनी मुंह में रख लें ।
चन्द्र	शुक्रवार के दिन खुशियों में शरीक न हों। 11 किलो दूध भैरो अथवा शनि मंदिर में दान करें।
मंगल	दाएँ हाथ में शुद्ध चाँदी का ढलाई वाला कड़ा धारण करें। किसी से कुछ भी मुफ्त न लें। झूठ न बोलें।
बुध	कमर पर बैल्ट बांधे। सबसे छोटी उंगली में शुद्ध चाँदी का ढलाई द्वारा निर्मित छल्ला पहने।
गुरु	माथे पर हल्दी अथवा केसर का तिलक लगाएँ। यदि आपके घर / दफ्तर के पास गद्दे हैं तो उन्हे फौरन भरवा ।
शुक्र	शनिवार के दिन सरसों के तेल का दान करें।
शनि	800 ग्राम काली मांह की साबुत दाल बहती नदी में जल प्रवाह करें।
राहु	भाग्य आकर्षण के लिए चाँदी के गिलास में ही पानी पियें। घर में हथियार न रखें।
केतु	धर्मस्थान में कंबल का दान करें।